تعليم اللغة العربية من معهد رحماء

اَلدَّرْسُ الْأَوَّلُ

(اسم الإشارة و مشار إليه)

هٰذَا - এটা/ইহা

ذٰلِكَ - ওটা/উহা

كِتَابٌ - বই

قَلَمٌ - কলম

অনুশীলনী

هٰذَا كِتَابٌ

ذٰلِكَ كِتَابٌ

هٰذَا قَلَمٌ

ذٰلِكَ قَلَمٌ

জেনে রাখা ভালো, যার দ্বারা কোনো জিনিসকে ইশারা করা হয় তাঁকে ইসমে ইশারা আর যার দিকে ইশারা করা হয় তাঁকে মুশারুন ইলাইহি বলে। যেমন; هٰذَا كِتَابٌ ইহা একটি বই।' এই বাক্যে ইহা هٰذَا ইসমে ইশারা আর বই كِتَابٌ শব্দটি মুশারুন ইলাইহি।

শব্দার্থ

বই-كِتَابٌ

কলম-قَلَمٌ

চেয়ার-كُرْسِيٌّ

ঘর-بَيْتٌ

বাতি-مِصْبَاحٌ

দেয়াল-جِدَارٌ

খাট-سَرِيْرٌ

মসজিদ-مَسْجِدٌ

تعليم اللغة العربية من معهد رحماء

صُنْدُوْقٌ-বাক্স	مَكْتَبٌ-অফিস
مُشْطٌ-চিরুনি	سِكِّيْنٌ-ছুরি
سَطْحٌ/سَقْفٌ-ছাদ	قُفْلٌ-তালা

تمرين

هٰذَا كِتَابٌ	ذٰلِكَ سَطْحٌ
ذٰلِكَ قَلَمٌ -	ذٰلِكَ سَقْفٌ
هٰذَا كُرْسِيٌّ -	هٰذَا قُفْلٌ -
ذٰلِكَ بَيْتٌ -	ذٰلِكَ صُنْدُوْقٌ -
هٰذَا بَابٌ -	هٰذَا مَكْتَبٌ -
ذٰلِكَ مِصْبَاحٌ	ذٰلِكَ مُشْطٌ
هٰذَا جِدَارٌ -	هٰذَا سِكِّيْن -
ذٰلِكَ سَرِيْرٌ -	هٰذَا مَسْجِدٌ -

اَلدَّرْسُ الثَّانِيْ

(اسم الإشارة ومشار اليه- 'الفرق بين المذكر والمؤنث)

هٰذِهٖ - এটা/ইহা

مَدْرَسَةٌ - স্কুল/মাদরাসা

تِلْكَ - ওটা/উহা

سَبُّوْرَةٌ - ব্ল্যাকবোর্ড

অনুশীলনী

هٰذِهٖ مَدْرَسَةٌ

تِلْكَ سَبُّوْرَةٌ

শব্দার্থ

مَدْرَسَةٌ- মাদরাসা

نَافِذَةٌ/شَبَّاكٌ- জানালা

سَبُّوْرَةٌ- ব্ল্যাকবোর্ড

قَلَنْسُوَةٌ- টুপি
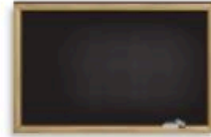
حَقِيْبَةٌ- ব্যাগ

سَاعَةٌ- ঘড়ি

مِرْاٰةٌ- আয়না

نَظَّارَةٌ/شَمْسِيَّةٌ- চশমা

كُرَّاسَةٌ/دَفْتَرٌ- খাতা

دَرَّاجَةٌ- সাইকেল

طَاوِلَةٌ- টেবিল

سَيَّارَةٌ- গাড়ি

تعليم اللغة العربية من معهد رحماء

حُجْرَةٌ/غُرْفَةٌ- কামরা	مِظَلَّةٌ- ছাতা

مِرْوَحَةٌ- পাখা/ফ্যান

تمرين

هٰذِهِ مَدْرَسَةٌ. تِلْكَ سَبُّوْرَةٌ. هٰذِهِ حَقِيْبَةٌ. تِلْكَ مِرْاةٌ. هٰذِهِ كُرَّاسَةٌ.
تِلْكَ طَاوِلَةٌ. هٰذِهِ حُجْرَةٌ. تِلْكَ غُرْفَةٌ. هٰذَهِ نَافِذَةٌ. تَلْكَ قَلَنْسُوَةٌ
هٰذِهِ سَاعَةٌ. تِلْكَ نَظَّارَةٌ. هٰذَهِ شَمْسِيَّةٌ. تِلْكَ دَرَّاجَةٌ. هٰذَهِ سَيَّارَةٌ.
تِلْكَ مِظَلَّةٌ. هٰذَهِ مِرْوَحَةٌ

تمرين

الفرق بين المذكر والمؤنث

هٰذَا قَلَمٌ	هٰذَهِ طَاوِلَةٌ	ذٰلِكَ مِفْتَاحٌ
ذٰلِكَ دَفْتَرٌ	ذٰلِكَ بَاُبٌ	تِلْكَ مِظَلَّةٌ
هٰذَهِ شَمْسَيَّةٌ	هٰذَا جِدَارٌ	هٰذَا مَسْجِدٌ
تِلْكَ قَلَنْسُوَةٌ	تِلْكَ غُرْفَةٌ	ذٰلِكَ بَيْتٌ
تِلْكَ سَاعَةٌ	هٰذَا قُفْلٌ	هٰذَهِ حُجْرَةٌ

বাংলা থেকে আরবী করো

ইহা একটি ছাতা।	উহা একটি মসজিদ।
উহা একটি ব্যাগ।	ইহা একটি ব্ল্যাকবোর্ড।
ইহা একটি অফিস।	উহা একটি আয়না।
ইহা একটি খাট।	ইহা একটি বাঙ।
উহা একটি ছাদ।	উহা একটি বাতি।
ইহা একটি কার।	এটি একটি ঘর।

الدَّرْسُ الثَّالِثُ

(প্রশ্নবোধক- من الاستفهام)

مَاذَا/مَا - কী? (সাধারণ বা অনির্দিষ্ট প্রশ্নের জন্য)

هَلْ - কী? (নির্দিষ্ট প্রশ্ন)

ما এর ব্যবহার

ما هذا -এটা কী?

هٰذَا مِصْبَاحٌ -এটা একটি বাতি
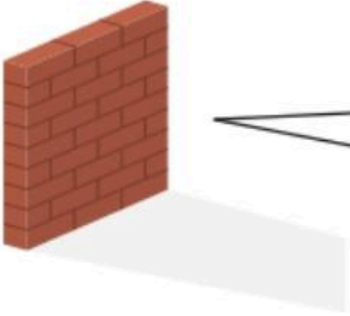
مَا ذٰلِكَ ওটা কী?

ذٰلِكَ جِدَارٌ; ওটা একটি দেয়াল

مَا هٰذِهِ -এটা কী?

هٰذِهِ قَلَنْسُوَةٌ -এটা একটি টুপি

مَا تِلْكَ ওটা কী?

تِلْكَ سَبُّوْرَةٌ ওটা একটি ব্ল্যাকবোর্ড
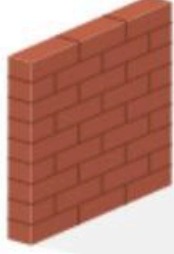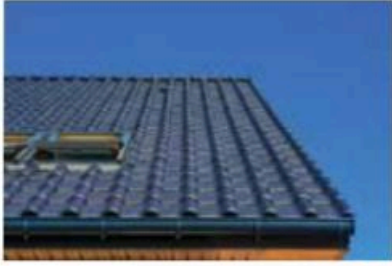
هَل এর ব্যবহার

هَلْ هٰذَا جِدَارٌ ?এটা কি দেয়াল?

نَعَمْ هٰذَا جِدَارٌ -হ্যাঁ এটা দেয়াল-

هَلْ ذٰلِكَ سَقْفٌ ?ওটা কি ছাদ?

نَعَمْ ذٰلِكَ سَقْفٌ । হ্যাঁ ওটা ছাদ।

هَلْ هٰذَا سَرِيْرٌ ?এটা কি খাট?

لَا بلْ هٰذَا مِصْبَاحٌ -না এটা বাতি-

هَلْ ذٰلِكَ قُفْلٌ ?ওটা কি তালা?

لَا بَلْ ذٰلِكَ مِفْتَاحٌ -না এটা চাবি-

هَلْ هٰذِهِ سَاعَةٌ ?এটা কি ঘড়ি?

نَعَمْ هٰذِهِ سَاعَةٌ -হ্যাঁ এটা ঘড়ি-

هَلْ تِلْكَ مِظَلَّةٌ ?ওটা কি ছাতা?

نَعَمْ تِلْكَ مِظَلَّةٌ -হ্যাঁ ওটা ছাতা-

تعليم اللغة العربية من معهد رحماء

هَلْ هٰذِهِ مِرْوَحَةٌ ؟এটা কি পাখা?
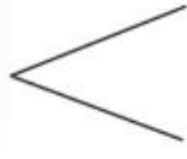
لَا بَلْ هٰذِهِ سَبُّوْرَةٌ -না এটা ব্ল্যাকবোর্ড

هَلْ تِلْكَ دَرَّاجَةٌ ؟ওটা কি সাইকেল?

لَا بَلْ تِلْكَ سَيَّارَةٌ -না ওটা গাড়ি

بَلْ -বরং	نَعَمْ -হ্যাঁ	لَا -না

اَلدَّرْسُ الرَّابِعُ

موصوف وصفة এর ব্যাবহার নীতি

جَدِيْدٌ/جَدِيْدَةٌ-নতুন

قَدِيْمٌ/قَدِيْمَةٌ-পুরোনো

جَمِيْلٌ/جَمِيْلَةٌ-সুন্দর

صَغِيْرٌ/صَغِيْرَةٌ-ছোট

كَبِيْرٌ/كَبِيْرَةٌ-বড়

جَيِّدٌ/جَيِّدَةٌ-ভাল

كَيْفَ-কেমন

(আগে শব্দগুলো মুখস্থ করে নিবে। তারপর ওস্তাদ স্পষ্টকরে সব বুঝিয়ে দিবে।)

تمرين

নতুন বই, পুরাতন মাদরাসা, সুন্দর তালা, ছোট মসজিদ, ভাল ছাদ, বড় গাড়ি।

كَيْفَ এর ব্যবহার

كَيْفَ هٰذَا؟ هٰذَا جَمِيْلٌ-

كَيْفَ تِلْكَ؟ تِلْكَ كَبِيْرَةٌ

تمرين

هٰذَا قُفْلٌ جَدِيْدٌ- ذٰلِكَ صُنْدُوْقٌ قَدِيْمٌ- هٰذَا مُشْطٌ جَيِّدٌ- هٰذِهِ مِرْاٰةٌ كَبِيْرَةٌ

تِلْكَ دَرَّاجَةٌ صَغِيْرَةٌ. تِلْكَ مِظَلَّةٌ جَمِيْلَةٌ

এটা পুরাতন বই

ওটা নতুন কলম

ইহা নতুন ছাতা

ওহা নতুন খাতা

এটা কেমন

ওটা কেমন

এটা সুন্দর

ওটা বড়

ওটা সুন্দর সাইকেল

এটা বড় মসজিদ

এটা পুরাতন মাদরাসা

ওটা পুরাতন ঘড়ি

اَلدَّرْسُ الْخَامِسُ

مُبْتَدَا وَخَبْرُ - مُسْنَدٌ وَ مُسْنَدٌ إِلَيْهِ - مَعْرِفَةٌ وَ نَكِرَةٌ

قَائِمٌ/قَائِمَةٌ - দন্ডায়মান/দাঁড়ানো

نَائِمٌ/نَائِمَةٌ - ঘুমন্ত/ঘুমিয়ে আছে

أسماء

الرجال	النساء
زَيْدٌ-জায়েদ	زَيْنَبُ-যায়নাব
رَاشِدٌ-রাশেদ	رُقَيَّةُ- রুকাইয়া
خَالِدٌ-খালেদ	فَاطِمَةُ-ফাতেমা
عَمْرٌو - আমর	عَائِشَةُ-আয়েশা
عُمَرُ-উমর	خَدِيْجَةُ-খাদিজা

বিঃদ্রঃ পুরুষ ও মহিলা নামের ব্যাবহারের পার্থক্য উস্তাদ ক্লাসে বুঝিয়ে দিবেন।

শব্দার্থ

قِصَّةٌ-ঘটনা	مَسَّاحَةٌ-ডাস্টার
ظُلْمَةٌ-অন্ধকার	خَارِطَةٌ - ম্যাপ
مَكْسُوْرٌ-ভাঙ্গা	طَيِّبٌ-ভালো/উত্তম
نُوْرٌ-আলো	مِحْرَاثٌ-লাঙ্গল

جِدًّا-অনেক/খুব

تمرين

اَلْكِتَابُ جَمِيْلٌ - বইটি সুন্দর	اَلْخَارِطَةُ جَمِيْلَةٌ - ম্যাপটি সুন্দর
اَلْمِحْرَاثُ مَكْسُوْرٌ - লাঙ্গলটি ভাঙ্গা	اَلرَّجُلُ طَيِّبٌ - লোকটি ভাল
اَلسَّيَارَةُ جَيِّدَةٌ جِدًّا - গাড়িটি অত্যন্ত ভালো	اَلْبَيْتُ ظُلْمَةٌ - ঘরটি অন্ধকার

تمرين

ঐ চশমাটি পুরাতন।	এই ঘরটি বড়।
এই তালাটি বড়।	ঐ মাদরাসাটি ছোট।
ছাদটি অত্যন্ত বড়।	এই ছাতাটি সুন্দর।
এই কিতাবটি খুব সুন্দর।	ঐ ঘটনাটি বিশাল বড়।

اَلدَّرْسُ السَّادِسُ

পিছনের সব সবকের তামরিন ও সাপ্তাহিক পরীক্ষা।

تَمْرِين

اسم الإشارة ومشار اليه

هٰذَا كِتَابٌ - ذٰلِكَ مِصْبَاحٌ - هٰذِهٖ قَلَنْسُوَةٌ- تِلْكَ نَافِذَةٌ - هٰذِهٖ سَاعَةٌ

ذٰلِكَ قَلَمٌ- تِلْكَ مِرْآةٌ - هٰذَا قُفْلٌ - هٰذِهٖ سَيَّارَةٌ- ذٰلِكَ مِفْتَاحٌ

تَمْرِين

اسم الإشارة ومشار اليه (বাংলা থেকে আরবী)

ইহা একটি গাড়ি। উহা একটি সাইকেল। ইহা একটি কলম।

ইহা একটি ঘর। উহা একটি খাট। ইহা একটি ছাদ।

تَمْرِين

الاستفهام

ما هٰذَا	هٰذَا بَابٌ
مَا تِلْكَ	تِلْكَ طَاوِلَةٌ
مَا ذٰلِكَ	ذٰلِكَ مِصْبَاحٌ
ما هٰذِهٖ	هٰذِهٖ سَاعَةٌ
ما هٰذَا	هٰذَا مَسْجِدٌ
ما ذٰلِكَ	هٰذَا سَقْفٌ
ما تِلْكَ	تِلْكَ سَيَّارَةٌ

هَلْ هٰذَا سَقْفٌ	لَا بَلْ هٰذَا مِفْتَاحٌ
هَلْ ذٰلِكَ كُرْسِيٌّ	لَا بَلْ ذٰلِكَ مِفْتَاحٌ
هَلْ هٰذِهٖ حُجْرَةٌ	نَعَمْ هٰذِهٖ حُجْرَةٌ
هَلْ تِلْكَ مِظَلَّةٌ	نَعَمْ تِلْكَ مِظَلَّة
هَلْ ذٰلِكَ مُشْطٌ	نَعَمْ ذٰلِكَ مُشْطٌ
هَلْ تِلْكَ خَارِطَةٌ	لَا بَلْ تِلْكَ سَيَّارَةٌ
هَلْ هٰذِهٖ حَقِيْبَةٌ	نَعَمْ هٰذِهٖ حَقِيْبَةٌ

تمرين

الاستفهام (বাংলা থেকে আরবী)

এটা কী?	এটা একটি সাইকেল
ওটা কী?	ওটা একটি বই
এটা কী?	এটা একটি ছাদ
ওটা কী?	ওটা একটি টুপি
ওটা কী?	ওটা একটি চিরুনি
এটা কী?	এটা একটি ম্যাপ
এটা কী?	এটা একটি গাড়ি

ওটা কি সাইকেল	না। বরং ওটা গাড়ি
এটা কি তালা	হ্যাঁ! এটা তালা
ওটা কি দরজা	হ্যাঁ! ওটা দরজা
এটা কি আয়না	না। বরং এটা ব্যাগ
এটা কি কলম	হ্যাঁ! ওটা কলম
ওটা কি ঘর	হ্যাঁ! ওটা ঘর
ওটা কি বাতি	না। বরং ওটা লাঙল

تمرين

موصوف وصفة

هٰذَا مُشْطٌ جَدِيْدٌ - تِلْكَ نَظَّارَةٌ قَدِيْمَةٌ - هٰذِهٖ سَبُّوْرَةٌ جَيِّدَةٌ

ذٰلِكَ مِحْرَاثٌ كَبِيْرٌ - تِلْكَ نَافِذَةٌ صَغِيْرَةٌ - تِلْكَ مِظَلَّةٌ جَمِيْلَةٌ

تمرين

موصوف وصفة (বাংলা থেকে আরবী)

এটা পুরাতন লাঙল। ওটা বড় বাড়ি। এটা ভালো চিরুনি। ওটা কেমন?

এটা ছোট দরজা। ওটা সুন্দর ব্ল্যাকবোর্ড। এটা পুরাতন টুপি।

تمرين

مبتدا وخبر - مسند و مسند إليه - معرفة و نكرة

اَلسَّبُّوْرَةُ جَمِيْلَةٌ - اَلرَّجُلُ طَيِّبٌ - اَلمَسْجِدُ نُوْرٌ - اَلْكِتَابُ جَمِيْلٌ - اَلْمِحْرَاثُ مَكْسُوْرٌ

اَلسَّيَارَةُ جَيِّدَةٌ جِدًّا - اَلْبَابُ جَدِيْدٌ - اَلْمِظَلَّةُ قَدِيْمَةٌ - اَلسَّاعَةُ صَغِيْرَةٌ

تمرين

مبتدا وخبر - مسند و مسند إليه - معرفة و نكرة (বাংলা থেকে আরবী)

এই ঘরটি অন্ধকার। ঐ চাবিটি ছোট। এই ব্ল্যাকবোর্ডটি সুন্দর। এই বাতিটি বড়।

ঐ সাইকেলটি অনেক ছোটো। ঐ মসজিদটি পুরাতন। লাঙলটি অত্যন্ত ভালো।

এই কিতাবটি খুব সুন্দর।

اَلدَّرْسُ السَّابِعُ

(حَرْفُ النِّدَاءِ وَمُنَادٰى)

যার দ্বারা কাউকে/কোনো জিনিসকে ডাকা হয় তাকে হরফে নেদা (حرف النداء) বলা হয়। আর যাকে/যে জিনিসকে ডাকা হয় তাকে মুনাদা (منادى) বলে। যেমন يا راشد হে রাশেদ। এখানে হে/يَا হরফে নেদা (حرف النداء) আর রাশেদ راشد মুনাদা (حرف النداء)।

শব্দার্থ

يَا - হে

وَلَدٌ - ছেলে

بِنْتٌ - মেয়ে

تِلْمِيْذٌ - ছাত্র

تِلْمِيْذَةٌ - ছাত্রী

بِلَالٌ - বেলাল

جُوَيْرِيَةٌ - জুয়াইরা

أَيْنَ কোথায়

ثَلَّاجَةٌ ফ্রিজ

تِلْفَازٌ টেলিভিশন

حَاسُوْبٌ কম্পিউটার

حَاسُوْبٌ مَحْمُوْلٌ ল্যাপটপ

اَلْفَأْرُ মাউস

لَوْحَةُ الْمَفَاتِيْحِ কি-বোর্ড

تَمرِين

আরবী থেকে বাংলা

يَا بِلَالُ! هٰذَا تِلْمِيْذٌ

يَا عَائِشَةُ! هٰذِهِ الْمِظَلَّةُ مَكْسُوْرَةٌ

يَا زَيْدُ! أَيْنَ تِلْفَازٌ؟

يَا عُمَرُ! كَيْفَ هٰذَا الرَّجُلُ ؟

يَا رَاشِدُّ! هَلْ هٰذِهِ ثَلَّاجَةٌ؟ لَا بَلْ هٰذَا تِلْفَاز؟

يَا بِلَالُ! كَيْفَ هٰذَا الْفَأْرُ؟ هٰذَا الْفَأْرُ صَغِيْرٌ جِدًّا

يَا عَائِشَةُ! هَلِ الْقَلَنْسُوَةُ جَدِيْدَةٌ؟ نَعَمْ اَلْقَلَنْسُوَةُ جَدِيْدَةٌ

تمرين

বাংলা থেকে আরবী

হে জুয়াইরিয়া, এটা কি কম্পিউটার? না বরং এটা ল্যাপটপ।

বেলাল, ঐ মাউসটি কেমন? মাউসটি সুন্দর।

এই ফ্রিজটিঅনেক বড়। টেলিভিশন হারাম।

হে নতুন ছাত্রী! বাড়ি কোথায়?

হে ছেলে! ঐ দেয়ালটি কি ভাঙা?

اَلدَّرْسُ الثَّامِنُ

حرف عطف, معطوف عليه, و معطوف

শব্দার্থ

وَ - এবং

مَنْ - কে

حَدِيْقَةٌ - বাগান

عَلَمٌ - পতাকা

فِرَاشٌ - বিছানা

وِسَادَةٌ - বালিশ

مَوْقِدٌ - চুলা

مِنْدِيْلٌ - রুমাল

عِمَامَةٌ - পাগড়ি

حِذَاءٌ/نَعْلٌ - জুতা

قَمِيْصٌ - জামা

لِبَاسٌ - পোশাক

نَظِيْفٌ/نَظِيْفَةٌ - পরিচ্ছন্ন

وَسِخٌ/وَسِخَةٌ - ময়লা

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

هٰذَا الْمَسْجِدُ صَغِيْرٌ وَذٰلِكَ الْمَسْجِدُ كَبِيْرٌ- تِلْكَ السَّيَّارَةُ جَمِيْلَةٌ وَنَظِيْفَةٌ

هَلْ هٰذِهِ الثَّلَّاجَةُ قَدِيْمَةٌ؟ وَهَلْ هٰذِهِ النَّافِذَةُ كَبِيْرَةٌ؟

هَلْ ذٰلِكَ الْكُرْسِيُّ الْجَدِيْدُ جَيِّدٌ وَنَظِيْفٌ؟

كَيْفَ هٰذِهِ الدَّرَّاجَةُ؟ هٰذِهِ الدَّرَّاجَةُ صَغِيْرَةٌ وَجَمِيْلَةٌ

আরবী থেকে বাংলা

এই জামাটি পরিচ্ছন্ন আর ঐ পোশাকটি ময়লা। এক বড় জুতাটি ময়লা আর ঐ ছোট পাগড়িটি সুন্দর। এই বড় বালিশটি কি ভাল এবং ঐ ছোট রুমালটি কি সুন্দর? এটা ছোট বাগান। ঐ পতাকাটি বড় এবং সুন্দর।

اَلدَّرْسُ التَّاسِعُ

ضمير/ضمائر

শব্দার্থ

اَنَا - আমি	أُمٌّ মা
أنتِ/أَنْتَ- তুমি	خَالٌ মামা
هُوَ/هِيَ সে	جَدٌّ দাদা নানা
أَخٌ ভাই	جَدَّةٌ দাদী নানী
أُخْتٌ বোন	خَالَةٌ খালা
أَبٌ বাবা	عَمَّةٌ ফুফু
عَمٌّ চাচা	

ضمير এর ব্যবহার

كتاب	أ ب
كتابي - আমার বই।	أبي - আমার বাবা।
كتابكَ - তোমার (একজন পুরুষ) বই।	أبوكَ - তোমার (একজন পুরুষ) বাবা।
كتابكِ - তোমার (একজন মহিলা) বই	أبوكِ - তোমার (একজন মহিলা) বাবা।
كتابه - তার (একজন পুরুষ) বই।	أبوه - তার (একজন পুরুষ) বাবা।
كتابها - তার (একজন মহিলা) বই।	أبوها - তার (একজন মহিলা) বাবা।

تَمرِين
আরবী থেকে বাংলা

قَلَمِيْ- بِيْتُكَ- قَلَنْسُوَتُهُ- لِبَاسُكِ- كُرَّاسَتُهَا- نَظَّارَتُهَا- عِمَامَتُكَ -مَسْجِدُهُ- بَابِيْ

راشد أبوكَ- عائشة جدتكِ- أنتِ خالتها

تَمرِين
বাংলা থেকে আরবী

আমার বই, তার (একজন পুরুষ) কলম, তোমার (একজন পুরুষ) ছাতা, তার (একজন মহিলা) গাড়ি, তোমার (একজন মহিলা) লাঙল, আমার মাদরাসা, জুয়াইরিয়া আমার বোন, আমি তার ভাই, উমর তোমার চাচা।

اَلدَّرْسُ الْعَاشِرُ

ضمير منفصل من الجمع - যমির/সর্বনাম

ضمير منفصل এর পরিচয়

যমিরে মুনফাসিল ফায়েল/কর্তার ঐ যমির, যা ফেয়েল থেকে পৃথক আসে।

ضمير منفصل এর উদাহারণ

واحد - একবচন	جمع - বহুবচন
أنا - আমি	نحن - আমরা
أنتَ/أنتِ - তুমি	أنتم/أنتن - তোমরা
هو/هي - সে	هُمْ/هُنَّ - তারা

শব্দার্থ

مُفِيْدٌ - উপকারী

جَمَلٌ - উট

جَبَلٌ - পাহাড়

نَاقَةٌ - উটনি

اِسْمٌ - নাম

صَدِيْقٌ - বন্ধ

عَدُوٌّ - শত্রু

تِلْمِيْذٌ/طَالِبٌ - ছাত্র

أُسْتَاذٌ - উস্তাদ

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

أَنَا أُسْتَاذٌ كَبِيْرٌ.	هُوَ تِلْمِيْذٌ صَغِيْرٌ
هَلْ هٰذَا الْجَبَلُ كَبِيْرٌ جِدًّا؟	لَا بَلْ هٰذَا الْجَمَلُ جَمِيْلٌ
مَنْ هُمْ؟	هُمُ الْأَسَاتِذَةُ
هَلْ أَنْتُمْ طُلَّابٌ؟	نَعَمْ نَحْنُ طُلَّابٌ
كَيْفَ تِلْكَ النَّاقَةُ الْكَبِيْرَةُ؟	تِلْكَ جَمِيْلَةٌ جِدًّا
ذٰلِكَ الْكِتَابُ مُفِيْدٌ	وَهٰذَا الْكِتَابُ صَغِيْرٌ وَجَمِيْلٌ
هُوَ عَدُوٌّ	وَهِيَ صَدِيْقَةٌ

تمرين

বাংলা থেকে আরবী

সে একজন ভালো ছাত্র, আমি নতুন শিক্ষক, সে পুরাতন ব্যবসায়ী,
এটা একটি বড় মসজিদ, সে (একজন মহিলা) ভালো বন্ধু,
তারা ভালো মেয়ে, এই লাঙলটি ভাঙ্গা, ঐ নতুন তালাটি অনেক বড়,
আমরা নতুন ছাত্র, তারা ভালো ছেলে

اَلدَّرْسُ الْحَادِيْ عَشَرَ

ضمير مجرور بالإضافة

الإضافة এর পরিচয়

الإضافة - ইযাফত এক শব্দের সাথে অন্য শব্দের এমন মেলবন্ধন যা মালিকানাধীন বুঝায়।

ضمير مجرور بالإضافة এর উদাহারণ

যে যমির الإضافة ইজাফতের সাথে মিলিত হয়ে আসে তাকে যমিরে মাজরুরে বা-ইযাফত ضمير مجرور بالإضافة বলে।

শব্দার্থ

رَبٌّ - প্রতিপালক

دِيْنٌ - ধর্ম

عَبْدٌ -বান্দা

عِبَادٌ -বান্দাগণ

عِقْدٌ -হার

رَجُلٌ - পুরুষ

إِمْرَأَةٌ- মহিলা

حَالٌ- অবস্থা

كَرِيْمٌ- সম্মানিত

ضمير مجرور بالإضافة দ্বারা إضافة এর ব্যবহার

أَخُوْنَا - আমাদের ভাই	أَخِيْ -আমার ভাই
أَخُوْهُ/أَخُوْهَا -তার ভাই	أَخُوْكِ/أخوكَ -তোমার ভাই
يَا أَخِيْ -হে আমার ভাই	يَا أُمِّيْ -হে আমার মা
يَا أُخْتِيْ -হে আমার বোন	يَا عَمِّيْ - হে আমার চাচা

اسم দ্বারা إضافة এর ব্যবহার

يَا أَخَا بِلَالٍ - হে বেলালের ভাই	يَا عَبْدَ اللهِ - হে আব্দুল্লাহ
يَا أَخَا عَائِشَةَ - হে আয়েশার ভাই	يَا عَبْدَ الرَّحْمٰنَ -হে আব্দুর রহমান

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

مَا اسْمُكَ يَا طَالِبُ؟ هَلْ أَنْتَ تِلْمِيْذٌ جَدِيْدٌ؟ يَا عَبْدَ الرَّحْمٰنَ! هَلْ أَنْتَ أَخِيْ؟ أَخُوْكَ كَبِيْرٌ وَكَرِيْمٌ. يَا تِلْمِيْذَةُ الْجَدِيْدَةُ مَنْ أَنْتِ وَمَنْ أَبُوْكَ؟ تِلْكَ الْمَرْأَةُ جَمِيْلَةٌ جِدًّا وَهٰذَا الرَّجُلُ شَرِيْفٌ جِدًّا. أَيْنَ أُمُّكَ يَا زَيْنَبُ؟ هٰذا الْوَلَدُ مُسْلِمٌ وَتِلْكَ الْبِنْتُ هِنْدُوْسِيَّةٌ

বাংলা থেকে আরবী

আমার বইটি সুন্দর, তোমার বাবা ভালো মানুষ, যায়েদের ভাই ভালো ছাত্র, হে আল্লাহর বান্দা! তোমার বাবার নাম কী? রাশেদের খালা তোমার চাচা, আমার গাড়িটি নতুন ও ভালো, হে মাদরাসার শিক্ষক! আপনার ছেলের নাম কী?

اَلدَّرْسُ الثَّانِيْ عَشَرَ

مضاف ومضاف اليه

مضاف ومضاف اليه এর পরিচয়

বাক্যে তথা পরস্পর দুটি শব্দের একটি আরেকটির সাথে যুক্ত হওয়াকে মুযাফ মুযাফ ইলাইহি বলে। বাংলায় যেখানে (র) আসে মালিকানাধীন বুঝানোর জন্য।

যেমন - যায়েদের কলম - قَلَمُ زَيْدٍ

জেনে রাখা ভাল,

মুজাফ পেশ বিশিষ্ট আর মুজাফ ইলাইহি সবসময় যের বিশিষ্ট হয়। হ্যাঁ গায়রে মুন্সারিফ/মুয়ান্নাস তথা মহিলা নাম হলে মুজাফ ইলাইহি যবর বিশিষ্ট হবে।

যেমন - ফাতেমার কলম قَلَمُ فَاطِمَةَ

শব্দার্থ

شَرِيْفٌ/مُؤَدَّبٌ - ভদ্র

مُجْتَهِدٌ - পরিশ্রমী

مَاهِرٌ - দক্ষ

مَشْهُوْرٌ - প্রসিদ্ধ

مَفْتُوْحٌ - খোলা

مُغْلَقٌ - বন্ধ

وَاسِعٌ - প্রশস্ত

ضَيِّقٌ - সংকীর্ণ

قَوِيٌّ - শক্তিশালী/মজবুত

ضَعِيْفٌ - দূর্বল

تَاجِرٌ - ব্যাবসায়ী

فَلَّاحٌ - কৃষক

غَنِيٌّ - ধনী

فَقِيْرٌ - গরীব

ذَكِيٌّ - মেধাবী

غَبِيٌّ - নির্বোধ

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

اَلْإِسْلَامُ دِيْنُنَا وَاللّٰهُ رَبُّنَا وَالْقُرْاٰنُ كِتَابُنَا وَمُحَمَّدٌ نَبِيُّنَا. نَحْنُ عِبَادُ اللّٰهِ وَأُمَّةُ مُحَمَّدٍ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ. كَيْفَ قَلَنْسُوَةُ رَاشِدٍ؟ قَلَنْسُوَةُ رَاشِدٍ اَلْجَدِيْدَةُ جَمِيْلَةٌ وَ نَظِيْفَةٌ جِدًّا. يَا خَالِيْ كَيْفَ حَالُكَ؟ وَكَيْفَ أَنْتَ يَا زَيْنَبُ؟ يَا عَبْدَ اللهِ أَيْنَ أَبُوْكَ الْكَرِيْمُ؟ مَدْرَسَةُ خَالِدٍ مَفْتُوْحَةٌ وَمَكْتَبُ رَاشِدٍ مُغْلَقٌ. أَبِيْ فَلَّاحٌ فَقِيْرٌ وَأَبُوْكَ تَاجِرٌ غَنِيٌّ. أَخُوْ فَاطِمَةَ ذَكِيٌّ جِدًّا وَأُخْتُ عَائِشَةَ غَبِيَّةٌ جِدًّا

تمرين

বাংলা থেকে আরবী

যায়েদের বাবা একজন ভালো মানুষ, আমার বাবা এই বড় মসজিদের ইমাম, ফাতেমার ভাই ঐ বড় মাদরাসার শিক্ষক. তোমার ভাই সম্মানিত, হে ভালো ছাত্র! তোমার বড় বোন একজন নির্বোধ ছাত্রী, আমার চাচা ব্যবসায়ী তোমার বাবা কৃষক।

اَلدَّرسُ الثَّالِثُ عَشَرَ

واحد و تثنية و جمع

هُمْ , هُنَّ-তাদের কَمْ , كُنَّ-তোমাদের نَا - আমাদের

বিভিন্ন مذكر শব্দ থেকে واحد , تثنية , جمع এর ব্যবহার

واحد	تثنية	جمع
كِتَابٌ	كِتَابَانِ	كُتُبٌ
قَلَمٌ	قَلَمَانِ	أَقْلَامٌ
كُرْسِيٌّ	كُرْسِيَّانِ	كَرَاسِيُّ
بَيْتٌ	بَيْتَانِ	بُيُوْتٌ
بَابٌ	بَابَانِ	أَبْوَابٌ
مِصْبَاحٌ	مِصْبَاحَانِ	مَصَابِيْحُ
جِدَارٌ	جِدَارَانِ	جُدُرٌ/جُدْرَانٌ
سَرِيْرٌ	سَرِيْرَانِ	سُرُرٌ/أَسِرَّةٌ
مَسْجِدٌ	مَسْجِدَانِ	مَسَاجِدُ
سَطْحٌ	سَطْحَانِ	سُطُوْحٌ
سَقْفٌ	سَقْفَانِ	سُقُفٌ/سُقُوْفٌ
قُفْلٌ	قُفْلَانِ	أَقْفَالٌ/قُفُوْلٌ
صُنْدُوْقٌ	صُنْدُوْقَانِ	صَنَادِيْقُ
مَكْتَبٌ	مَكْتَبَانِ	مَكَاتِبُ
مُشْطٌ	مُشْطَانِ	أَمْشَاطٌ

تمرين

هذه كتبنا. هذه سكاكينكم. هذه أمشاطهم. تلك أقلامنا. تلك جدرانكم. تلك أسرتهم

এভাবে পরস্পর তামরিন করবে এবং একে অপরকে বাংলা থেকে আরবী এবং আরবী থেকে বাংলা জিজ্ঞাসা করবে। করতে থাকবে।

বিভিন্ন مؤنث শব্দ থেকে جمع , تثنية , واحد এর ব্যবহার

جمع	تثنية	واحد
مَدَارِسُ	مَدْرَسَتَانِ	مَدْرَسَةٌ
سَبُّوْرَاتٌ	سَبُّوْرَتَانِ	سَبُّوْرَةٌ
حَقَائِبُ	حَقِيْبَتَانِ	حَقِيْبَةٌ
مَرَايَا	مِرْآتَانِ	مِرْآةٌ
كُرَّاسَاتٌ/كَرَارِيْسُ	كُرَّاسَتَانِ	كُرَّاسَةٌ
طَاوِلَاتٌ	طَاوِلَتَانِ	طَاوِلَةٌ
حُجُرَاتٌ	حُجْرَتَانِ	حُجْرَةٌ
غُرَفٌ/غُرُفَاتٌ	غُرْفَتَانِ	غُرْفَةٌ
نَوَافِذُ	نَافِذَتَانِ	نَافِذَةٌ
قَلَانِسُ	قَلَنْسُوَتَانِ	قَلَنْسُوَةٌ
سَاعَاتٌ	سَاعَتَانِ	سَاعَةٌ
نَظَّارَاتٌ	نَظَّارَتَانِ	نَظَّارَةٌ
دَرَّاجَاتٌ	دَرَّاجَتَانِ	دَرَّاجَةٌ

جمع	تثنية	واحد
سَيَّارَاتٌ	سَيَّارَتَانِ	سَيَّارَةٌ
مِظَلَّاتٌ	مِظَلَّتَانِ	مِظَلَّةٌ
مَرَاوِحُ	مِرْوَحَتَانِ	مِرْوَحَةٌ

পূর্বের ন্যায় এখানেও তামরিন করে নিবে। করে নিতে হবে।

اَلدَّرسُ الرَّابِعُ عَشَرَ

واحد , تثنية , جمع و موصوف صفة

جمع এর সাথে (صفة) সিফাতের ব্যবহার।

মনে রাখা ভাল যে, যত বস্তুর নাম আছে সেগুলোর جمع বা বহুবচনের সিফাত মুয়ান্নাস আসে। যেমন - جميلة.

এমনকি جمع এর ইসমে ইশারাও মুয়ান্নাস হিসেবে ব্যাবহার হয়।

যেমন: هذه المصابيح جميلة

এভাবে বিভিন্ন শব্দে ওস্তাদ জিজ্ঞেস করবেন, সবার উত্তর দিতে হবে।

আরো কিছু শব্দ দ্বারা جمع , تثنية , واحد এর ব্যবহার

جمع	تثنية	واحد
قَائِمُوْنَ	قَائِمَانِ	قَائِمٌ
قَائِمَاتٌ	قَائِمَتَانِ	قَائِمَةٌ
نَائِمُوْنَ	نَائِمَتَانِ	نَائِمٌ
قِصَصٌ	قِصَّتَانِ	قِصَّةٌ
ظُلُمَاتٌ		ظُلْمَةٌ
أَنْوَارٌ		نُوْرٌ
مَسَّاحَاتٌ	مَسَّاحَتَانِ	مَسَّاحَةٌ
خَارِطَاتٌ	خَارِطَتَانِ	خَارِطَةٌ
مَحَارِيْثُ	مِحْرَاثَانِ	مِحْرَاثٌ

واحد	تثنية	جمع
وَلَدٌ	وَلَدَانِ	أَوْلَادٌ
بِنْتٌ	بِنْتَانِ	بَنَاتٌ
تِلْمِيْذٌ	تِلْمِيْذَانِ	تَلَامِيْذُ
تِلْمِيْذَةٌ	تِلْمِيْذَتَانِ	تِلْمِيْذَاتٌ
ثَلَّاجَةٌ	ثَلَّاجَتَانِ	ثَلَّاجَاتٌ
تِلْفَازٌ	تِلْفَازَانِ	تِلْفَازَاتٌ
دَفْتَرٌ	دَفْتَرَانِ	دَفَاتِرُ
شُبَّاكٌ	شُبَّاكَانِ	شَبَابِيْكُ
سِكِّيْنٌ	سِكِّيْنَانِ	سَكَاكِيْنُ

اَلدَّرْسُ الْخَامِسُ عَشَرَ

مضاف و مضاف إليه مع الصفات و أسماء الإشارات

বিভিন্ন দিক তুলে ধরে হাতে কলমে বুঝিয়ে দেয়া।

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

سريرنا الكبيرُ جميل - جدار المسجد الكبيرُ مكسور - مروحة هذا البيت قديمة - كرسي ذلك المكتب صغير - باب البيت الكبيرُ مفتوح - باب هذا البيت الكبيرِ الصغيرُ مكسور جدا - باب هذه الغرفةِ الكبيرةِ الصغيرُ ذلك جميل جدا

تمرين

বাংলা থেকে আরবী

যায়েদের সুন্দর কিতাবটি ভাল। খালেদের এই তলোয়ারটি ভাঙা। রাশিদের ঐ নতুন টুপিটি কি খুব সুন্দর? ফাতেমার নতুন পাখাটি খুব ভাল হে যায়েদের নানি! আমাদের মাদরাসার নতুন কামরাটি খুব ছোট।

اَلدَّرْسُ السَّادِسُ عَشَرَ

أَ ও أَمْ এর ব্যবহার

أَ كُرْسِيٌّ هٰذَا أَمْ سَرِيْرٌ ? এটা চেয়ার না কি খাট?

أَ هٰذَا كُرْسِيٌّ أَمْ ذٰلِكَ ? চেয়ার কি এটা নাকি ওটা?

শব্দার্থ

دَارٌ - বাড়ি

مَكْتَبَةٌ - লাইব্রেরী

زَوْجٌ - স্বামী

زَوْجَةٌ - স্ত্রী

وَالِدٌ - পিতা

وَالِدَةٌ - মাতা

سُوْقٌ - বাজার

مَدِيْنَةٌ - শহর

طَرِيْقٌ/سَبِيْلٌ - পথ

قَرْيَةٌ - গ্রাম

مَنْظَرٌ - দৃশ্য

مَسَّاحَةٌ - ডাস্টার

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

أدار هذا أم بيت؟ أهذه مدرسة أم مكتبة؟ أ هو زوج أم والد؟ أ هو زوج فاطمة أم زوج زينب؟ أهي أمك أم أمي؟ أقرية هذه أم مدينة؟ أ قلم ذلك أم كتاب؟ أ مساحة راشد هذه أم محراث زيد؟

বাংলা থেকে আরবী

১। এটা কি ছাতা নাকি চক? ২। সে কি ছাত্র নাকি শিক্ষক? ৩। তুমি কি রাশেদের চাচা নাকি বাবা? ৪। জুয়াইরিয়া কি তোমার বোন? নাকি স্ত্রী? ৫। এই মসজিদের ইমাম কি যায়েদ নাকি খালেদ? ৬। এটা কি তোমার মায়ের চাবি নাকি তোমার বোনের? ৭। এই ব্যবসায়ী কি তোমার ভাই? নাকি উমরের শিক্ষক? ৮। ওটা কি বাজার নাকি বাড়ি?

اَلدَّرْسُ السَّابِعُ عَشَرَ

مضاف শব্দগুলো ও এর ব্যবহার

জেনে রাখা ভাল যে, এসকল মুজাফের হারাকাতে কোনো পরিবর্তন হয়না।

শব্দার্থ

عِنْدَ - কাছে	تَحْتَ - নিচে
أَمَامَ - সামনে	بِجَانِبِ - পাশে
وَرَاءَ/خَلْفَ - পিছনে	عَلٰى/فَوْقَ - উপরে

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

عند من؟ القلم الجميل عند من؟ هل ذلك الكرسي عندك؟ هل كراسة فاطمة عند زيد؟ محمولي عند زيد الصغير. حجرتنا أمام المسجد - خلف حجرتنا مدرسة كبيرة - ماذا بجانب المدرسة؟ هل أمامكم قرية كبيرة؟ فوق دارنا سطح وعلى السقف كرسي - ماذا عند فاطمة وماذا عندك؟

تمرين

বাংলা থেকে আরবী

১। আমার কাছে একটি নতুন বই আছে। ২। উমরের কাছে দুইটি কম্পিউটার আছে। ৩। তাদের সামনে অনেকগুলো বাড়ি রয়েছে। ৪। রাশেদের পেছনে একজন ছাত্র রয়েছে। ৫। ঐ ভাঙ্গা দেয়ালটি কি মসজিদের পাশে রয়েছে? ৬। আমাদের বাড়ির কাছে একটি বড় ও সুন্দর মাদরাসা রয়েছে। ৭। চেয়ারের নিচে কি পুরাতন বইগুলো আছে? ৮। আমাদের সামনে দুইজন ছাত্র আছে ও তোমাদের পেছনে একজন নির্বোধ ছাত্রী রয়েছে।

اَلدَّرْسُ الثَّامِنُ عَشَرَ

حرف جر ও ব্যাবহার নীতি

জেনে রাখা ভাল যে, হরফে জর ১৭ টি।

ب, ت, ك, ل, و, مذ, منذ, خلا, رب, حاش, من, عدا, في, عن, على, حتى, إلى

শের

بَاء وَ تَاء وَ كَاف وَ لَام و وَاو مُنْذُ مُذْ خَلَا

رُبَّ حَاشَ مِنْ عَدَا فِيْ عَنْ عَلٰى حَتّٰى إِلٰى

শব্দার্থ

فِيْ - মধ্যে	ذَاهِبَةٌ - গমনকারীনী
إِلٰى - দিকে/পর্যন্ত	كُلِّيَةٌ - কলেজ
ذَاهِبٌ - গমনকারী	جَامِعَةٌ - বিশ্ববিদ্যালয়

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

أين أنت يا زيد؟ أنا في المسجد! وأين أنت؟ أنا في المدرسة الكبيرة. أين أنت ذاهب يا خال محمد؟ أنا ذاهب إلى السوق! هل أنت ذاهبة إلى الكلية يا فاطمة؟ لا بل أنا ذاهبة إلى الجامعة الجديدة

বাংলা থেকে আরবী

১। বাক্সের মধ্যে কী? বাক্সের মধ্যে কলম রয়েছে। ২। যাকারিয়া তুমি কোথায় যাচ্ছো? আমি বড় ও সুন্দর মসজিদে যাচ্ছি। ৩। হে জুয়াইরিয়া! তোমার বাবা কোথায়? আমার বাবা তার ছোটো রুমে আছে। ৪। হে উমরের ভাই! তুমি কোথায় যাচ্ছো? আমি বাজারে যাচ্ছি। ৫। হে শিক্ষিকা! আমি (মহিলা) মাদরাসায় যাচ্ছি। আপনি কি বাসায় যাবেন? না বরং আমি মাদরাসায় যাবো।

اَلدَّرْسُ التَّاسِعُ عَشَرَ

مِنْ ও لِ এর ব্যবহার

لِ - জন্য

مِنْ - থেকে

اَلْإِنْسَانُ لِلْإِنْسَانِ - মানুষ মানুষের জন্য

اَلْإِنْسَانُ خَيْرٌ مِنَ الْحَيَوَانَاتِ - মানুষ পশু থেকে উত্তম

শব্দার্থ

نُوْرٌ - আলো

ظُلْمَةٌ - অন্ধকার

اَلسَّمَاءُ - আকাশ

اَلْأَرْضُ - জমিন/পৃথিবী

قَلْبٌ - অন্তর/হৃদয়

رِيْحٌ/هَوَاءٌ - বাতাস

مِنْضَدَةٌ - তেপায়া

يَدٌ - হাত

رَأْسٌ - মাথা

رِجْلٌ/قَدَمٌ - পা

كُرَةٌ - বল

كُرَةُ الْقَدَمِ - ফুটবল

لَاعِبٌ/لَاعِبَةٌ - খেলোয়াড়

مُدِيْرٌ /مُهْتَمِّمٌ - পরিচালক

تمرين
আরবী থেকে বাংলা

هذا الكتاب لزيد - هذا الكتاب لك يا راشد - ذلك المكتب الجميل لفاطمة - هذه المدرسة الصغيرة لمدير الجامع- ذلك السقف القديم لماجد يا فاطمة - زيد جميل من خالد. راشد طيب من أحمد - زينب طيبة من عائشة - أم كلثوم جميلة من أم رقية

تمرين
বাংলা থেকে আরবী

এই ঘড়িটি উমরের। ঐ বড় লাঙলটি আয়েশার। এই ছোট্ট কামরাটি বড় ব্যবসায়ীর। ঐ বড় আয়নাটি মেধাবী ছাত্রীর। আব্দুল্লাহ যায়েদের থেকে মেধাবী। এই চেয়ারটি ঐ কলস থেকে বড়। ঐ জানালাটি এই দরজা থেকে ছোটো। হে হাসান! এই চশমাটি কি তোমার বাবার? না, এই চশমাটি আমার চাচার। হে যাকারিয়া! তোমার বোন আয়েশার বোনের চেয়ে সুন্দর। যয়নবের ছাত্রী জুয়াইরিয়ার ছাত্রী থেকে ভালো।

اَلدَّرْسُ الْعِشْرُوْنَ

ইসমে তাফযিল (اسم تفضيل) এর সংজ্ঞা ও ব্যবহার।

জেনে রাখা ভালো, গুনের ক্ষেত্রে তুলনা প্রকাশক اسم কে اسم تفضيل বলে।

শব্দার্থ

أَجْمَلُ - অধিক সুন্দর

أَكْبَرُ - অধিক বড়

أَصْغَرُ- অধিক ছোট

خَيْرٌ- উত্তম

أَخْيَرُ - অধিক উত্তম

أَعْلَمُ - অধিক জ্ঞানী

أَفْضَلُ - শ্রেষ্ঠ

كَثِيْرٌ - বেশি

أَكْثَرُ - অধিক বেশি

قَلِيْلٌ - কম

أَقَلُّ - অধিক কম

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

أنا أكبر سنا - أنا أكبر منك وأنت أصغر مني - فاطمة أجمل حسنا - أنت أخير الناس - وهو أفضل البشر - أنا أصغر من أخي - زيد أكبر من عمر وعمرو - الأولاد أكثر من البنات الصلاة مفتاح الجنة - أكثر الصحابة وأقل التابعين

বাংলা থেকে আরবী

শরিরের দিক থেকে উট ঘোড়া থেকে বড়। যায়েদ উমরের থেকে ইলমের দিক থেকে বেশি। আবু বকর মানুষের মধ্যে অধিক জ্ঞানী। রাশেদের বাবা মুহাম্মদের বাবা থেকে বয়সে বড়। এই কলমটি ঐ দুটি কলম থেকে অধিক সুন্দর। দ্বীনি মাদরাসাগুলো দুনিয়াবী স্কুল থেকে কম। হে আবদুল্লাহ! তুমি যাকারিয়া থেকে বয়সে বড় এবং যাকারিয়া তোমার থেকে ইলমে বড়। কুরআন হলো সর্বশ্রেষ্ঠ কিতাব এবং ইসলাম হলো সর্বশ্রেষ্ঠ ধর্ম। হে আম্মার! খালেদের ফুফু তোমার মা থেকে ছোটো।

اَلدَّرْسُ الْحَادِيْ وَالْعِشْرُوْنَ

বিভিন্ন বাক্যের ব্যবহার ও সাপ্তাহিক পরীক্ষা।

শব্দার্থ

عُمْرٌ/سِنٌّ - বয়স

بَشَرٌ - মানুষ

مَطَارٌ- বিমানবন্দর

طَائِرَةٌ - বিমান

عَاصِمَةٌ - রাজধানী

سَرِيْعَةٌ سَرِيْعٌ -- দ্রুতগামী

بَطِيْئَةٌ بَطِيْئٌ -- ধীরগামী

وَرْدَةٌ - গোলাপ

فَاكِهَةٌ - ফল

لَذِيْذٌ- لَذِيْذَةٌ - সুস্বাদু

طَعَامٌ - খাবার

تمرين

আরবী থেকে বাংলা

ماذا في المسجد؟ في المسجد منبر- في المسجد رجل والمرأة في المدرسة-هل أنت في غرفتك يا زيد؟ لا بل أنا في الجامعة - في سبيل الله جنة وفي سبيل الشيطان نار - في حقيبة زينب كتاب، قلم وصندوق وذلك صندوق الطعام-والطعام لذيذ جدا-من في المكتب وماذا في المدرسة؟ في المكتب شيخ وفي المدرسة طاولة -أين المطار؟ في دا كا بنغلاديش-كيف طائرة البنغلاديش؟ هي جميلة وهي أجمل الطائرات-ماذا بجانب بيتك؟ بجانب بيتي حديقة صغيرة وجميلة-أين السماء؟ السماء فوقنا وهل الأرض تحتنا؟ نعم الأرض تحتنا-الكتاب عند من؟ الكتاب عند راشد-أخالد أكبر من زيد؟ نعم-أأب فاطمة أصغر أم عم زينب؟ عم زينب أصغر يا أحمد-كم عمرك؟

تمرين

বাংলা থেকে আরবী

এই ঘরটি কার? রাশেদের কলম আবদুর রহমানের কাছে। হে খালেদ! বাজারের পাশে কী আছে? বাজারের পাশে একটি বড় নদী আছে। ঐ গাছের ফল অনেক সুস্বাদু। হে মাদরাসার শিক্ষার্থীগণ! তোমাদের মাদরাসা কেমন? আমাদের মাদরাসা অনেক বড় ও সুন্দর। আমাদের মাদরাসার খাবার অনেক সুস্বাদু। আমাদের মাদরাসার শিক্ষকগণ ঐ মাদরাসার শিক্ষকদের তুলনায় অধিক জ্ঞানী। আমাদের মাদরাসায় ছাত্রগণ ছাত্রীদের তুলনায় বেশি। আমাদের মাদরাসার সামনে একটি ছোট মসজিদ আছে। আমার ছোটো বাড়ির পেছনে একটি বড় বিশ্ববিদ্যালয় আছে। আমাদের উপরে একটি বড় ছাদ রয়েছে। আমি বাড়ির দিকে যাচ্ছি এবং যাকারিয়া মাদরাসার দিকে যাচ্ছে। মসজিদের ইমামের গাড়ি অনেক দ্রুতগামী এবং আমার গাড়িটি অনেক ধীরগামী। তার বড় লাঙলটি কামড়ার মধ্যে আছে। তোমাদের ব্লাকবোর্ড পুরাতন ও ভাঙ্গা, আমাদের ব্লাকবোর্ড নতুন ও ভালো।

اَلدَّرْسُ الثَّانِيْ وَالْعِشْرُوْن

الجمع في ذوي العقول

শব্দার্থ

هٰؤُلَاءِ - এর	كِبَارٌ/كُبَرَاءُ - বড়
أُوْلٰئِكَ - ওরা	أَجْيَادٌ/جُيُوْدٌ - ভাল
أَجِدَّةٌ/جُدُدٌ - নতুন	أَنْوَارٌ - আলো
قُدَمَاءُ - পুরোনো	ظُلُمَاتٌ - অন্ধকার
جَمِيْلُوْنَ/جُمَلَاءُ - সুন্দর	طَيِّبُوْنَ/طَيِّبَاتٌ - উত্তম
صِغَارٌ/صُغَرَاءُ - ছোট	مَكْسُوْرُوْنَ/مَكْسُوْرَاتٌ - ভাঙা

تمرين

هاؤلاء أولاد - এরা ছেলে

أولٓئك بنات - ওরা মেয়ে

هاؤلاء أولاد جميلون - এরা সুন্দর ছেলে

أولٓئك بنات جملاء - ওরা ভাল মেয়ে

هاؤلاء الأولاد كبار - এই ছেলেগুলো বড়

أولٓئك البنات صغار - ঐ মেয়েগুলা ছোট

أئمة هذا المسجد طيبون - এই মসজিদের ইমামগণ ভালো

أولئك التلميذات جملاء - ঐ ছাত্রীগুলো সুন্দর

تجار هذا السوق قدماء - এই বাজারের ব্যবসায়ীগণ পুরাতন

اَلدَّرْسُ الثَّالِثُ وَالْعِشْرُوْن

তারকীব

هذا كتاب

هذا — كتاب

مبتدا — خبر

الجملة الاسمية الخبرية

هذا كتاب جديد

هذا كتاب جديد

موصوف — صفة

مبتدا — خبر

الجملة الاسمية الخبرية

هذا الكتاب جديد

هذا — الكتاب — جديد

اسم الإشارة مشار إليه

مبتدا — خبر

الجملة الاسمية الخبرية

هذا كتاب جديد جدا

هذا — كتاب — جديد — جدا

موصوف — شبه الفعل — نائب المفعول المطلق لشبه الفعل

صفة

مبتدا — خبر

الجملة الاسمية الخبرية

তামরিনের আরো কিছু তারকিব যুক্ত করা হল।
যেগুলো তালিবে ইলম নিজ প্রচেষ্টায় করবে।

أنا ولد مؤدب

هو رجل طيب

راشد تلميذ ذكي

هذا الرجل رجل تاجر

تلك الطاولة مكسورة جدا

أنا رجل غني جدا

اَلدَّرْسُ الرَّابِعُ وَالْعِشْرُوْنَ

তারকীব

كراسة هذه المدرسة صغيرة
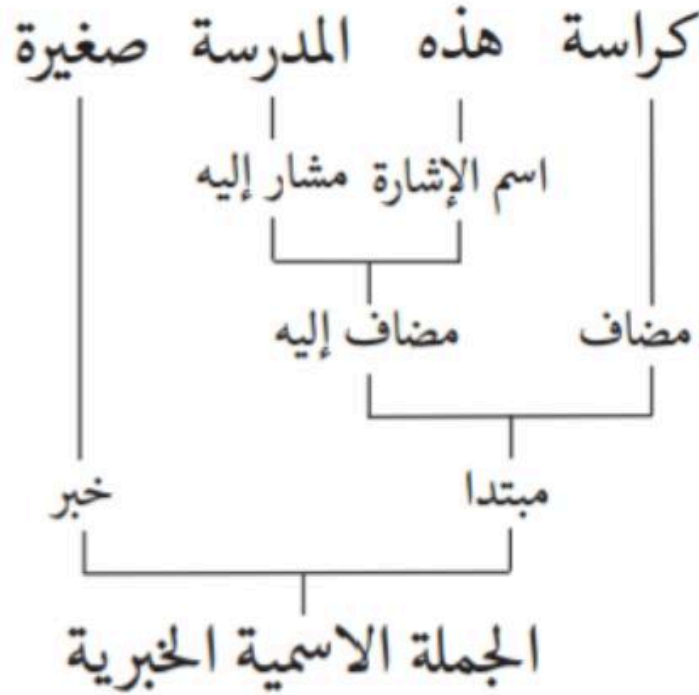
তামরিনের আরো কিছু তারকিব যুক্ত করা হল।
যেগুলো তালিবে ইলম নিজ প্রচেষ্টায় করবে।

قلم راشد الجميلِ قديم

كراسة المدرسة هذه جميلة

هذا كتاب وذلك قلم

الجدار مكسور والباب مغلق

اَلدَّرْسُ الْخَامِسُ وَالْعِشْرُوْنَ

اَلْجُمُوْعُ

واحد	جمع
شَمْسِيَّةٌ	شَمْسِيَّاتٌ
حَاسُوْبٌ	حَوَاسِيْبُ
لَوْحَةٌ	لَوْحَاتٌ
مِنْدِيْلٌ	مَنَادِيْلُ
عِمَامَةٌ	عَمَائِمُ/عِمَامٌ
حِذَاءٌ	أَحْذِيَةٌ
نَعْلٌ	نِعَالٌ
مِفْتَاحٌ	مَفَاتِيْحُ
لِبَاسٌ	أَلْبِسَةٌ
حَدِيْقَةٌ	حَدَائِقُ
عَلَمٌ	أَعْلَامٌ
فِرَاشٌ	فُرُشٌ
وِسَادَةٌ	وَسَائِدُ
مَوْقِدٌ	مَوَاقِدُ
أُمٌّ	أُمَّهَاتٌ
إِمْرَأَةٌ	نِسَاءٌ/نِسْوَانٌ/نِسْوَةٌ
حَالٌ	أَحْوَالٌ
دِيْنٌ	أَدْيَانٌ

واحد	جمع
أَبٌ	آبَاءٌ
خَالٌ	أَخْوَالٌ
خَالَةٌ	خَالَاتٌ
جَدٌّ	أَجْدَادٌ
جَدَّةٌ	جَدَّاتٌ
عَمٌّ	أَعْمَامٌ
عَمَّةٌ	عَمَّاتٌ
أَخٌ	إِخْوَةٌ/إِخْوَانٌ
أُخْتٌ	أَخَوَاتٌ
عَدُوٌّ	أَعْدَاءٌ
جَمَلٌ	جِمَالٌ/أَجْمَالٌ
جَبَلٌ	جِبَالٌ/أَجْبَالٌ
نَاقَةٌ	نَاقَاتٌ
اِسْمٌ	أَسْمَاءٌ
رَجُلٌ	رِجَالٌ
عِقْدٌ	عُقُوْدٌ
تَاجِرٌ	تَاجِرُوْنَ/تُجَّارٌ
فَلَّاحٌ	فَلَّاحُوْنَ

واحد	جمع
سُوْقٌ	أَسْوَاقٌ
مَدِيْنَةٌ	مُدُنٌ/مَدَائِنُ
طَرِيْقٌ	طُرُقٌ/أَطْرُقٌ
سَبِيْلٌ	سُبُلٌ
قَرْيَةٌ	قُرٰى
دَارٌ	دِيَارٌ
زَوْجٌ	أَزْوَاجٌ
زَوْجَةٌ	زَوْجَاتٌ
وَالِدٌ	وَالِدُوْنَ
وَالِدَةٌ	وَالِدَاتٌ
جَامِعَةٌ	جَامِعَاتٌ
قَلْبٌ	قُلُوْبٌ
رِجْلٌ	أَرْجُلٌ
رَجُلٌ	رِجَالٌ

واحد	جمع
طَالِبٌ	طُلَّابٌ
وَلَدٌ	أَوْلَادٌ
بِنْتٌ	بَنَاتٌ
اِبْنٌ	أَبْنَاءٌ/بَنُوْنٌ
اِبْنَةٌ	بَنَاتٌ
مَدْرَسَةٌ	مَدَارِسُ
مَسْجِدٌ	مَسَاجِدُ
قَدَمٌ	قْدَامٌ/قُدَّامٌ
كُرَةٌ	كُرَاتٌ
مِنْضَدَةٌ	مَنَاضِدُ
رِيْحٌ	رِيَاحٌ
هَوَاءٌ	أَهْوِيَةٌ
أُسْتَاذٌ	أَسَاتِذَةٌ
تِلْمِيْذٌ	تَلَامِيْذُ

তারকীব

هل ذلك قلم
هل
ذلك
قلم
حرف استفهام
مبتدا
خبر
الجملة الاسمية الإنشائية

أين أمك يا زكريا؟
أين
أم
ك
يا
زكريا
حرف استفهام
مضاف
مضاف إليه
حرف ندا
منادى
خبر مقدم
مبتدا مؤخر
الجملة الاسمية الإنشائية
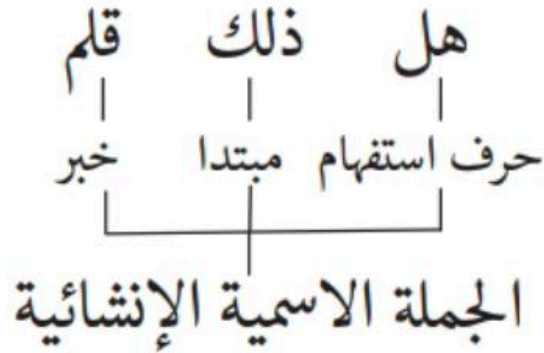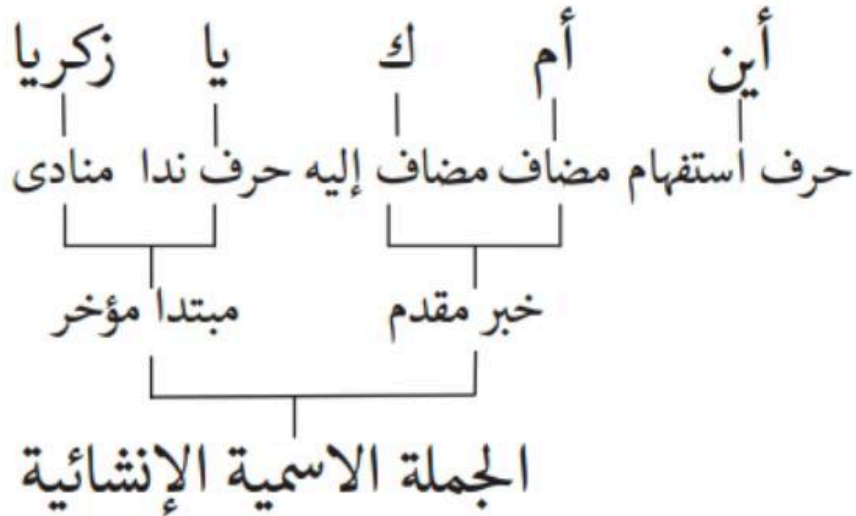
দ্বিতীয় ভাগ

الدرس الأول

المصادر والأفعال

মাসদার (مصدر) এর সংজ্ঞা ঃ

যে ইসম কোন কাজ করা বা হওয়া বুঝায় তাকে মাসদার বলে। যেমন اَلنَّصْرُ সাহায্য করা। اَلْخُرُوْجُ বের হওয়া। অন্যভাবে বলা যায় যে ইসম মূল। তথা অন্য কোন ইসম থেকে গঠিত নয়। বরং তার থেকে অন্য সকল ফে'ল ও ইসমে মুশতাক গঠিত হয় তাকে ইসমে মাসদার (اسم المصدر) বলে।

ফে'লের (فعل) এর সংজ্ঞা ঃ

যে কালিমা/শব্দ নিজেই নিজের অর্থ নিজে প্রকাশ করতে পারে এবং তিন কালের কোনো এক কালের সাথে সম্পর্ক রাখে তাকে ফে'ল বলা হয়। যেমনঃ أَكَلَ সে খেয়েছে।

استعمال المصادر والأفعال

ফে'ল ও মাসদার সমূহের কিছু ব্যবহার ঃ

نهي নিষেধ সূচক	أمر আদেশ সূচক	اسم الفاعل কর্তা	مضارع ভবিষ্যৎ কাল	ماضي অতীত কাল	مصدر এর অর্থ	مصدر
لَا تَنْصُرْ তুমি সাহায্য করো না	اُنْصُرْ তুমি সাহায্য করো	نَاصِرٌ সাহায্যকারী	يَنْصُرُ সে সাহায্য করে, করছে, করবে	نَصَرَ সে সাহায্য করেছে	সাহায্য করা	اَلنَّصْرُ
لا تضرِب তুমি প্রহার করো না	اِضرِب তুমি প্রহার করো	ضارب প্রহারকারী	يضرِب সে প্রহার করে, করছে, করবে	ضَرَب সে প্রহার করেছে	প্রহার করা	اَلضَّرْبُ
لَاتَسْمَعْ তুমি শুনো না!	اِسْمَعْ তুমি শুনো!	سَامِعٌ শ্রোতা	يَسْمَعُ সে শুনে, শুনছে, শুনবে	سَمِعَ সে শুনেছে	শ্রবণ করা	اَلسَّمْعُ
لَا تَفْتَحْ তুমি খুলো না!	اِفْتَحْ তুমি খুলো!	فَاتِحٌ বিজয়ী/উন্মোচনকারী	يَفْتَحُ সে খুলে, খুলছে, খুলবে	فَتَحَ সে খুলেছে	খোলা, বিজয় লাভ করা	اَلْفَتْحُ
لا تكرُم তুমি সম্মানিত হইও না!	اُكرُم তুমি সম্মানিত হও!	كريم সম্মানিত	يكرُم সে সম্মানিত হয়, হচ্ছে, হবে	كرُم সে সম্মানিত হয়েছে	সম্মানিত হওয়া	اَلْكَرَامَةُ
لَا تَحْسِبْ তুমি অনুমান করো না!	اِحْسِبْ তুমি অনুমান করো!	حَاسِبٌ অনুমানকারী	يَحْسِبُ সে অনুমান করে, করছে. করবে	حَسِبَ সে অনুমান করেছে	ধারণা করা	اَلْحِسْبَانُ

الدرس الثاني

الأبواب (আরবী বাব সমূহ)

বাব (باب) এর সংজ্ঞা ঃ

"বাব" কে আরবি শব্দগঠনের দরজা বলা হয়। আরবি 'বাব' ঐ শাস্ত্রকে বলা হয় যা জানার দ্বারা আরবি ক্রিয়ার বিভিন্ন রুপের অধ্যায় ও অর্থের পার্থক্য জানা যায়। যেমনঃ النصر সাহায্য করা। الاستنصار সাহায্য কামনা করা/চাওয়া।

জেনে রাখা ভাল যে, সর্বমোট বাব ৪৩ টি।

বহুল প্রচলিত, প্রসিদ্ধ ও কুরআনে ব্যবহৃত বাবের সংখ্যা সীমিত। আমরা একে একে সীমিতসংখ্যার বাবগুলো পড়ার চেষ্টা করব ইনশাআল্লাহ।

باب نصَر ينصُر (صحيح)

نهي নিষেধ সূচক	أمر আদেশ সূচক	اسم الفاعل কর্তা	مضارع ভবিষ্যৎ কাল	ماضي অতীত কাল	مصدر এর অর্থ	مصدر
لَا تَنْصُرْ তুমি সাহায্য করো না	اُنْصُرْ তুমি সাহায্য করো	نَاصِرٌ সাহায্যকারী	يَنْصُرُ সে সাহায্য করে, করছে, করবে	نَصَرَ সে সাহায্য করেছে	সাহায্য করা	اَلنَّصْرُ
لَاتَخْرُجْ তুমি বের হয়ো না	اُخْرُجْ তুমি বের হও	خَارِجٌ বহির্গমনকারী	يَخْرُجُ সে বের হয়, হচ্ছে, হবে	خَرَجَ সে বের হয়েছে	বের হওয়া	اَلْخُرُوْجُ
لَا تَدْخُلْ তুমি প্রবেশ করো ন্া	اُدْخُلْ তুমি প্রবেশ করো	دَاخِلٌ প্রবেশকারী	يَدْخُلُ সে প্রবেশ করে, করছে, করবে	دَخَلَ সে প্রবেশ করেছে	প্রবেশ করা	اَلدُّخُوْلُ
لَا تَقْعُدْ তুমি বসো না	اُقْعُدْ তুমি বসো	قَاعِدٌ উপবিষ্ট	يَقْعُدُ সে বসে, বসছে, বসবে	قَعَدَ সে বসেছে	বৈঠক করা, বসা	اَلْقُعُوْدُ
لَا تَطْلُبْ তুমি খুঁজো না	اُطْلُبْ তুমি খুঁজো	طَالِبٌ অনুসন্ধানকারী	يَطْلُبُ সে খুঁজে, খুঁজবে, খুঁজছে	طَلَبَ সে খুঁজেছে	অন্বেষন করা, খোঁজা	اَلطَّلَبُ
لَا تَهْرُبْ তুমি পালাইও না	اُهْرُبْ তুমি পালাও	هَارِبٌ পলায়নকারী	يَهْرُبُ সে পালায়, পালাচ্ছে, পালাবে	هَرَبَ সে পলায়ন করেছে	পলায়ন করা	اَلْهَرْبُ

باب ضَرَب يضرِب (صحيح)

نهي নিষেধ সূচক	أمر আদেশ সূচক	اسم الفاعل কর্তা	مضارع ভবিষ্যৎ কাল	ماضي অতীত কাল	مصدر এর অর্থ	مصدر
لا تضرِب তুমি প্রহার করো না	اِضرِب তুমি প্রহার করো	ضارب প্রহারকারী	يضرِب সে প্রহার করে, করছে, করবে	ضرَب সে প্রহার করেছে	প্রহার করা	اَلضَّرْبُ
لا تغلِب তুমি বিজয়ী হইও না	اِغلِب তুমি বিজয়ী হও	غالب বিজয়ী	يغلِب সে বিজয়ী হবে, হচ্ছে, হবে	غلَب সে বিজয় লাভ করেছে	বিজয়ী হওয়া	الغَلَب
لَا تكذِبْ তুমি মিথ্যা বলো না	اِكذِب তুমি মিথ্যা বলো	كاذب মিথ্যাবাদী	يكذِب সে মিথ্যা বলে, বলছে, বলবে	كذِب সে মিথ্যা বলেছে	মিথ্যা বলা	الكِذْب
لَا تَقْصِدْ তুমি ইচ্ছা করো না	اِقصِد তুমি ইচ্ছা করো	قاصد ইচ্ছাপোষনকারী	يقصِد সে ইচ্ছা করে, করছে, করবে	قصَد সে ইচ্ছা করেছে	ইচ্ছা করা	القَصْد
لَا تغفِر তুমি ক্ষমা করো না	اِغفِر তুমি ক্ষমা করো	غافِر ক্ষমাশীল	يغفِر সে ক্ষমা করে, করছে, করবে	غفَر সে ক্ষমা করেছে	ক্ষমা করা	المَغْفِرة
لَا تجلِس তুমি বসো না	اِجلِس তুমি বসো	جالس উপবিষ্ট	يجلِس সে বসে, বসছে, বসবে	جلَس সে খুঁজেছে	বসা	الجُلوس

সহীহ (صحيح) এমন শব্দ/ইসমকে বলা হয়, যার মূল বর্ণে হরফে ইল্লত (حرف علة), হামযা অথবা এক জাতীয় দুই হরফ থাকে না।

বিশেষ দ্রষ্টব্য ঃ হরফে ইল্লত তিনটি। ওয়াও (واو)আলিফ (ألف) ইয়া (ياء)

الدرس الثالث

باب سمِع يسمَع (صحيح)

نهي নিষেধ সূচক	أمر আদেশ সূচক	اسم الفاعل কর্তা	مضارع ভবিষ্যৎ কাল	ماضي অতীত কাল	مصدر এর অর্থ	مصدر
لا تسمَع তুমি শুনো না!	اِسمَع তুমি শুনো!	سامع শ্রোতা	يسمَع সে শুনে, শুনছে, শুনবে	سمِع সে শুনেছে	শ্রবন করা	السَّمع
لا تشرَب তুমি পান করো না!	اِشرَب তুমি পান করো!	شارب পানকারী	يشرَب সে পান করে, করছে, করবে	شرِب সে পান করেছে	পান করা	الشُّرب
لَا تلبَس তুমি পরিধান করো না!	اِلبَس তুমি পরিধান করো!	لابس পরিধানকারী	يلبَس সে পরিধান করে, করছে, করবে	لِبس সে পরিধান করেছে	পরিধান করা	اللُّبس
لَا تحمَد তুমি প্রশংসা করো না!	اِحمَد তুমি প্রশংসা করো!	حامد প্রশংসাকারী	يحمَد সে প্রশংসা করে, করছে, করবে	حمِد সে প্রশংসা করেছে	প্রশংসা করা	الحَمد
لَا تسعَد তুমি সৌভাগ্যবান হইও না!	اِسعَد তুমি সৌভাগ্যবান হও!	سعيد সৌভাগ্যবান	يسعَد সে সৌভাগ্যবান হয়, হচ্ছে, হবে	سعِد সে সৌভাগ্যবান হয়েছে	সৌভাগ্যবান হওয়া	السَعادة
لَا تشهَد তুমি সাক্ষ্য দিওনা!	اِشهَد তুমি সাক্ষ্য দাও!	شاهد/شهيد সাক্ষী	يشهَد সে সাক্ষ্য দেয়, দিচ্ছে, দিবে	شهِد সে সাক্ষ্য দিয়েছে	সাক্ষ্য দেওয়া, অবলকন করা	الشَهادة

باب فتَح يفتَح (صحيح)

نهي নিষেধ সূচক	أمر আদেশ সূচক	اسم الفاعل কর্তা	مضارع ভবিষ্যৎ কাল	ماضي অতীত কাল	مصدر এর অর্থ	مصدر
لا تفتَح তুমি খুলো না!	اِفتَح তুমি খুলো!	فاتح বিজয়ী/উন্মোচনকারী	يفتَح সে খুলে, খুলছে, খুলবে	فتَح সে খুলেছে	খোলা, বিজয় লাভ করা	الفَتح
لا تذهَب তুমি যেওনা!	اِذهَب তুমি যাও!	ذاهب গমনকারী	يذهَب সে যায়, যাচ্ছে, যাবে	ذهَب সে গিয়েছে	যাওয়া	الذَّهاب
لَا تجرَح তুমি আক্রান্ত হইও না!	اِجرَح তুমি আক্রান্ত হও!	جارح আক্রান্তকারী	يجرَح সে আক্রান্ত হয়, হচ্ছে, হবে	جرَح সে আক্রান্ত হয়েছে	আক্রান্ত হওয়া	الجَرح
لَا تمدَح তুমি প্রশংসা করো না!	اِمدَح তুমি প্রশংসা করো!	مادح প্রশংসাকারী	يمدَح সে প্রশংসা করে, করছে, করে	مدَح সে প্রশংসা করেছে	প্রশংসা করা	المَدح
لَا تجحَد তুমি অস্বিকার করো না!	اِجحَد তুমি অস্বিকার করো!	جاحد অস্বিকারকারী	يجحَد সে অস্বিকার করে, করছে, করবে	جحَد সে অস্বিকার করেছে	অকৃতজ্ঞ হওয়া, অস্বিকার করা	الجُحود
لَا تدفَع তুমি প্রতিরোধ করো না!	اِدفَع তুমি প্রতিরোধ করো!	دافع প্রতিরোধকারী	يدفَع সে প্রতিরোধ করে, করছে, করবে	دفَع সে প্রতিরোধ করেছে	প্রতিরোধ করা, ধাক্কা দেওয়া	الدَفع
لَا تقطَع তুমি কেটো না!	اِقطَع তুমি কাটো!	قاطع কর্তনকারী	يقطَع সে কর্তন করে, করছে, যাবে	قطَع সে কর্তন করেছে	কর্তন করা	القَطع

تعليم اللغة العربية من معهد رحماء

باب كرُم يكرُم (صحيح)

نهي নিষেধ সূচক	أمر আদেশ সূচক	اسم الفاعل কর্তা	مضارع ভবিষ্যৎ কাল	ماضي অতীত কাল	مصدر এর অর্থ	مصدر
لا تكرُم তুমি সম্মানিত হইও না!	اُكرُم তুমি সম্মানিত হও!	كريم সম্মানিত	يكرُم সে সম্মানিত হয়, হচ্ছে, হবে	كرُم সে সম্মানিত হয়েছে	সম্মানিত হওয়া	الكَرامة
لا تقرُب তুমি নিকটবর্তি হইও না!	اُقرُب তুমি নিকটবর্তি হও!	قريب নিকটবর্তি	يقرُب সে নিকটবর্তি হয়, হচ্ছে, হবে	قرُب সে নিকটবর্তি হয়েছে	নিকটবর্তী হওয়া	القُرب
لَا تبعُد তুমি দূরবর্তি হইও না!	اُبعُد তুমি দূরবর্তি হও!	بعيد দূরবর্তি	يبعُد সে দূরবর্তি হয়, হচ্ছে, হবে	بعُد সে দূরবর্তি হয়েছে	দূরবর্তি হওয়া	البُعد
لَا تبصر তুমি দেখো না!	اُبصُر তুমি দেখো!	بصير দ্রষ্টা	يبصُر সে দেখে, দেখছে, দেখবে	بصُر সে দেখেছে	দেখা, অবলকন করা	البَصارة
لَا تكثُر তুমি বেশি হইও না!	اُكثُر তুমি বেশি হও!	كثير বেশি	يكثُر তা বেশি হয়, হচ্ছে, হবে	كثُر তা বেশি হয়েছে	বেশি হওয়া	الكَثرة
لَا تصعُب তুমি কঠিন হইও না!	اُصعُب তুমি কঠিন হও!	صعيب কঠিন	يصعُب তা কঠিন হয়, হচ্ছে, হবে	صعُب তা কঠিন হয়েছে	কঠিন হওয়া	الصُعوبة

باب حسِب يحسِب (صحيح)

نهي নিষেধ সূচক	أمر আদেশ সূচক	اسم الفاعل কর্তা	مضارع ভবিষ্যৎ কাল	ماضي অতীত কাল	مصدر এর অর্থ	مصدر
لا تحسِب তুমি অনুমান করো না!	اِحسِب তুমি অনুমান করো!	حاسب অনুমানকারী	يحسِب সে অনুমান করে, করছে. করবে	حسِب সে অনুমান করেছে	অনুমান করা	الحِسْبَان
لا تنعِم তুমি সুখি হইও না!	اِنعِم তুমি সুখি হও!	نعيم সুখি	ينعِم সে সুখি হয়, হচ্ছে, হবে	نعِم সে সুখি হয়েছে	সুখী হওয়া	النعمة والنعومة

الدرس الرابع

فعل الماضي وفعل المضارع এর গঠনপ্রণালি ও ছিগা সমূহ

فعل ماضي

فعل الماضي এর গঠনপ্রণালি

মাসদারের আলিফ লাম বাদ দিয়ে ফা কালিমায় যবর আইন কালিমায় বাব অনুসারে যবর যের বা পেশ, লাম কালিমায় সর্বাবস্থায় যবর দিলেই ফেলে মাজি (فعل الماضي) গঠিত হয়ে যায়। যেমন ঃ

ছিগা সমূহ

اَلنَّصْرُ - সাহায্য করা

نَصَرَ - সে (একজন পুরুষ) সাহায্য করেছে

نَصَرَتْ - সে (একজন মহিলা) সাহায্য করেছে

نَصَرْتَ - তুমি(একজন পুরুষ) সাহায্য করেছো

نَصَرْتِ - তুমি(একজন মহিলা) সাহায্য করেছো

نَصَرْتُ - আমি সাহায্য করেছি

نَصَرْنَا - আমরা সাহায্য করেছি

اَلدُّخُوْلُ - প্রবেশ করা

دَخَلَ - সে (একজন পুরুষ) প্রবেশ করেছে

دَخَلَتْ - সে (একজন মহিলা) প্রবেশ করেছে

دَخَلْتَ - তুমি (একজন পুরুষ) প্রবেশ করেছো

دَخَلْتِ - তুমি (একজন মহিলা) প্রবেশ করেছো

دَخَلْتُ - আমি প্রবেশ করেছি

دَخَلْنَا- আমরা প্রবেশ করেছি

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

فعل مضارع

فعل المضارع এর গঠনপ্রণালি

জেনে রাখা ভাল যে, আলামতে মুযারে চারটি। (ا.ت.ي.ن) একত্রে أَتَيْنَ গঠনপ্রনালি- মাসদারের আলিফ লাম বাদ দিয়ে সেস্থানে আলামতে মুযারের একটি আনবে। যা যবর বিশিষ্ট হবে। ফা কালিমায় সাকিন দিবে। আইন কালিমায় বাব অনুপাতে যের যবর বা পেশ দিবে। লাম কালিমায় পেশ দিবে। ব্যাস ফে'লে মুদারে গঠন হয়ে যাবে।

ছিগা সমূহ

اَلنَّصْرُ - সাহায্য করা

يَنْصُرُ - সে (একজন পুরুষ) সাহায্য করে, করছে, করবে

تَنْصُرُ - সে (একজন মহিলা) সাহায্য করে, করছে, করবে

تَنْصُرُ - তুমি (একজন পুরুষ) সাহায্য করো, করছো, করবে

تَنْصُرِيْنَ - তুমি (একজন মহিলা) সাহায্য করো, করছো, করবে

أَنْصُرُ - আমি সাহায্য করি, করছি, করবো

نَنْصُرُ- আমরা সাহায্য করি, করছি, করবো

الضرب - প্রহার করা

يَضْرِبُ - সে (একজন পুরুষ) প্রহার করে, করছে, করবে

تَضْرِبُ - সে (একজন মহিলা) প্রহার করে, করছে, করবে

تَضْرِبُ - তুমি (একজন পুরুষ) প্রহার করো, করছো, করবে

تَضْرِبِيْنَ - তুমি (একজন মহিলা) প্রহার করো, করছো, করবে

أَضْرِبُ - আমি প্রহার করি, করছি, করবো

نَضْرِبُ - আমরা প্রবেশ করি, করছি, করবো

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

শব্দার্থ

قَبْلُ - আগে	غَدًا - আগামীকাল
بَعْدُ - পরে	بِالْأَمْسِ - গতকাল
اَلرُّجُوْعُ - ফেরা/প্রত্যাবর্তন করা (ض)	مَعَ - সাথে

تمرين

أَذْهَبُ إلى الجامعة غدا إن شاء الله - وأنت تَذْهَبُ إلى الكلية وفاطمة تَذْهَبِيْنَ إلى المدرسة ذَهَبْتُ إلى السوق بالأمس - مَن ذَهَبْتَ معكَ إلى السوق - ذَهَبَتْ معي أختي - ومتى رَجَعْتِ من السوق - رَجَعْتُ من السوق قبل صلاة المغرب - وهل صليتَ؟ نعم صليتُ في المسجد وصَلَّتْ فاطمة في البيت - من فاطمة؟ هي أختي الصغيرة والعزيزة

صَلَاةٌ নামাজ

اَلصَّلَاةُ নামাজ আদায় করা

فعل ماضي - صَلَّى صَلَّتْ صَلَّيْتَ صَلَّيْتِ صَلَّيْتُ صَلَّيْنَا

فعل مضارع - يُصَلِّي تُصَلِّي تُصَلِّي تُصَلِّيْنَ أُصَلِّي نُصَلِّي

الدرس الخامس

اسم الفاعل وفعل الأمر والنهي এর গঠনপ্রনালি ও ছিগা সমূহ

اسم الفاعل

اسم الفاعل এর গঠনপ্রণালি

ফা কালিমার পর একটি আলিফ অতিরিক্ত আসবে। فاعل এর ওজনে হবে। ফা কালিমায় যবর, আইন কালিমায় যের। লাম কালিমায় (পেশ) তানভীন।

ছিগা সমূহ

اَلْهَرْبُ - পলায়ন করা
هَارِبٌ - পলায়নকারী (একজন পুরুষ)
هَارِبُوْنَ - পলায়নকারী (সকল পুরুষ)
هَارِبَةٌ - পলায়নকারিনী (একজন মহিলা)
هَارِبَاتٌ - পলায়নকারিনী (সকল মহিলা)

اَلطَّلَبُ - অন্বেষন করা
طَالِبٌ - অন্বেষনকারী (একজন পুরুষ)
طَالِبُوْنَ - অন্বেষনকারী (অনেক পুরুষ)
طَالِبَةٌ - অন্বেষনকারিনী (একজন মহিলা)
طَالِبَاتٌ - অন্বেষনকারিনী (অনেক মহিলা)

فعل الأمر

فعل الأمر এর গঠনপ্রণালি

আইন কালিমায় যের/যবর থাকলে শুরুতে যের বিশিষ্ট হামযা। আর আইন কালিমায় পেশ থাকলে শুরুতে পেশ বিশিষ্ট হামযা এনে লাম কালিমায় সাকিন দিলেই আমর গঠিত হয় যায়।

ছিগা সমূহ

اَلْجُلُوْسُ - বসা
اِجْلِسْ - তুমি (একজন পুরুষ) বসো
اِجْلِسُوْا - তোমরা (সকল পুরুষ) বসো
اِجْلِسِيْ - তুমি (একজন মহিলা) বসো
اِجْلِسْنَ - তোমরা (একজন মহিলা) বসো

اَلْقُعُوْدُ - বসা
اُقْعُدْ - তুমি (একজন পুরুষ) বসো
اُقْعُدُوْا - তোমরা (সকল পুরুষ) বসো
اُقْعُدِيْ - তুমি (একজন মহিলা) বসো
اُقْعُدْنَ - তোমরা (একজন মহিলা) বসো

فعل النهي

فعل النهي এর গঠনপ্রণালি

ফেলে মুযারের (حاضر এর) শুরুতে (لا) শব্দ যোগ করে লাম কালিমা/শেষ অক্ষরে সাকিন দিলেই নাহি হয়ে যায়।

ছিগা সমূহ

اَلدُّخُوْلُ - প্রবেশ করা
لَا تَدْخُلْ - তুমি (একজন পুরুষ) প্রবেশ করো না
لَا تَدْخُلُوْا - তোমরা (সকল পুরুষ) প্রবেশ করো না
لَا تَدْخُلِيْ - তুমি (একজন মহিলা) প্রবেশ করো না
لَا تَدْخُلْنَ - তোমরা (সকল মহিলা) প্রবেশ করো না

اَلْكِذْبُ - মিথ্যা বলা
لَا تَكْذِبْ - তুমি (একজন পুরুষ) মিথ্যা বলো না
لَا تَكْذِبُوْا - তোমরা (সকল পুরুষ) মিথ্যা বলো না
لَا تَكْذِبِيْ - তুমি (একজন মহিলা) মিথ্যা বলো না
لَا تَكْذِبْنَ - তোমরা (সকল মহিলা) মিথ্যা বলো না

শব্দার্থ

مَاءٌ - পানি
خَمْرٌ - মদ
زُوْرٌ - মিথ্যা সাক্ষী দেয়া

أَبَدًا - কখনো
كَلَّا - কখনোই না
لِ - জন্য
بِلَا كَرَاهَةٍ - নিঃসংকোচে/নির্দ্বিধায়

تمرين

الكذب إثم وهو حرام - لَا تَكْذِبْ أبدا يا أيها الكاذب! أنتَ تَدْخُلِ النار للكذب بلا كراهة - إلي أين ذَاهِبٌ يا هَارِب؟ اِجْلِسْ على الأرض - أَضْرِبُكَ ضَرْبًا شديدا أيها السَامِعُوْنَ! اِشْرَبُوا الماء كثيرا ولَا تَشْرَبُوا الخمر أبدا - يا شَاهِدُوْنَ! لا تَشْهَدُوا الزور اللّٰه كَرِيْمٌ يا عبدَ الله -

الدرس السادس

مهارة القراءة مع قصة غريبة والامتحان

● إِبْرَاهِيمُ يَكْسِرُ الْأَصْنَامَ ●

وَجاءَ يَوْمُ عِيْدٍ فَفَرِحَ النَّاسُ

وَخَرَجَ النَّاسُ لِلْعِيْدِ وَخَرَجَ الْأَطْفَالُ

وَخَرَجَ وَالِدُ إِبْرَاهِيمَ وَقَالَ لِإِبْرَاهِيمَ : أَلا تَخْرُجُ مَعَنَا؟

قَالَ إِبْرَاهِيمُ : أَنَا سَقِيمٌ!

وَذَهَبَ النَّاسُ وَبَقِيَ إِبْرَاهِيمُ فِي البَيْتِ

وَجاءَ إِبْرَاهِيمُ إِلى الأَصْنَامِ، وَقَالَ لِلأَصْنَامِ: أَلا

تَتَكَلَّمُونَ؟ أَلا تَسْمَعُونَ؟

هَذَا طَعَامٌ وَشَرَابٌ، أَلا تَأْكُلُونَ؟ أَلا تَشْرَبُونَ؟

وَسَكَتَتِ الأَصْنَامُ لأَنَّهَا حِجَارَةٌ لا تَنْطِقُ

قَالَ إِبْرَاهِيمُ : ﴿ مَا لَكُمْ لَا تَنطِقُونَ ﴾ . وَسَكَتَتِ الأَصْنَامُ وَمَا نَطَقَتْ

حِينَئِذٍ غَضِبَ إِبْرَاهِيمُ وَأَخَذَ الْفَأْسَ

وَضَرَبَ إِبْرَاهِيمُ الأَصْنَامَ بِالْفَأْسِ وَكَسَرَ الأَصْنَامَ

وَتَرَكَ إِبْرَاهِيمُ الصَّنَمَ الأَكْبَرَ وَعَلَّقَ الْفَأْسَ فِي عُنُقِهِ.

أستاذي يكسب الأموال كثيرا وهو غني - اصبر صبرا جميلا - ولا تجلس أمام الأستاذ - ماذا قصدتِ يا فاطمة الجميلة؟ احبسي نفسك وارجعي إلى ربك يعرفك ربك جيدا

শব্দার্থ

يَوْمٌ - দিন	مَزْرَعٌ - ক্ষেত
اليَوْمُ - আজ	كُلُّ شَيْءٍ - সবকিছু

تعليم اللغة العربية من معهد رحماء

الدرس السابع

المصادر من باب نصر ينصر	المصادر من باب ضرب يضرب	المصادر من باب سمع يسمع	المصادر من باب فتح يفتح
اَلْحَرْثُ - চাষ করা	اَلْكَسْرُ - ভাঙ্গা	اَللُّعُوْقُ - চাটা	اَلرَّفْعُ - উত্তোলন করা
اَلسَّتْرُ - ঢেকে রাখা	اَلصَّبْرُ - ধৈর্য ধারন করা	اَللُّبْسُ - পরিধান করা	اَلزَّرْعُ - চাষাবাদ করা
اَلسُّكُوْتُ - চুপ থাকা	اَلْحَبْسُ - বন্দি করা	اَلْعَطْشُ - পিপাসার্ত হওয়া	اَلْقَطْعُ - কর্তন করা
اَلْخُلُوْدُ - সর্বদা থাকা	اَلصَّرْفُ - পরিবর্তন করা	اَلْحِفْظُ - সংরক্ষন করা	اَلْمَنْعُ - নিষেধ করা
اَللَّمْسُ - স্পর্শ করা	اَلْمَعْرِفَةُ - চেনা, জানা	اَلضِّحْكُ - হাসা	اَلطَّبْخُ - রান্না করা
اَلسُّقُوْطُ - চুপ থাকা	اَلْحَلْقُ - মুন্ডানো	اَلْجَهْلُ - মুর্খ হওয়া	اَلْمَضْغُ - চাবানো
اَلْبُلُوْغُ - পৌছানো	اَلسَّرِقَةُ - চুরি করা	اَلْعِلْمُ - জানা	اَلصَّرْخَةُ - চিৎকার দেওয়া
اَلرُّقُوْدُ - শয়ন করা	اَلْهَلَاكُ - ধ্বংশ হওয়া	اَلْفَهْمُ - উপলব্ধি করা	اَلسِّبَاحَةُ - সাতার কাটা
اَلتَّرْكُ - ছেড়ে দেওয়া	اَلْحَمْلُ - বহন করা	اَلْقُدُوْمُ - আগমন করা	اَلْقَلْعُ - উপড়ে ফেলা
اَلْمَكْثُ - অবস্থান করা	اَلْغَسْلُ - ধৌত করা	اَلرُّكُوْبُ - আরোহন করা	

المصادر من باب كرم يكرم	المصادر من باب حسب يحسب
اَلشَّرَافَةُ - সম্মানিত হওয়া	اَلْحِسْبَانُ - ধারনা করা
اَلْعَظْمَةُ - মহান হওয়া	اَلنِّعْمَةُ وَالنُّعُوْمَةُ - কোমল হওয়া
	اَلْوَرَاثَةُ - উত্তরাধিকার হওয়া

تمرين

يحرث الفلاح في المزرع غدا إن شاء الله - لا تحرث يا أبانا - أستر كل شيئ - اليوم مطر من السماء. يخلد شهيد - لا يموت أبدا - هل ألمُسك يا حبيبتي - ترجعين فاطمة من مدرستها إلى المكتبة - ارقد يا راشد على فراشك - اكسر الأصنام يا خالد كابراهيم

الدرس الثامن

فعل الماضي و فعل المضارع এর চৌদ্দ ছিগার গর্দান

فعل الماضي

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	فَعَلَ (واحد مذكر غائب)	সে (একজন পুরুষ) করেছে
	فَعَلَا (تثنيه مذكر غائب)	তারা (দুইজন পুরুষ) করেছে
	فَعَلُوْا (جمع مذكر غائب)	তারা (সকল পুরুষ) করেছে
مذكر حاضر	فَعَلْتَ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) করেছো
	فَعَلْتُمَا (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) করেছো
	فَعَلْتُمْ (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) করেছো

	صيغة	অর্থ
مؤنث غائب	فَعَلَتْ (واحد مؤنث غائب)	সে (একজন মহিলা) করেছে
	فَعَلَتَا (تثنيه مؤنث غائب)	তারা (দুইজন মহিলা) করেছে
	فَعَلْنَ (جمع مؤنث غائب)	তারা (সকল মহিলা) করেছে
مؤنث حاضر	فَعَلْتِ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) করেছো
	فَعَلْتُمَا (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) করেছো
	فَعَلْتُنَّ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) করেছো

	صيغة	অর্থ
متكلم	فَعَلْتُ (واحد متكلم)	আমি করেছি
	فَعَلْنَا (جمع متكلم)	আমরা করেছি

النصر

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	نَصَرَ (واحد مذكر غائب)	সে একজন পুরুষ সাহায্য করেছে
	نَصَرَا (تثنيه مذكر غائب)	তারা দুইজন পুরুষ সাহায্য করেছে
	نَصَرُوْا (جمع مذكر غائب)	তারা সকল পুরুষ সাহায্য করেছে
مذكر حاضر	نَصَرْتَ (واحد مذكر حاضر)	তুমি একজন পুরুষ সাহায্য করেছো
	نَصَرْتُمَا (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা দুইজন পুরুষ সাহায্য করেছো
	نَصَرْتُمْ (جمع مذكر حاضر)	তোমরা সকল পুরুষ সাহায্য করেছো

	صيغة	অর্থ
مؤنث غائب	نَصَرَتْ (واحد مؤنث غائب)	সে একজন মহিলা সাহায্য করেছে
	نَصَرَتَا (تثنيه مؤنث غائب)	তারা দুইজন মহিলা সাহায্য করেছে
	نَصَرْنَ (جمع مؤنث غائب)	তারা সকল মহিলা সাহায্য করেছে
مؤنث حاضر	نَصَرْتِ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি একজন মহিলা সাহায্য করেছো
	نَصَرْتُمَا (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা দুইজন মহিলা সাহায্য করেছো
	نَصَرْتُنَّ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা সকল মহিলা সাহায্য করেছো

	صيغة	অর্থ
متكلم	نَصَرْتُ (واحد متكلم)	আমি সাহায্য করেছি
	نَصَرْنَا (جمع متكلم)	আমরা সাহায্য করেছি

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

فعل المضارع

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	يَفْعَلُ (واحد مذكر غائب)	সে (একজন পুরুষ) করে, করছে, করবে
	يَفْعَلَانِ (تثنيه مذكر غائب)	তারা (দুইজন পুরুষ) করে, করছে, করবে
	يَفْعَلُوْنَ (جمع مذكر غائب)	তারা (সকল পুরুষ) করে, করছে, করবে
مذكر حاضر	تَفْعَلُ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) করো, করছো, করবে
	تَفْعَلَانِ (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) করো, করছো, করবে
	تَفْعَلُوْنَ (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) করো, করছো, করবে

	صيغة	অর্থ
مؤنث غائب	تَفْعَلُ (واحد مؤنث غائب)	সে (একজন মহিলা) করে, করছে, করবে
	تَفْعَلَانِ (تثنيه مؤنث غائب)	তারা (দুইজন মহিলা) করে, করছে, করবে
	يَفْعَلْنَ (جمع مؤنث غائب)	তারা (সকল মহিলা) করে, করছে, করবে
مؤنث حاضر	تَفْعَلِيْنَ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) করো, করছো, করবে
	تَفْعَلَانِ (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) করো, করছো, করবে
	تَفْعَلْنَ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) করো, করছো, করবে

	صيغة	অর্থ
متكلم	أَفْعَلُ (واحد متكلم)	আমি করি, করছি, করবো
	نَفْعَلُ (جمع متكلم)	আমরা করি, করছি, করবো

الضرب

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	يَضْرِبُ (واحد مذكر غائب)	সে (একজন পুরুষ) প্রহার করে, করছে, করবে
	يَضْرِبَانِ (تثنيه مذكر غائب)	তারা (দুইজন পুরুষ) প্রহার করে, করছে, করবে
	يَضْرِبُوْنَ (جمع مذكر غائب)	তারা (সকল পুরুষ) প্রহার করে, করছে, করবে
مذكر حاضر	تَضْرِبُ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) প্রহার করো, করছো, করবে
	تَضْرِبَانِ (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) প্রহার করো, করছো, করবে
	تَضْرِبُوْنَ (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) প্রহার করো, করছো, করবে

	صيغة	অর্থ
مؤنث غائب	تَضْرِبُ (واحد مؤنث غائب)	সে (একজন মহিলা) প্রহার করে, করছে, করবে
	تَضْرِبَانِ (تثنيه مؤنث غائب)	তারা (দুইজন মহিলা) প্রহার করে, করছে, করবে
	يَضْرِبْنَ (جمع مؤنث غائب)	তারা (সকল মহিলা) প্রহার করে, করছে, করবে
مؤنث حاضر	تَفْعَلِيْنَ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) প্রহার করো, করছো, করবে
	تَضْرِبَانِ (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) প্রহার করো, করছো, করবে
	تَضْرِبْنَ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) প্রহার করো, করছো, করবে

	صيغة	অর্থ
متكلم	أَضْرِبُ (واحد متكلم)	আমি প্রহার করি, করছি, করবো
	نَضْرِبُ (جمع متكلم)	আমরা প্রহার করি, করছি, করবো

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

تمرين

عجبًا لأمر القرآن

نزل جبريل بالقرآن فأصبح جبريل أفضل الملائكة

نزل القرآن على محمد، فصار سيد الخلق

جاء القرآن على أمة محمد، فأصبحت خير أمة

نزل القرآن في شهر رمضان، فأصبح خيرالشهور

نزل القرآن في ليلة القدر، فأصبحت خيرًا من ألف شهر

فماذا لو نزل القرآن في قلوبنا ؟

اللهم اجعل القرآن ربيع قلوبنا

الدرس الثامن

اسم الفاعل،فعل الأمر وفعل النهي এর ছয় ছিগার গর্দান

اسم الفاعل

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر	فَاعِلٌ (واحد مذكر)	একজন (পুরুষ) কর্তা	مؤنث	فاعلة (واحد مؤنث)	একজন (মহিলা) কর্ত্রী
	فَاعِلَانِ (تثنيه مذكر)	দুইজন (পুরুষ) কর্তাদ্বয়		فاعلتان (تثنيه مؤنث)	দুইজন (মহিলা) কর্ত্রীদ্বয়
	فَاعِلُوْنَ (جمع مذكر)	সকল (পুরুষ) কর্তাগণ		فاعلات (جمع مؤنث)	সকল (মহিলা) কর্ত্রীগণ

السمع

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر	سَامِعٌ (واحد مذكر)	একজন (পুরুষ) শ্রোতা	مؤنث	سَامِعَةٌ (واحد مؤنث)	একজন (মহিলা) শ্রোত্রী
	سَامِعَانِ (تثنيه مذكر)	দুইজন (পুরুষ) শ্রোতাদ্বয়		سَامِعَتَانِ (تثنيه مؤنث)	দুইজন (মহিলা) শ্রোত্রীদ্বয়
	سَامِعُوْنَ (جمع مذكر)	সকল (পুরুষ) শ্রোতাবৃন্দ		سَامِعَاتٌ (جمع مؤنث)	সকল (মহিলা) শ্রোত্রীবৃন্দ

فعل الأمر

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر	اِفْعَلْ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) করো	مؤنث	اِفْعَلِيْ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) করো
	اِفْعَلَا (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) করো		اِفْعَلَا (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) করো
	اِفْعَلُوْا (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) করো		اِفْعَلْنَ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) করো

الفتح

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر	اِفْتَحْ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) খুলো	مؤنث	اِفْتَحِيْ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) খুলো
	اِفْتَحَا (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) খুলো		اِفْتَحَا (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) খুলো
	اِفْتَحُوْا (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) খুলো		اِفْتَحْنَ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) খুলো

فعل النهي

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر	لَا تَفْعَلْ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) করো না	مؤنث	لَا تَفْعَلِيْ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) করো না
	لَا تَفْعَلَا (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) করো না		لَا تَفْعَلَا (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) করো না
	لَا تَفْعَلُوْا (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) করো না		لَا تَفْعَلْنَ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) করো না

الذهاب

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر	لَا تَذْهَبْ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) যেও না	مؤنث	لَا تَذْهَبِيْ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) যেও না
	لَا تَذْهَبَا (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) যেও না		لَا تَذْهَبَا (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) যেও না
	لَا تَذْهَبُوْا (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) যেও না		لَا تَذْهَبْنَ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) যেও না

এভাবে সবগুলো মাসদার থেকে যেকোনো বাহাসের গর্দান সম্পূর্ণ দিতে সক্ষম হওয়া। প্র্যাকটিস করা। উস্তাদের সাথেই। এক্ষুনি।

'ছিগা বলো!' বাক্যের ব্যাবহারের সাথে অথবা বাক্যের ব্যাবহার ছাড়া।

তোমরা সকল পুরুষ প্রহর করো না। ছাত্ররা সাহায্যকারী। ছাত্রীরা ঘরে প্রত্যাবর্তনকারীনি। আমরা সবাই বোঝা বহনকারী। পাপের কারণে ধ্বংস হয়ো না। তোমরা সকল মহিলা কখন ফিরবে? হে মহিলারা, তোমরা মিথ্যা সাক্ষ্য কেন দিচ্ছ? তারা সকল পুরুষ বেশি হাসে। তুমি বিজয়ী। তুমি মুসলিম। তুমি রবের প্রশংসা করো। তুমি আগামীকাল পৃথিবী জয় করবে ইনশাআল্লাহ। হে কৃষক! ভালকরে চাষ করো।

عالَم/دنيا - পৃথিবী	امرأة/نساء - মহিলারা

الدرس العاشر

فعل المجهول

মাজহুল (مجهول) মানে অজ্ঞাত। যে ফে'লের ফায়েল জানা যায়না তাকে ফেলে মাজহুল (فعل مجهول) বলে। অর্থের বিবেচনায় কোনো কাজ কৃত হওয়াকে বুঝায়। যেমন - فُعِلَ সে কৃত হয়েছে। তাকে করা হয়েছে। نُصِرَ সে সাহায্যকৃত হয়েছে/তাকে সাহায্য করা হয়েছে।

মনে রাখা ভাল যে, فُعِلَ يُفْعَلُ এর ওজনে মাজি ও মুযারের মাজহুল (مجهول) এর সিগা গঠিত হয়। গর্দান সব আগের মতোই। আগের নিয়মেই।

فعل الماضي مجهول

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر غائب	فُعِلَ واحد مذكر غائب	তাকে (একজন পুরুষ) করা হয়েছে	مؤنث غائب	فُعِلَتْ واحد مؤنث غائب	তাকে (একজন মহিলা) করা হয়েছে
	فُعِلَا تثنيه مذكر غائب	তাদেরকে (দুইজন পুরুষ) করা হয়েছে		فُعِلَتَا تثنيه مؤنث غائب	তাদেরকে (দুইজন মহিলা) করা হয়েছে
	فُعِلُوْا جمع مذكر غائب	তাদেরকে (সকল পুরুষ) করা হয়েছে		فُعِلْنَ جمع مؤنث غائب	তাদেরকে (সকল মহিলা) করা হয়েছে
مذكر حاضر	فُعِلْتَ واحد مذكر حاضر	তোমাকে (একজন পুরুষ) করা হয়েছে	مؤنث حاضر	فُعِلْتِ واحد مؤنث حاضر	তোমাকে (একজন মহিলা) করা হয়েছে
	فُعِلْتُمَا تثنيه مذكر حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন পুরুষ) করা হয়েছে		فُعِلْتُمَا تثنيه مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন মহিলা) করা হয়েছে
	فُعِلْتُمْ جمع مذكر حاضر	তোমাদেরকে (সকল পুরুষ) করা হয়েছে		فُعِلْتُنَّ جمع مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (সকল মহিলা) করা হয়েছে

	صيغة	অর্থ
متكلم	فُعِلْتُ واحد متكلم	আমাকে করা হয়েছে
	فُعِلْنَا جمع متكلم	আমাদেরকে করা হয়েছে

النصر

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر غائب	نُصِرَ واحد مذكر غائب	সে (একজন পুরুষ) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছে	مؤنث غائب	نُصِرَتْ واحد مؤنث غائب	সে (একজন মহিলা) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছে
	نُصِرَا تثنيه مذكر غائب	তারা (দুইজন পুরুষ) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছে		نُصِرَتَا تثنيه مؤنث غائب	তারা (দুইজন মহিলা) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছে
	نُصِرُوْا جمع مذكر غائب	তারা (সকল পুরুষ) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছে		نُصِرْنَ جمع مؤنث غائب	তারা (সকল মহিলা) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছে
مذكر حاضر	نُصِرْتَ واحد مذكر حاضر	তুমি (একজন পুরুষ) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছো	مؤنث حاضر	نُصِرْتِ واحد مؤنث حاضر	তুমি (একজন মহিলা) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছো
	نُصِرْتُمَا تثنيه مذكر حاضر	তোমরা (দুইজন পুরুষ) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছো		نُصِرْتُمَا تثنيه مؤنث حاضر	তোমরা (দুইজন মহিলা) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছো
	نُصِرْتُمْ جمع مذكر حاضر	তোমরা (সকল পুরুষ) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছো		نُصِرْتُنَّ جمع مؤنث حاضر	তোমরা (সকল মহিলা) সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছো

	صيغة	অর্থ
متكلم	نُصِرْتُ واحد متكلم	আমি সাহায্যপ্রাপ্ত হয়েছি
	نُصِرْنَا جمع متكلم	আমরা সাহায্য হয়েছি

فعل المضارع مجهول

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر غائب	يُفْعَلُ واحد مذكر غائب	তাকে (একজন পুরুষ) করা হয়, হচ্ছে, হবে	مؤنث غائب	تُفْعَلُ واحد مؤنث غائب	তাকে (একজন মহিলা) করা হয়, হচ্ছে, হবে
	يُفْعَلَانِ تثنيه مذكر غائب	তাদেরকে (দুইজন পুরুষ) করা হয়, হচ্ছে, হবে		تُفْعَلَانِ تثنيه مؤنث غائب	তাদেরকে (দুইজন মহিলা) করা হয়, হচ্ছে, হবে
	يُفْعَلُوْنَ جمع مذكر غائب	তাদেরকে (সকল পুরুষ) করা হয়, হচ্ছে, হবে		يُفْعَلْنَ جمع مؤنث غائب	তাদেরকে (সকল মহিলা) করা হয়, হচ্ছে, হবে
مذكر حاضر	تُفْعَلُ واحد مذكر حاضر	তোমাকে (একজন পুরুষ) করা হয়, হচ্ছে, হবে	مؤنث حاضر	تُفْعَلِيْنَ واحد مؤنث حاضر	তোমাকে (একজন মহিলা) করা হয়, হচ্ছে, হবে
	تُفْعَلَانِ تثنيه مذكر حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন পুরুষ) করা হয়, হচ্ছে, হবে		تُفْعَلَانِ تثنيه مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন মহিলা) করা হয়, হচ্ছে, হবে
	تَفْعَلُوْنَ جمع مذكر حاضر	তোমাদেরকে (সকল পুরুষ) করা হয়, হচ্ছে, হবে		تُفْعَلْنَ جمع مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (সকল মহিলা) করা হয়, হচ্ছে, হবে

	صيغة	অর্থ
متكلم	أُفْعَلُ واحد متكلم	আমাকে করা হয়, হচ্ছে, হবে
	نُفْعَلُ جمع متكلم	আমাদেরকে করা হয়, হচ্ছে, হবে

الضرب

	صيغة	অর্থ		صيغة	অর্থ
مذكر غائب	يُضْرَبُ واحد مذكر غائب	তাকে (একজন পুরুষ) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে	مؤنث غائب	تُضْرَبُ واحد مؤنث غائب	তাকে (একজন মহিলা) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে
	يُضْرَبَانِ تثنيه مذكر غائب	তাদেরকে (দুইজন পুরুষ) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে		تُضْرَبَانِ تثنيه مؤنث غائب	তাদেরকে (দুইজন মহিলা) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে
	يُضْرَبُوْنَ جمع مذكر غائب	তাদেরকে (সকল পুরুষ) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে		يُضْرَبْنَ جمع مؤنث غائب	তাদেরকে (সকল মহিলা) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে
مذكر حاضر	تُضْرَبُ واحد مذكر حاضر	তোমাকে (একজন পুরুষ) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে	مؤنث حاضر	تُضْرَبِيْنَ واحد مؤنث حاضر	তোমাকে (একজন মহিলা) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে
	تُضْرَبَانِ تثنيه مذكر حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন পুরুষ) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে		تُضْرَبَانِ تثنيه مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন মহিলা) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে
	تُضْرَبُوْنَ جمع مذكر حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন পুরুষ) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে		تُضْرَبْنَ جمع مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন মহিলা) প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে

	صيغة	অর্থ
متكلم	أُضْرَبُ واحد متكلم	আমাকে প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে
	نُضْرَبُ جمع متكلم	আমাদেরকে প্রহার করা হয়, হচ্ছে, হবে

শব্দার্থ

حِصْنٌ/قَلْعَةٌ - দুর্গ

قَوْسٌ - ধনুক

مَطْبَخٌ - রান্নাঘর

إِبْرِيْقٌ - জগ

كُوْبٌ/كَأْسٌ - গ্লাস

شَجَرَةٌ- গাছ

سَيْفٌ - তরবারি

قَصْفٌ/قُنْبُلَةٌ - বোমা

سَهْمٌ - তীর/অংশ

الدرس الحادي عشر

ماضي قريب، ماضي بعيد، ماضي استمراري، ماضي احتمالي، ماضي تمناي، وماضي منفي

ماضي قريب

	صيغة		অর্থ
مذكر غائب	قَدْ فَعَلَ	واحد مذكر غائب	সে (একজন পুরুষ)(একটু আগে) করেছে
مذكر غائب	قَدْ فَعَلَا	تثنيه مذكر غائب	তারা (দুইজন পুরুষ)(একটু আগে) করেছে
مذكر غائب	قَدْ فَعَلُوْا	جمع مذكر غائب	তারা (সকল পুরুষ)(একটু আগে) করেছে
مؤنث غائب	قَدْ فَعَلَتْ	واحد مؤنث غائب	সে (একজন মহিলা)(একটু আগে) করেছে
مؤنث غائب	قَدْ فَعَلَتَا	تثنيه مؤنث غائب	তারা (দুইজন মহিলা)(একটু আগে) করেছে
مؤنث غائب	قَدْ فَعَلْنَ	جمع مؤنث غائب	তারা (সকল মহিলা)(একটু আগে) করেছে
مذكر حاضر	قَدْ فَعَلْتَ	واحد مذكر حاضر	তুমি (একজন পুরুষ)(একটু আগে) করেছো
مذكر حاضر	قَدْ فَعَلْتُمَا	تثنيه مذكر حاضر	তোমরা (দুইজন পুরুষ)(একটু আগে) করেছো
مذكر حاضر	قَدْ فَعَلْتُمْ	جمع مذكر حاضر	তোমরা (সকল পুরুষ)(একটু আগে) করেছো
مؤنث حاضر	قَدْ فَعَلْتِ	واحد مؤنث حاضر	তুমি (একজন মহিলা)(একটু আগে) করেছো
مؤنث حاضر	قَدْ فَعَلْتُمَا	تثنيه مؤنث حاضر	তোমরা (দুইজন মহিলা)(একটু আগে) করেছো
مؤنث حاضر	قَدْ فَعَلْتُنَّ	جمع مؤنث حاضر	তোমরা (সকল মহিলা)(একটু আগে) করেছো
متكلم	قَدْ فَعَلْتُ	واحد متكلم	আমি (একটু আগে) করেছি
متكلم	قَدْ فَعَلْنَا	جمع متكلم	আমরা (একটু আগে) করেছি

ماضي بعيد

	صيغة		অর্থ
مذكر غائب	كَانَ فَعَلَ	واحد مذكر غائب	সে (একজন পুরুষ)(একটু আগে) করেছিলো
مذكر غائب	كَانَا فَعَلَا	تثنيه مذكر غائب	তারা (দুইজন পুরুষ)(একটু আগে) করেছিলো
مذكر غائب	كَانُوْا فَعَلُوْا	جمع مذكر غائب	তারা (সকল পুরুষ)(একটু আগে) করেছিলো
مؤنث غائب	كَانَتْ فَعَلَتْ	واحد مؤنث غائب	সে (একজন মহিলা)(একটু আগে) করেছিলো
مؤنث غائب	كَانَتَا فَعَلَتَا	تثنيه مؤنث غائب	তারা (দুইজন মহিলা)(একটু আগে) করেছিলো
مؤنث غائب	كُنَّ فَعَلْنَ	جمع مؤنث غائب	তারা (সকল মহিলা)(একটু আগে) করেছিলো
مذكر حاضر	كُنْتَ فَعَلْتَ	واحد مذكر حاضر	তুমি (একজন পুরুষ)(একটু আগে) করেছিলে
مذكر حاضر	كُنْتُمَا فَعَلْتُمَا	تثنيه مذكر حاضر	তোমরা (দুইজন পুরুষ)(একটু আগে) করেছিলে
مذكر حاضر	كُنْتُمْ فَعَلْتُمْ	جمع مذكر حاضر	তোমরা (সকল পুরুষ)(একটু আগে) করেছিলে
مؤنث حاضر	كُنْتِ فَعَلْتِ	واحد مؤنث حاضر	তুমি (একজন মহিলা)(একটু আগে) করেছিলে
مؤنث حاضر	كُنْتُمَا فَعَلْتُمَا	تثنيه مؤنث حاضر	তোমরা (দুইজন মহিলা)(একটু আগে) করেছিলে
مؤنث حاضر	كُنْتُنَّ فَعَلْتُنَّ	جمع مؤنث حاضر	তোমরা (সকল মহিলা)(একটু আগে) করেছিলে
متكلم	كُنْتُ فَعَلْتُ	واحد متكلم	আমি (একটু আগে) করেছিলাম
متكلم	كُنَّا فَعَلْنَا	جمع متكلم	আমরা (একটু আগে) করেছিলাম

ماضي استمراري

	صيغة		অর্থ
مذكر غائب	كَانَ يَفْعَلُ	واحد مذكر غائب	সে (একজন পুরুষ)(একটু আগে) করছিলো
مذكر غائب	كَانَا يَفْعَلَانِ	تثنيه مذكر غائب	তারা (দুইজন পুরুষ)(একটু আগে) করছিলো
مذكر غائب	كَانُوْا يَفْعَلُوْنَ	جمع مذكر غائب	তারা (সকল পুরুষ)(একটু আগে) করছিলো
مؤنث غائب	كَانَتْ تَفْعَلُ	واحد مؤنث غائب	সে (একজন মহিলা)(একটু আগে) করছিলো
مؤنث غائب	كَانَتَا تَفْعَلَانِ	تثنيه مؤنث غائب	তারা (দুইজন মহিলা)(একটু আগে) করছিলো
مؤنث غائب	كُنَّ يَفْعَلْنَ	جمع مؤنث غائب	তারা (সকল মহিলা)(একটু আগে) করছিলো
مذكر حاضر	كُنْتَ تَفْعَلُ	واحد مذكر حاضر	তুমি (একজন পুরুষ)(একটু আগে) করছিলে
مذكر حاضر	كُنْتُمَا تَفْعَلَانِ	تثنيه مذكر حاضر	তোমরা (দুইজন পুরুষ)(একটু আগে) করছিলে
مذكر حاضر	كُنْتُمْ تَفْعَلُوْنَ	جمع مذكر حاضر	তোমরা (সকল পুরুষ)(একটু আগে) করছিলে
مؤنث حاضر	كُنْتِ تَفْعَلِيْنَ	واحد مؤنث حاضر	তুমি (একজন মহিলা)(একটু আগে) করছিলে
مؤنث حاضر	كُنْتُمَا تَفْعَلَانِ	تثنيه مؤنث حاضر	তোমরা (দুইজন মহিলা)(একটু আগে) করছিলে
مؤنث حاضر	كُنْتُنَّ تَفْعَلْنَ	جمع مؤنث حاضر	তোমরা (সকল মহিলা)(একটু আগে) করছিলে
متكلم	كُنْتُ اَفْعَلُ	واحد متكلم	আমি (একটু আগে) করছিলাম
متكلم	كُنَّا نَفْعَلُ	جمع متكلم	আমরা (একটু আগে) করছিলাম

ماضي احتمالي

	صيغة		অর্থ
مذكر غائب	لَعَلَّمَا فَعَلَ	واحد مذكر غائب	হয়তো সে (একজন পুরুষ) করেছে
مذكر غائب	لَعَلَّمَا فَعَلَا	تثنيه مذكر غائب	হয়তো তারা (দুইজন পুরুষ) করেছে
مذكر غائب	لَعَلَّمَا فَعَلُوْا	جمع مذكر غائب	হয়তো তারা (দুইজন পুরুষ) করেছে
مؤنث غائب	لَعَلَّمَا فَعَلَتْ	واحد مؤنث غائب	হয়তো সে (একজন মহিলা) করেছে
مؤنث غائب	لَعَلَّمَا فَعَلَتَا	تثنيه مؤنث غائب	হয়তো তারা (দুইজন মহিলা) করেছে
مؤنث غائب	لَعَلَّمَا فَعَلْنَ	جمع مؤنث غائب	হয়তো তারা (দুইজন মহিলা) করেছে
مذكر حاضر	لَعَلَّمَا فَعَلْتَ	واحد مذكر حاضر	হয়তো তুমি (একজন পুরুষ) করেছো
مذكر حاضر	لَعَلَّمَا فَعَلْتُمَا	تثنيه مذكر حاضر	হয়তো তোমরা (দুইজন পুরুষ) করেছো
مذكر حاضر	لَعَلَّمَا فَعَلْتُمْ	جمع مذكر حاضر	হয়তো তোমরা (সকল পুরুষ) করেছো
مؤنث حاضر	لَعَلَّمَا فَعَلْتِ	واحد مؤنث حاضر	হয়তো তুমি (একজন মহিলা) করেছো
مؤنث حاضر	لَعَلَّمَا فَعَلْتُمَا	تثنيه مؤنث حاضر	হয়তো তোমরা (দুইজন মহিলা) করেছো
مؤنث حاضر	لَعَلَّمَا فَعَلْتُنَّ	جمع مؤنث حاضر	হয়তো তোমরা (সকল মহিলা) করেছো
متكلم	لَعَلَّمَا فَعَلْتُ	واحد متكلم	হয়তো আমি করেছি
متكلم	لَعَلَّمَا فَعَلْنَا	جمع متكلم	হয়তো আমরা করেছি

ماضي تمناي

	صيغة		অর্থ
مذكر غائب	لَيْتَمَا فَعَلَ	واحد مذكر غائب	হায়! যদি সে (একজন পুরুষ) করতো
مذكر غائب	لَيْتَمَا فَعَلَا	تثنيه مذكر غائب	হায়! যদি তারা (দুইজন পুরুষ) করতো
مذكر غائب	لَيْتَمَا فَعَلُوْا	جمع مذكر غائب	হায়! যদি তারা (সকল পুরুষ) করতো
مؤنث غائب	لَيْتَمَا فَعَلَتْ	واحد مؤنث غائب	হায়! যদি সে (একজন মহিলা) করতো
مؤنث غائب	لَيْتَمَا فَعَلَتَا	تثنيه مؤنث غائب	হায়! যদি তারা (দুইজন মহিলা) করতো
مؤنث غائب	لَيْتَمَا فَعَلْنَ	جمع مؤنث غائب	হায়! যদি তারা (সকল মহিলা) করতো
مذكر حاضر	لَيْتَمَا فَعَلْتَ	واحد مذكر حاضر	হায়! যদি তুমি (একজন পুরুষ) করতে
مذكر حاضر	لَيْتَمَا فَعَلْتُمَا	تثنيه مذكر حاضر	হায়! যদি তোমরা (দুইজন পুরুষ) করতে
مذكر حاضر	لَيْتَمَا فَعَلْتُمْ	جمع مذكر حاضر	হায়! যদি তোমরা (সকল পুরুষ) করতে
مؤنث حاضر	لَيْتَمَا فَعَلْتِ	واحد مؤنث حاضر	হায়! যদি তুমি (একজন মহিলা) করতে
مؤنث حاضر	لَيْتَمَا فَعَلْتُمَا	تثنيه مؤنث حاضر	হায়! যদি তোমরা (দুইজন মহিলা) করতে
مؤنث حاضر	لَيْتَمَا فَعَلْتُنَّ	جمع مؤنث حاضر	হায়! যদি তোমরা (সকল মহিলা) করতে
متكلم	لَيْتَمَا فَعَلْتُ	واحد متكلم	হায়! যদি আমি করতাম
متكلم	لَيْتَمَا فَعَلْنَا	جمع متكلم	হায়! যদি আমরা করতাম

নফি/মনফি বানাতে হলে আমরা যা করব।

যেকোন মাজি ফে'লের শুরুতে ما আর মুজারের শুরুতে لا শব্দ যোগ করলেই হয়ে যাবে। যেমন ঃ

ما نصر- ما ضرب- ما سمع

لا يضرب لا ينصر لا يقتل لا يفتح لا يسمع

শব্দার্থ

سَمَكَةٌ - মাছ

لَحْمٌ - গোশত

لَبَنٌ/حَلِيْبٌ - দুধ

عَسَلٌ - মধু

بَيْضَةٌ - ডিম

طَازَجٌ/ طَازَجَةٌ - তাজা

بَائِتٌ /بَائِتَةٌ - বাসি

خَالِصٌ/خَالِصَةٌ - খাঁটি

فَاسِدٌ/ فَاسِدَةٌ - নষ্ট

الدرس الثاني عشر

لن، لم ও لام تاكيد এর ব্যবহার

نفي تاكيد بلن

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	لَنْ يَفْعَلَ (واحد مذكر غائب)	সে (একজন পুরুষ) কখনোই করবে না
	لَنْ يَفْعَلَا (تثنيه مذكر غائب)	তারা (দুইজন পুরুষ) কখনোই করবে না
	لَنْ يَفْعَلُوْا (جمع مذكر غائب)	তারা (সকল পুরুষ)কখনোই করবে না
مذكر حاضر	لَنْ تَفْعَلَ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) কখনোই করবে না
	لَنْ تَفْعَلَا (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) কখনোই করবে না
	لَنْ تَفْعَلُوْا (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) কখনোই করবে না
مؤنث غائب	لَنْ تَفْعَلَ (واحد مؤنث غائب)	সে (একজন মহিলা) কখনোই করবে না
	لَنْ تَفْعَلَا (تثنيه مؤنث غائب)	তারা (দুইজন মহিলা) কখনোই করবে না
	لَنْ يَفْعَلْنَ (جمع مؤنث غائب)	তারা (সকল মহিলা) কখনোই করবে না
مؤنث حاضر	لَنْ تَفْعَلِيْ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) কখনোই করবে না
	لَنْ تَفْعَلَا (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) কখনোই করবে না
	لَنْ تَفْعَلْنَ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) কখনোই করবে না
متكلم	لَنْ اَفْعَلَ (واحد متكلم)	আমি কখনোই করবো না
	لَنْ نَفْعَلَ (جمع متكلم)	আমরা কখনোই করবো না

نفي جحد بلم

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	لَمْ يَفْعَلْ (واحد مذكر غائب)	সে (একজন পুরুষ) করেনি
	لَمْ يَفْعَلَا (تثنيه مذكر غائب)	তারা (দুইজন পুরুষ) করেনি
	لَمْ يَفْعَلُوْا (جمع مذكر غائب)	তারা (সকল পুরুষ) করেনি
مذكر حاضر	لَمْ تَفْعَلْ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) করোনি
	لَمْ تَفْعَلَا (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) করোনি
	لَمْ تَفْعَلُوْا (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) করোনি
مؤنث غائب	لَمْ تَفْعَلْ (واحد مؤنث غائب)	সে (একজন মহিলা) করেনি
	لَمْ تَفْعَلَا (تثنيه مؤنث غائب)	তারা (দুইজন মহিলা) করেনি
	لَمْ يَفْعَلْنَ (جمع مؤنث غائب)	তারা (সকল মহিলা) করেনি
مؤنث حاضر	لَمْ تَفْعَلِيْ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) করোনি
	لَمْ تَفْعَلَا (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) করোনি
	لَمْ تَفْعَلْنَ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) করোনি
متكلم	لَمْ اَفْعَلْ (واحد متكلم)	আমি করিনি
	لَمْ نَفْعَلْ (جمع متكلم)	আমরা করিনি

تعليم اللغة العربية من معهد رحماء

لام تاكيد

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	لَيَفْعَلَنَّ (واحد مذكر غائب)	সে (একজন পুরুষ) অবশ্যই করবে
	لَيَفْعَلَانِّ (تثنيه مذكر غائب)	তারা (দুইজন পুরুষ) অবশ্যই করবে
	لَيَفْعَلُنَّ (جمع مذكر غائب)	তারা (সকল পুরুষ) অবশ্যই করবে
مذكر حاضر	لَتَفْعَلَنَّ (واحد مذكر حاضر)	তুমি (একজন পুরুষ) অবশ্যই করবে
	لَتَفْعَلَانِّ (تثنيه مذكر حاضر)	তোমরা (দুইজন পুরুষ) অবশ্যই করবে
	لَتَفْعَلُنَّ (جمع مذكر حاضر)	তোমরা (সকল পুরুষ) অবশ্যই করবে
مؤنث غائب	لَتَفْعَلَنَّ (واحد مؤنث غائب)	সে (একজন মহিলা) অবশ্যই করবে
	لَتَفْعَلَانِّ (تثنيه مؤنث غائب)	তারা (দুইজন মহিলা) অবশ্যই করবে
	لَيَفْعَلْنَانِّ (جمع مؤنث غائب)	তারা (সকল মহিলা) অবশ্যই করবে
مؤنث حاضر	لَتَفْعَلِنَّ (واحد مؤنث حاضر)	তুমি (একজন মহিলা) অবশ্যই করবে
	لَتَفْعَلَانِّ (تثنيه مؤنث حاضر)	তোমরা (দুইজন মহিলা) অবশ্যই করবে
	لَتَفْعَلْنَانِّ (جمع مؤنث حاضر)	তোমরা (সকল মহিলা) অবশ্যই করবে
متكلم	لَأَفْعَلَنَّ (واحد متكلم)	আমি অবশ্যই করবো
	لَنَفْعَلَنَّ (جمع متكلم)	আমরা অবশ্যই করবো

الحوار

---- السلام عليكم ورحمه الله وبركاته

---- وعليكم السلام ورحمه الله وبركاته

---- ما اسمك يا أخي

---- أنا سيف الاسلام وأنت؟

---- أنا ياسين

---- ومن معك هذا؟

---- هو إبراهيم وهو زميلي وصديقي

---- ماذا جنسيتك؟

---- أنا من باكستان؟ وأنت؟

---- أنا من السعودية

---- وهو؟

---- هو من أفغانستان. إبراهيم هو أفغاني

---- هو أفغاني؟

---- نعم هو أفغاني وأبوه مجاهد

---- أ هذا صدق يا أخي؟

---- نعم إن هذا صدق لا ينكر. أبو إبراهيم جاهد أي قاتل في سبيل الله. وإبراهيم أيضا يريد، أن يجاهد في سبيل الله مع أبيه

---- ما شاء الله، أنا ايضا أريد، أن أكون شهيدا والشهادة تنجيني يوم القيامة إن شاء الله

---- تقبل الله منا ومنكم

الدرس الثالث عشر

أمر غائب معروف

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	لِيَفْعَلْ واحد مذكر غائب	সে (একজন পুরুষ) যেন করে
	لِيَفْعَلَا تثنيه مذكر غائب	তারা (দুইজন পুরুষ) যেন করে
	لِيَفْعَلُوْا جمع مذكر غائب	তারা (সকল পুরুষ) যেন করে
مؤنث غائب	لِتَفْعَلْ واحد مؤنث غائب	সে (একজন মহিলা) যেন করে
	لِتَفْعَلَا تثنيه مؤنث غائب	তারা (দুইজন মহিলা) যেন করে
	لِيَفْعَلْنَ جمع مؤنث غائب	তারা (সকল মহিলা) যেন করে
متكلم	لِأَفْعَلْ واحد متكلم	আমি যেন করি
	لِنَفْعَلْ جمع متكلم	আমরা যেন করি

الضرب

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	لِيَضْرِبْ واحد مذكر غائب	সে (একজন পুরুষ) যেন প্রহার করে
	لِيَضْرِبَا تثنيه مذكر غائب	তারা (দুইজন পুরুষ) যেন প্রহার করে
	لِيَضْرِبُوْا جمع مذكر غائب	তারা (সকল পুরুষ) যেন প্রহার করে
مؤنث غائب	لِتَضْرِبْ واحد مؤنث غائب	সে (একজন মহিলা) যেন প্রহার করে
	لِتَضْرِبَا تثنيه مؤنث غائب	তারা (দুইজন মহিলা) যেন প্রহার করে
	لِيَضْرِبْنَ جمع مؤنث غائب	তারা (সকল মহিলা) যেন প্রহার করে
متكلم	لِأَضْرِبْ واحد متكلم	আমি যেন প্রহার করি
	لِنَضْرِبْ جمع متكلم	আমরা যেন প্রহার করি

أمر مجهول

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	لِيُفْعَلْ واحد مذكر غائب	তাকে (একজন পুরুষ) যেন করা হয়
	لِيُفْعَلَا تثنيه مذكر غائب	তাদেরকে (দুইজন পুরুষ) যেন করা হয়
	لِيُفْعَلُوْا جمع مذكر غائب	তাদেরকে (সকল পুরুষ) যেন করা হয়
مؤنث غائب	لِتُفْعَلْ واحد مؤنث غائب	তাকে (একজন মহিলা) যেন করা হয়
	لِتُفْعَلَا تثنيه مؤنث غائب	তাদেরকে (দুইজন মহিলা) যেন করা হয়
	لِيُفْعَلْنَ جمع مؤنث غائب	তাদেরকে (সকল মহিলা) যেন করা হয়
مذكر حاضر	لِتُفْعَلْ واحد مذكر حاضر	তোমাকে (একজন পুরুষ) যেন করা হয়
	لِتُفْعَلَا تثنيه مذكر حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন পুরুষ) যেন করা হয়
	لِتُفْعَلُوْا جمع مذكر حاضر	তোমাদেরকে (সকল পুরুষ) যেন করা হয়
مؤنث حاضر	لِتُفْعَلِي واحد مؤنث حاضر	তোমাকে (একজন মহিলা) যেন করা হয়
	لِتُفْعَلَا تثنيه مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন মহিলা) যেন করা হয়
	لِتُفْعَلْنَ جمع مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (সকল মহিলা) যেন করা হয়
متكلم	لِأُفْعَلْ واحد متكلم	আমাকে যেন করা হয়
	لِنُفْعَلْ جمع متكلم	আমাদেরকে যেন করা হয়

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

القتل

	صيغة	অর্থ
مذكر غائب	لِيُقْتَلْ واحد مذكر غائب	তাকে (একজন পুরুষ) যেন হত্যা করা হয়
	لِيُقْتَلَا تثنيه مذكر غائب	তাদেরকে (দুইজন পুরুষ) যেন হত্যা করা হয়
	لِيُقْتَلُوْا جمع مذكر غائب	তাদেরকে (সকল পুরুষ) যেন হত্যা করা হয়
مؤنث غائب	لِتُقْتَلْ واحد مؤنث غائب	তাকে (একজন মহিলা) যেন হত্যা করা হয়
	لِتُقْتَلَا تثنيه مؤنث غائب	তাদেরকে (দুইজন মহিলা) যেন হত্যা করা হয়
	لِيُقْتَلْنَ جمع مؤنث غائب	তাদেরকে (সকল মহিলা) যেন হত্যা করা হয়
مذكر حاضر	لِتُقْتَلْ واحد مذكر حاضر	তোমাকে (একজন পুরুষ) যেন হত্যা করা হয়
	لِتُقْتَلَا تثنيه مذكر حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন পুরুষ) যেন হত্যা করা হয়
	لِتُقْتَلُوْا جمع مذكر حاضر	তোমাদেরকে (সকল পুরুষ) যেন হত্যা করা হয়
مؤنث حاضر	لِتُقْتَلِي واحد مؤنث حاضر	তোমাকে (একজন মহিলা) যেন হত্যা করা হয়
	لِتُقْتَلَا تثنيه مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (দুইজন মহিলা) যেন হত্যা করা হয়
	لِتُقْتَلْنَ جمع مؤنث حاضر	তোমাদেরকে (সকল মহিলা) যেন হত্যা করা হয়
متكلم	لِأُقْتَلْ واحد متكلم	আমাকে যেন হত্যা করা হয়
	لِنُقْتَلْ جمع متكلم	আমাদেরকে যেন হত্যা করা হয়

অধিক ব্যবহৃত তিনটি বাব

باب افتعال

مصدر	مصدر এর অর্থ	ماضي	مضارع	اسم الفاعل	أمر	نهي
اَلْإِجْتِنَابُ	বিরত থাকা	اِجْتَنَبَ সে বিরত থেকেছে	يَجْتَنِبُ সে বিরত থাকে, থাকছে, থাকবে	مُجْتَنِبٌ বিরতকারী	اِجْتَنِبْ তুমি বিরত থাকো	لَا تَجْتَنِبْ তুমি বিরত থেকো না
اَلْإِقْتِرَابُ	নিকটবর্তী হওয়া	اِقْتَرَبَ সে নিকটবর্তী হয়েছে	يَقْتَرِبُ সে নিকটবর্তী হয়, হচ্ছে, হবে	مُقْتَرِبٌ নিকটবর্তী	اِقْتَرِبْ তুমি নিকটবর্তী হও	لَا تَقْتَرِبْ তুমি নিকটবর্তী হইও না
اَلْإِغْتِسَالُ	গোসল করা	اِغْتَسَلَ সে গোসল করেছে	يَغْتَسِلُ সে গোসল করে, করছে, করবে	مُغْتَسِلٌ গোসলকারী	اِغْتَسِلْ তুমি গোসল করো	لَا تَغْتَسِلْ তুমি গোসল করো না
اَلْإِكْتِسَابُ	উপার্জন করা	اِكْتَسَبَ সে উপার্জন করেছে	يَكْتَسِبُ সে উপার্জন করে, করছে, করবে	مُكْتَسِبٌ উপার্জনকারী	اِكْتَسِبْ তুমি উপার্জন করো	لَا تَكْتَسِبْ তুমি উপার্জন করো না
اَلْإِنْتِخَابُ	নির্বাচন করা	اِنْتَخَبَ সে নির্বাচন করেছে	يَنْتَخِبُ সে নির্বাচন করে, করছে, করবে	مُنْتَخِبٌ নির্বাচনকারী	اِنْتَخِبْ তুমি নির্বাচন করো	لَا تَنْتَخِبْ তুমি নির্বাচন করো না

باب استفعال

مصدر	مصدر এর অর্থ	ماضي	مضارع	اسم الفاعل	أمر	نهي
اَلْإِسْتِنْصَارُ	সাহায্য চাওয়া	اِسْتَنْصَرَ সে সাহায্য চেয়েছে	يَسْتَنْصِرُ সে সাহায্য চায়, চাচ্ছে, চাবে	مُسْتَنْصِرٌ সাহায্যপ্রার্থী	اِسْتَنْصِرْ তুমি সাহায্য প্রার্থনা করো	لَا تَسْتَنْصِرْ তুমি সাহায্য প্রার্থনা করো না
اَلْإِسْتِحْقَارُ	তুচ্ছ মনে করা	اِسْتَحْقَرَ সে তুচ্ছ মনে করেছে	يَسْتَحْقِرُ সে তুচ্ছ মনে করে, করছে, করবে	مُسْتَحْقِرٌ যে তুচ্ছ মনে করে	اِسْتَحْقِرْ তুমি তুচ্ছ মনে করো	لَا تَسْتَحْقِرْ তুমি তুচ্ছ মনে করো না
اَلْإِسْتِغْفَارُ	ক্ষমা প্রার্থনা করা	اِسْتَغْفَرَ সে ক্ষমা প্রার্থনা করেছে	يَسْتَغْفِرُ সে ক্ষমা প্রার্থনা করে, করছে, করবে	مُسْتَغْفِرٌ ক্ষমা প্রার্থনাকারী	اِسْتَغْفِرْ তুমি ক্ষমা প্রার্থনা করো	لَا تَسْتَغْفِرْ তুমি ক্ষমা প্রার্থনা করো না
اَلْإِسْتِفْهَامُ	প্রশ্ন করা/জানতে চাওয়া	اِسْتَفْهَمَ সে প্রশ্ন করেছে	يَسْتَفْهِمُ সে প্রশ্ন করে, করছে, করবে	مُسْتَفْهِمٌ প্রশ্নকারী	اِسْتَفْهِمْ তুমি প্রশ্ন করো	لَا تَسْتَفْهِمْ তুমি প্রশ্ন করো না
اَلْإِسْتِخْدَامُ	সেবা কামনা করা	اِسْتَخْدَمَ সে সেবা কামনা করেছে	يَسْتَخْدِمُ সে সেবা কামনা করে, করছে, করবে	مُسْتَخْدِمٌ সেবা কামনাকারী	اِسْتَخْدِمْ তুমি সেবা কামনা করো	لَا تَسْتَخْدِمْ তুমি সেবা কামনা করো না

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

باب إفعال

مصدر	مصدر এর অর্থ	ماضي	مضارع	اسم الفاعل	أمر	نهي
اَلْإِكْرَامُ	সম্মান করা	أَكْرَمَ সে সম্মান করেছে	يُكْرِمُ সে সম্মান করে, করছে, করবে	مُكْرِمٌ সম্মানকারী	أَكْرِمْ তুমি সম্মান করো	لَا تُكْرِمْ তুমি সম্মান করো না
اَلْإِذْهَابُ	নিয়ে যাওয়া	أَذْهَبَ সে নিয়ে গিয়েছে	يُذْهِبُ সে নিয়ে যায়, যাচ্ছে, যাবে	مُذْهِبٌ যে নিয়ে যায়	أَذْهِبْ তুমি নিয়ে যাও	لَا تُذْهِبْ তুমি নিয়ে যেও না
اَلْإِسْكَاتُ	চুপ করানো	أَسْكَتَ সে চুপ করেছে	يُسْكِتُ সে চুপ করে, করছে, করবে	مُسْكِتٌ নিশ্চুপকারী	أَسْكِتْ তুমি চুপ করো	لَا تُسْكِتْ তুমি চুপ করো না
اَلْإِخْرَاجُ	বের করা	أَخْرَجَ সে বের করেছে	يُخْرِجُ সে বের করে, করছে, করবে	مُخْرِجٌ বহিষ্কারকারী	أَخْرِجْ তুমি বের করো	لَا تُخْرِجْ তুমি বের করো না
اَلْإِرْشَادُ	পথ দেখানো	أَرْشَدَ সে পথ দেখিয়েছে	يُرْشِدُ সে পথ দেখায়, দেখাচ্ছে, দেখাবে	مُرْشِدٌ পথ প্রদর্শক	أَرْشِدْ তুমি পথ দেখাও	لَا تُرْشِدْ তুমি পথ দেখিও না
اَلْإِخْبَارُ	সংবাদ দেয়া	أَخْبَرَ সে সংবাদ দিয়েছে	يُخْبِرُ সে সংবাদ দেয়, দিচ্ছে, দিবে	مُخْبِرٌ সংবাদদাতা	أَخْبِرْ তুমি সংবাদ দাও	لَا تُخْبِرْ তুমি সংবাদ দিও না

اَلْحِوَار

------ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللهِ وَبَرَكَاتُه

------ وَعَلَيْكُمُ السَّلَامُ وَرَحْمَةُ اللهِ وَبَرَكَاتُه

------ كَيْفَ حَالُكَ؟

------ أَنَا طَيِّبٌ اَلْحَمْدُ لِلهِ

------ مَا اسْمُكَ وَمَا اسْمُ أَبِيْكَ؟

------ اِسْمِيْ مُعَاذ وَاسْمُ أَبِيْ مُنَوَّر

------ وَمَا اسْمُكَ يَا أَخِيْ ؟

------ أَنَا جُنَيْد اَلْبَغْدَادِيّ

------ فِيْ أَيِّ صَفٍّ تَدْرُسُ يَا مُعَاذ؟

------ أَدْرُسُ فِي الصَّفِّ الْخَامِسِ

------ وَفِيْ أَيِّ صَفٍّ أَنْتَ يَا جُنَيْد اَلْبَغْدَادِيّ؟

------ أَدْرُسُ فِي الصَّفِّ السَّادِسِ

------ مَا شَاءَ اللهُ

------ وَبَارَكَ اللهُ فِيْكَ يَا أَخِيَ الصَّغِيْر

الدرس الرابع عشر

باب تَفْعِيْلٌ

نهي	أمر	اسم الفاعل	مضارع	ماضي	مصدر এর অর্থ	مصدر
لَا تُحَرِّمْ তুমি হারাম করো	حَرِّمْ তুমি হারাম করো	مُحَرِّمٌ হারাম সাব্যস্তকারী	يُحَرِّمُ সে হারাম করে, করছে, করবে	حَرَّمَ সে হারাম করেছে	হারাম করা	اَلتَّحْرِيْمُ
لَا تُسَلِّمْ তুমি সালাম দিও না	سَلِّمْ তুমি সালাম দাও	مُسَلِّمٌ সালামদাতা	يُسَلِّمُ সে সালাম দেয়, দিচ্ছে, দিবে	سَلَّمَ সে সালাম দিয়েছে	সালাম দেয়া	اَلتَّسْلِيْمُ
لَا تُعَلِّمْ তুমি শিক্ষা দিও না	عَلِّمْ তুমি শিক্ষা দাও	مُعَلِّمٌ শিক্ষক	يُعَلِّمُ সে শিক্ষা দেয়, দিচ্ছে, দিবে	عَلَّمَ সে শিক্ষা দিয়েছে	শিক্ষা দেওয়া	اَلتَّعْلِيْمُ
لَا تُقَسِّمْ তুমি বন্টন করো না	قَسِّمْ তুমি বন্টন করো	مُقَسِّمٌ বন্টনকারী	يُقَسِّمُ সে বন্টন করে, করছে, করবে	قَسَّمَ সে বন্টন করেছে	বন্টন করা	اَلتَّقْسِيْمُ
لَا تُكَرِّمْ তুমি সম্মান দিও না	كَرِّمْ তুমি সম্মান দাও	مُكَرِّمٌ সম্মানদাতা	يُكَرِّمُ সে সম্মান দেয়, দিচ্ছে, দিবে	كَرَّمَ সে সম্মান দিয়েছে	সম্মান দেওয়া	اَلتَّكْرِيْمُ

باب تَفَعُّلٌ

نهي	أمر	اسم الفاعل	مضارع	ماضي	مصدر এর অর্থ	مصدر
لَا تَقَبَّلْ তুমি গ্রহণ করো না	تَقَبَّلْ তুমি গ্রহণ করো	مُتَقَبِّلٌ গ্রহণকারী	يَتَقَبَّلُ সে গ্রহণ করে, করছে, করবে	تَقَبَّلَ সে গ্রহণ করেছে	গ্রহণ করা	اَلتَّقَبُّلُ
لَا تَذَكَّرْ তুমি স্মরণ করো না	تَذَكَّرْ তুমি স্মরণ করো	مُتَذَكِّرٌ স্মরণকারী	يَتَذَكَّرُ সে স্মরণ করে, করছে, করবে	تَذَكَّرَ সে স্মরণ করেছে	স্মরণ করা/উপদেশ গ্রহণ করা	اَلتَّذَكُّرُ
لَا تَفَكَّرْ তুমি চিন্তা করো না	تَفَكَّرْ তুমি চিন্তা করো	مُتَفَكِّرٌ গবেষক	يَتَفَكَّرُ সে চিন্তা করে, করছে, করবে	تَفَكَّرَ সে চিন্তা করেছে	চিন্তা ফিকির করা	اَلتَّفَكُّرُ
لَا تُقَسِّمْ তুমি পবিত্র হইও না	قَسِّمْ তুমি পবিত্র হও	مُتَطَهِّرٌ পবিত্রতা অর্জনকারী	يَتَطَهَّرُ সে পবিত্র হয়, হচ্ছে, হবে	تَطَهَّرَ সে পবিত্র হয়েছে	পবিত্র হওয়া	اَلتَّطَهُّرُ
لَا تَعَلَّمْ তুমি শিখো না	تَعَلَّمْ তুমি শিখো	مُتَعَلِّمٌ ছাত্র	يَتَعَلَّمُ সে শিখে, শিখছে, শিখবে	تَعَلَّمَ সে শিখেছে	শেখা/শিক্ষা গ্রহণ করা	اَلتَّعَلُّمُ

باب مُفَاعَلَةٌ

نهي	أمر	اسم الفاعل	مضارع	ماضي	مصدر এর অর্থ	مصدر
لَا تُطَالِبْ তুমি আবেদন করো না	طَالِبْ তুমি আবেদন করো	مُطَالِبٌ আবেদনকারী	يُطَالِبُ সে আবেদন করে, করছে, করবে	طَالَبَ সে আবেদন করেছে	আবেদন করা	اَلْمُطَالَبَةُ
لَا تُعَاقِبْ তুমি শাস্তি দিও না	عَاقِبْ তুমি শাস্তি দাও	مُعَاقِبٌ শাস্তিদানকারী	يُعَاقِبُ সে শাস্তি দেয়, দিচ্ছে, দিবে	عَاقَبَ সে শাস্তি দিয়েছে	শাস্তি দেওয়া	اَلْمُعَاقَبَةُ
لَا تُخَالِفْ তুমি বিরোধিতা করো না	خَالِفْ তুমি বিরোধিতা করো	مُخَالِفٌ বিরোধী	يُخَالِفُ সে বিরোধিতা করে, করছে, করবে	خَالَفَ সে বিরোধিতা করেছে	বিরোধিতা করা	اَلْمُخَالَفَةُ
لَا تُجَاهِدْ তুমি সর্বাত্মক চেষ্টা করো না	جَاهِدْ তুমি সর্বাত্মক চেষ্টা করো	مُجَاهِدٌ যে জিহাদ করে	يُجَاهِدُ সে সর্বাত্মক চেষ্টা করে, করছে, করবে	جَاهَدَ সে সর্বাত্মক চেষ্টা করেছে	সর্বাত্মক চেষ্টা করা	اَلْمُجَاهَدَةُ وَالْجِهَادُ
لَا تُقَاتِلْ তুমি যুদ্ধ করো না	قَاتِلْ তুমি যুদ্ধ করো	مُقَاتِلٌ যোদ্ধা	يُقَاتِلُ সে যুদ্ধ করে, করছে, করবে	قَاتَلَ সে যুদ্ধ করেছে	যুদ্ধ করা	اَلْمُقَاتَلَةُ وَالْقِتَالُ

تعليم اللغة العربية من معهد رحماء

اَلْحِوَار

------ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ وَعَلَيْكُمُ السَّلَام وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ إِلَى أَيْنَ ذَاهِبٌ أَنْتَ يَا عَزِيْزُ؟

------ أَنَا ذَاهِبٌ إِلَى الْمَدْرَسَةِ

------ مَاذَا تُرِيْدُ أَنْ تَكُوْنَ؟

------ أُرِيْدُ أَنْ أَكُوْنَ مُجَاهِدًا

------ مَاذَا هَدَفُكَ؟

------ أُقِيْمُ الدِّيْنَ؟

------ كَيْفَ يُمْكِنُ هٰذَا؟

------ بِالدَّعْوَةِ وَالْجِهَادِ فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ

------ إِنَّ هٰذَا مُسْتَحِيْلٌ

------ لِمَاذَا؟ وَمَاذَا تُرِيْدُ؟

------ أُرِيْدُ أَنْ أَكُوْنَ سِيَاسِيًّا وَأُقِيْمُ الدِّيْنَ بِالسِّيَاسَةِ الْإِسْلَامِيَّةِ

------ أَنْتَ تُقِيْمُ الدِّيْنَ بِالْجُمْهُوْرِيَّةِ وَالْاِشْتِرَاكِيَّةِ وَالْعَلْمَانِيَّةِ وَالْوَطْنِيَّةِ. إِنَّ هٰذَا الْأَمْرَ مِنْ 'حَتّٰى يَلِجَ الْجَمَلُ فِيْ سَمِّ الْخِيَاطِ' أَلَيْسَ الْأَمْرُ كَذٰلِكَ؟

الدرس الخامس عشر

كيف نكتب اليومية' والامتحان'

يَوْمِيَّة

أَنَا اَسْتَيْقِظُ قَبْلَ صَلَاةِ الْفَجْرِ كُلَّ يَوْمٍ وَبَعْدَ الْاِسْتِنْجَاءِ أَتَوَضَّأُ وَأَسْتَعِدُّ لِلصَّلَاةِ وَأَذْهَبُ إِلَى الْمَسْجِدِ بِسُرْعَةٍ. ثُمَّ أُصَلِّي لِرِضْوَانِ اللّٰهِ وَأَتْلُو الْقُرْآنَ. بَعْدَ تِلَاوَةِ الْقُرْآنِ أَخْرُجُ مِنَ الْمَسْجِدِ. وَأَذْهَبُ إِلىٰ حَدِيْقَةِ الْمَنْزِلِ ثُمَّ أَمْشِيْ فِي الْحَدِيْقَةِ قَلِيْلًا مِنَ الْوَقْتِ وَأُمَارِسُ الرِّيَاضَةَ لِأُحَافِظَ عَلىٰ صِحَّتِي. ثُمَّ أَغْتَسِلُ وَأُعِدُّ لِنَفْسِي وَأَذْهَبُ اِلَى الْكُلِّيَّةِ مَاشِيًا. وَأَرْجِعُ مِنَ الْكُلِّيَّةِ رَاكِبًا بِالْحَافِلَة

রোজ নামচা

আমি প্রতিদিন ফজরের পূর্বে ঘুম থেকে উঠি। ইস্তেঞ্জা করার পর ওজু করি ও নামাজের প্রস্তুতি গ্রহণ করি। এবং দ্রুত মসজিদে যাই। অতঃপর আল্লাহ তায়ালা সন্তুষ্টি অর্জনের লক্ষ্যে সালাত আদায় করি ও কুরআন শরিফ তিলাওয়াত করি। কুরআন তিলাওয়াতের পর মসজিদ থেকে বের হই এবং বাড়ির বাগানে যাই অতঃপর বাগানে কিছু সময় চলাফেরা করি এবং নিজের স্বাস্থের যত্ন নেওয়ার জন্য শরিরচর্চা করি। অতঃপর গোসল করি এবং নিজেকে প্রস্তুত করে নেই। এবং কলেজে যাই হেঁটে হেঁটে। এবং কলেজ থেকে বাসে চড়ে ফিরে আসি ।

الدرس السادس عشر

أسماء المشتقات

بحث اسم الفاعل

مذكر

صيغة	অর্থ
ضَارِبٌ (واحد مذكر)	একজন (পুরুষ) প্রহারকারী
ضَارِبَانِ/ضَارِبَيْنِ (تثنيه مذكر)	দুইজন (পুরুষ) প্রহারকারী
ضَارِبُوْنَ/ضَارِبِيْنِ (جمع مذكر)	অনেক (পুরুষ) প্রহারকারী

مؤنث

صيغة	অর্থ
ضَارِبَةٌ (واحد مؤنث)	একজন (মহিলা) প্রহারকারিনী
ضَارِبَتَانِ/ضَارِبَتَيْنِ (تثنيه مؤنث)	দুইজন (মহিলা) প্রহারকারিনী
ضَارِبَاتٌ (جمع مؤنث)	অনেক (মহিলা) প্রহারকারিনী

بحث اسم المفعول

مذكر

صيغة	অর্থ
مَقْتُوْلٌ (واحد مذكر)	একজন (পুরুষ) নিহত
مَقْتُوْلَانِ/مَقْتُوْلَيْنِ (تثنيه مذكر)	দুইজন (পুরুষ) নিহত
مَقْتُوْلُوْنَ/مَقْتُوْلِيْنَ (جمع مذكر)	অনেক (পুরুষ) নিহত

مؤنث

صيغة	অর্থ
مَقْتُوْلَةٌ (واحد مؤنث)	একজন (মহিলা) নিহত
مَقْتُوْلَتَانِ/مَقْتُوْلَتَيْنِ (تثنيه مؤنث)	দুইজন (মহিলা) নিহত
مَقْتُوْلَاتٌ (جمع مؤنث)	অনেক (মহিলা) নিহত

بحث اسم الظرف

صيغة	অর্থ
مَنْصَرٌ (واحد)	(একটি) সাহায্য করার স্থান
مَنْصَرَانِ/مَنْصَرَيْنِ (تثنيه)	(দুইটি) সাহায্য করার স্থান
مَنَاصِرُ (جمع)	(অনেক) সাহায্য করার স্থান

صيغة	অর্থ
مَضْرِبٌ (واحد)	(একটি) প্রহার করার স্থান
مَضْرِبَانِ/مَضْرِبَيْنِ (تثنيه)	(দুইটি) প্রহার করার স্থান
مَضَارِبُ (جمع)	(অনেক) প্রহার করার স্থান

بحث اسم الآلة

اسم الآلة صغرى

صيغة	অর্থ
مِحْرَثٌ (واحد)	(একটি) কৃষি কাজের (ছোটো) যন্ত্র (লাঙল)
مِحْرَثَانِ/مِحْرَثَيْنِ (تثنيه)	(দুইটি) কৃষি কাজের (ছোটো) যন্ত্র (লাঙল)
مَحَارِثُ (جمع)	(অনেক) কৃষি কাজের (ছোটো) যন্ত্র (লাঙল)

اسم الآلة وسطى

صيغة	অর্থ
مِحْرَثَةٌ (واحد)	(একটি) কৃষি কাজের (মধ্যম) যন্ত্র (লাঙল)
مِحْرَثَتَانِ/مِحْرَثَتَيْنِ (تثنيه)	(দুইটি) কৃষি কাজের (মধ্যম) যন্ত্র (লাঙল)
مَحَارِثُ (جمع)	(অনেক) কৃষি কাজের (মধ্যম) যন্ত্র (লাঙল)

اسم الآلة كبرى

صيغة	অর্থ
مِحْرَاثٌ (واحد)	(একটি) কৃষি কাজের (বড়) যন্ত্র (লাঙল)
مِحْرَاثَانِ/مِحْرَاثَيْنِ (تثنيه)	(দুইটি) কৃষি কাজের (বড়) যন্ত্র (লাঙল)
مَحَارِيْثُ (جمع)	(অনেক) কৃষি কাজের (বড়) যন্ত্র (লাঙল)

بحث اسم التفضيل

مذكر

صيغة	অর্থ
أَنْصَرُ (واحد مذكر)	অধিক সাহায্যকারী (একজন পুরুষ)
أَنْصَرَانِ/أَنْصَرَيْنِ (تثنيه مذكر)	অধিক সাহায্যকারী (দুইজন পুরুষ)
أَنْصَرُوْنَ/أَنَاصِرُ (جمع مذكر)	অধিক সাহায্যকারী (অনেক পুরুষ)

مؤنث

صيغة	অর্থ
نُصْرٰى (واحد مؤنث)	অধিক সাহায্যকারিনী (একজন মহিলা)
نُصْرَيَانِ/نُصْرَيَيْنِ (تثنيه مؤنث)	অধিক সাহায্যকারিনী (দুইজন মহিলা)
نُصَرٌ/نُصْرَيَاتٌ (جمع مؤنث)	অধিক সাহায্যকারিনী (অনেক মহিলা)

শব্দার্থ

طَبِيْبٌ - চিকিৎসক

مَرِيْضٌ - রুগী

أَمِيْنٌ - বিশ্বস্ত

سَخِيٌّ - দানশীল

بَخِيْلٌ - কৃপণ

كَاتِبٌ - লেখক

نَشِيْطٌ - কর্মঠ

كَسْلَانٌ-كَسْلَانَةٌ - অলস

جَيِّدًا - ভালোভাবে

اَلرُّؤْيَةُ ف اَلنَّظْرُ ن - দেখা

تمرين

أفضل الجهاد كلمة حق عند سلطان جائر - كتب الكاتب بقلمه جيدا - وحفظ الطالب كتابته - ورأى الناظر القصة ثم قال للطالب, ماذا مشكلتك لماذا حفظت كتابته - ألا تعلم هذا إن هذا ممنوع - يا أحمد! كيف أستاذك؟ أ في قلبه رحمة؟ أ هو رجل رشيد؟ نعم يا سيدي في قلب أستاذي رحمة كثيرة - هو يدرّسنا بالشفقة دائما وجيدا نحن نحب استاذنا في الله حبا شديدا - وهو أيضا يحبنا من صميم القلب - قد تشرفنا بوجوده

الدرس السابع عشر

علامات الاسم

اسم এর আলামত সর্বমোট ১২ টি

১. ألف لام যুক্ত হওয়া। যেমন-اَلْحَمْدُ
২. حرف جر হওয়া। যেমন-بِزَيْدٍ
৩. শব্দের শেষে تنوين যুক্ত হওয়া। যেমন-زَيْدٌ
৪. শব্দটি مسند اليه হওয়া। যেমন- زَيْدٌ قَائِمٌ
৫. مضاف হওয়া। যেমন- غُلَامُ زَيْدٍ
৬. শব্দটি منسوب হওয়া। যেমন-بَغْدَادِيٌّ
৭. শব্দটি مصغر হওয়া। যেমন-عُبَيْدٌ
৮. শব্দটি দ্বিবচন হওয়া। যেমন-رَجُلَانِ
৯. শব্দটি বহুবচন হওয়া। যেমন-رِجَالٌ
১০. শব্দটি موصوف হওয়া। যেমন-رَجُلٌ عَالِمٌ
১১. শব্দের শেষে 'ة'(গোল তা) যুক্ত হওয়া। ضَارِبَةٌ
১২. শব্দের শুরুতে حروف نداء যুক্ত হওয়া। যেমন-يَا زَيْدٌ

শব্দার্থ

جِسْمٌ - শরীর	جَبِيْنٌ - কপাল
عَضْوٌ - অঙ্গ	أَنْفٌ - নাক
رَأْسٌ - মাথা	فَمٌ - মুখ
شَعْرٌ - চুল	عُنُقٌ - ঘাড়
حَاجِبٌ - ভ্রু	أُذُنٌ - কান

اَلْحِوَار

------ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللهِ وَبَرَكَاتُه أَهْلًا يَا صَدِيْقِي
------ وَعَلَيْكُمُ السَّلَام وَرَحْمَةُ اللهِ وَبَرَكَاتُه أَهْلًا وَسَهْلًا وَمَرْحَبًا بِكَ يَا أَخِي
------ اِنْتَظَرْتُكَ كَثِيْرًا يَا أَخِي
------ عُذْرًا قَدْ تَأَخَّرْتُ، كَانَ الطَّرِيْقُ مُزْدَحَمًا
------ لَا بَأْسَ/لَا حَرَجَ، حَمْدًا لِلّٰهِ عَلَى سَلَامَتِكَ، تَفَضَّلْ اِجْلِسْ هُنَا

الدرس الثامن عشر

علامات الفعل

فعل এর আলামত সর্বমোট ৮ টি

১. শব্দের শুরুত قد যুক্ত হওয়া। যেমন -قَدْ ضَرَبَ

২. শব্দের শুরুতে سين যুক্ত হওয়া। যেমন - سَيُقَاتِلُ

৩. শব্দের শুরুতে سوف যক্ত হওয়া। যেমন -سَوْفَ يُجَاهِدُ

৪. শব্দের শুরুতে حرف جازم যুক্ত হওয়া। যেমন -لَمْ يَضْرِبْ

৫. শব্দের শেষে ضمير مرفوع متصل হওয়া। যেমন -ضَرَبْنَا

৬. শব্দের শেষে সাকিন বিশিষ্ট 'ت' যুক্ত হওয়া। যেমন -ضَرَبَتْ

৭. শব্দটি امر হওয়া। যেমন -اِضْرِبْ

৮. শব্দটি نهي হওয়া। যেমন -لَا تَضْرِبْ

শব্দার্থ

جِسْمٌ - শরীর	جَبِيْنٌ - কপাল
عَضْوٌ - অঙ্গ	أَنْفٌ - নাক
رَأْسٌ - মাথা	فَمٌ - মুখ
شَعْرٌ - চুল	عُنُقٌ - ঘাড়
حَاجِبٌ - ভ্রু	أُذُنٌ - কান

اَلْحِوَار

------ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللهِ وَبَرَكَاتُه صَبَاحَ الْخَيْرِ يَا حَبِيْبِيْ

------ وَعَلَيْكُمُ السَّلَام وَرَحْمَةُ اللهِ وَبَرَكَاتُه صَبَاحَ النُّوْرِ يَا رَاشِد

------ لِمَاذَا تَجْلِسُ سَاكِتًا وَمَاذَا تَتَفَكَّرُ؟

------ كُنْتُ أَتَفَكَّرُ فِي الْمُسْلِمِيْنَ الْمَظْلُوْمِيْنَ

------ مَنْ هُمْ؟

------ هُمُ الَّذِيْنَ يَسْكُنُوْنَ فِيْ غَزَّةَ وَفِيْ فِلِسْطِيْن

------ أَجَل، ذِكْرُهُمْ يُؤْلِمُنِيْ كَثِيْرًا

------ طَبْعًا، يُؤْلِمُنِيْ أَيْضًا. وَلَا أَدْرِيْ مَاذَا أُجِيْبُ اللهَ يَوْمَ الْقِيَامَةِ

------ صَدَقْتَ. هُمْ إِخْوَانُنَا فِي اللهِ وَإِخْوَانُنَا فِي الدِّيْنِ. وَلٰكِنْ مَاذَا نَسْتَطِيْعُ أَنْ نَفْعَلَ لَهُمْ؟ لَا نَسْتَطِيْعُ أَنْ نَفْعَلَ لَهُمْ شَيْئًا إِلَّا الدُّعَاء

------ مَنْ قَالَ لَكَ هٰذَا؟ أَوَّلًا يَجِبُ عَلَيْنَا أَنْ نُقَاتِلَ فِيْ سَبِيْلِ اللهِ لِإِعْلَاءِ كَلِمَةِ اللهِ وَلِتَحْرِيْرِ الْأُمَّةَ الْمُسْلِمَةِ وَثَانِيًا أَنْ نُعْطِيَ الصَّدَقَةَ وَنُطْعِمَ الْجَائِعِيْنَ وَالنَّازِحِيْنَ. لِأَنَّ اللهَ اشْتَرٰى مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ أَنْفُسَهُمْ وَأَمْوَالَهُمْ بِأَنَّ لَهُمُ الْجَنَّةَ. فَإِنْ لَمْ نَسْتَطِعْ هٰذِه فَنَدْعُو اللهَ لَهُمْ

------ لَمْ أُفَكِّرْ أَبَدًا كَمِثْلِكَ. جَزَاكَ اللهُ. وَلٰكِنَّكَ قُلْ لِيْ شَيْئًا وَاحِدًا

------ مَاذَا هُوَ؟

------ مَاذَا تُرِيْدُ فِيْ حَيَاتِكَ؟

------ أَتَمَنَّى الشَّهَادَةَ دَائِمًا. اَللّٰهُمَّ ارْزُقْنِيْ شَهَادَةً فِيْ سَبِيْلِكَ

------ أٰمِيْن, تَقَبَّلَ اللهُ مِنْكَ يَا أَخِيْ

الدرس التاسع عشر

مرفوعات ومهارة القراءة والحوار

مرفوعات الاسماء

১. ফায়েল হওয়া। যেমনঃ ضَرَبَ زَيْدٌ

২. নায়েবে ফায়েল হওয়া। যেমনঃ قَدْ نُصِرَ خَالِدٌ

৩. মুবতাদা হওয়া। যেমনঃ عُثْمَانُ قَائِمٌ

৪. খবর হওয়া। যেমনঃ اَلْكُرْسِيُّ مَكْسُوْرٌ

৫. إن ও তার أخوات এর খবর হওয়া। যেমনঃ إِنَّ اللّٰهَ رَزَّاقٌ

৬. كان ও أخوات এর ইসম হওয়া। যেমনঃ كَانَ فِرْعَوْنُ ظَالِمًا

৭. مرفوع এর تابع/অনুগত হইয়া। যেমনঃ فَسَجَدَ الْمَلَائِكَةُ كُلُّهُمْ أَجْمَعِيْنَ

اسم إن وأخواتها

إِنَّ - أَنَّ - كَأَنَّ - لَيْتَ - لٰكِنَّ - لَعَلَّ

اسم كان وأخواتها (أفعال الناقصة)ه

«كان» «صار» «ظلَّ» «بات» «أصبح»، أضحى»، و«أمسى» «ما دام» «ما زال»
«ما فتي» «ما برَحَ»و«ما انفكَّ» «ليس»

تعليم اللغة العربية من معهد رحماء

مهارة القراءة

نَارٌ بَارِدَةٌ

اجْتَمَعَ النَّاسُ وَقَالُوا : مَاذَا نَفْعَلُ؟ إِنَّ إِبْرَاهِيمَ كَسَرَ الْأَصْنَامَ وَأَهَانَ الآلِهَةَ ! وَسَأَلَ النَّاسُ : مَا عِقَابُ إِبْرَاهِيمَ مَا جَزَاءُ إِبْرَاهِيمَ؟ كانَ الْجَوابُ : «حَرِّقُوهُ وَانْصُرُوا آلِهَتَكُمْ». وَهٰكَذَا كَانَ : أَوْقَدُوا نَاراً وَأَلْقَوْا فِيهَا إِبْرَاهِيمَ. وَلٰكِنَّ اللهَ نَصَرَ إِبْرَاهِيمَ وَقَالَ لِلنَّارِ : يَا نَارُ كُونِي بَرْداً وَسَلَاماً عَلَى إِبْرَاهِيمَ». وهكذا كان، كَانَتِ النَّارُ بَرْداً وسَلَاماً عَلَى إِبْرَاهِيمَ وَرَأَى النَّاسُ أَنَّ النَّارَ لَا تَضُرُّ إِبْرَاهِيمَ. وَرَأَى النَّاسُ أَنَّ إِبْرَاهِيمَ مَسْرُورٌ ، وَأَنَّ إِبْرَاهِيمَ سَالِمٌ وَدَهِشَ النَّاسُ وَتَحَيَّرُوا

اَلْحِوَار

------ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ وَعَلَيْكُمُ السَّلَام وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ أَنَا مِنْ تُرْكِيَا وَمِنْ أَيْنَ أَنْتَ

------ أَنَا مِنْ مِصر

------ مَا شَاءَ اللّٰهُ بَارَكَ اللّٰهُ فِيكَ. هٰذَا أَخِيْ هُوَ مُدَرِّسٌ وَيَسْكُنُ فِيْ مِصر

------ أَهٰكَذَا؟

------ نَعَمْ وَهٰذِه أُخْتِيْ. هِيَ طَبِيْبَةٌ وَهِيَ تَسْكُنُ فِي السَّعُوْدِيَّة

------ مَرْحَبًا بِكَ قَدْ فَرِحْتُ فَرَحًا كَثِيْرًا بِلِقَائِكُمْ

------ اَلْيَوْمَ نَحْنُ ذَاهِبُوْنَ، لَيْسَ لَدَيْنَا وَقْتٌ مِنَ الْكَثِيْرِ

------ تَمَامٌ، إِلَى اللِّقَاءِ الْقَرِيْبِ إِنْ شَاءَ اللّٰهُ مَعَ السَلَامَةِ

------ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ وَعَلَيْكُمُ السَّلَام وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

الدرس العشرون

منصوبات ومهارة القراءة والحوار

منصوبات الأسماء

١. دَرَسْتُ الدِّرَاسَةَ دِرَاسَةً — مفعول مطلق

٢. إِشْتَرَيْتُ قَلَمًا — مفعول به

٣. دَخَلْتُ الْبَيْتَ — مفعول فيه

٤. قَامَ الطَّالِبُ إِكْرَامًا لِلْأُسْتَاذِ — مفعول له

٥. صَلَّى الْمُعَلِّمُ وَالْجَمَاعَةَ فِى الْمَسْجِدِ — مفعول معه

٦. دَخَلَ مَاجِدٌ فِى الْحَدِيْقَةِ مَاشِيًا — حال

٧. حَضَرَ خَمْسَةَ عَشَرَ طَالِبًا — تمييز

٨. يُصَلِّى الْمُسْلِمُوْنَ إِلَّا الْمُنَافِقَ وَالْكُفَّارَ — مستثني

٩. إِنَّ الْكِتَابَ جَدِيْدٌ — اسم إن وأخواتها

١٠. كَانَ الرَّجُلُ جَاهِلًا — خبر كان وأخواتها

١١. يَا عَبْدَ اللّٰهِ — منادى مضاف

١٢. رَأَيْتُ زَيْدًا وَخَالِدًا — تابع للمنصوب

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

مهارة القراءة

حَسَدُ الْإِخْوَةِ

وَكَانَ يُوسُفُ لَهُ أَخٌ آخَرُ مِنْ أُمِّهِ اسْمُهُ بِنْيَامِينُ . وَكَانَ يَعْقُوبُ يُحِبُّهُمَا حُبًّا شَدِيداً ، وَكَانَ لا يُحِبُّ مِثْلَهُمَا أَحَداً .وَكَانَ الإِخْوَةُ يَحْسُدُونَ يُوسُفَ وَبِنْيَامِينَ وَيَغْضَبُونَ، كَانُوا يَقُولُونَ : لِمَاذَا يُحِبُّ أَبُونَا يُوسُفَ وَبِنْيَامِينَ أَكْثَرَ ؟ . وَلِمَاذَا يُحِبُّ أَبُونَا يُوسُفَ وَبِنْيَامِينَ وَهُمَا صَغِيرَانِ ضَعِيفَانِ؟ .لماذا لا يُحِبُّنَا مِثْلَ يُوسُفَ وَبِنْيَامِينَ نَحْنُ شُبَّانٌ أَقْوِياءُ، هَذَا أَمْرٌ عَجِيبٌ .وَكَانَ يُوسُفُ وَلَداً صَغِيراً، فَحَكَى الرُّؤْيَا لِإِخْوَتِهِ وَغَضِبَ الإِخْوَةُ جِدًّا لَمَّا سَمِعُوا الرُّؤْيَا وَاشْتَدَّ حَسَدُهُمْ. وَاجْتَمَعَ الإِخْوَةُ يَوْماً وَقَالُوا: اقْتُلُوا يُوسُفَ أو اطْرَحُوهُ أَرْضاً بَعِيدَةً .حِينَئِذٍ يَكُونُ أَبُوكُمْ لَكُمْ خَالِصاً ، وَيَكُونُ حُبُّهُ لَكُمْ خَالِصاً. قَالَ أَحَدُهُمْ : لا .بَلْ أَلْقُوهُ فِي بِئْرٍ فِي طَرِيقٍ يَأْخُذْهُ بَعْضُ الْمُسَافِرِينَ. وَوَافَقَ عَلَيْهِ جَمِيعُ الإِخْوَةِ

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

اَلْحِوَار

------ عثْمَان : اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ عُمَر : وَعَلَيْكُمُ السَّلَامُ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ عثْمَان : مَا هٰذِه يَا عُمَر؟

------ عُمَر : هٰذِه شَجَرَةٌ يَا عُثْمَان. وَفِيْهَا أُسْرَةُ النَّبِيِّ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

------ عُثْمَان : صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ . وَلٰكِنِّي لَا أَفْهَمُ شَيْئًا. فَسِّرْهُ مِنْ فَضْلِكَ يَا عُمَر

------ عُمَر : أُنْظُرْ, هٰذَا وَالِدُهُ عَبْدُ اللّٰهِ. وهذه والِدتُّهُ آمِنَة

------ عُثْمَان : وهَذَا جَدُّهُ عَبْدُ الْمُطَّلِب

------ عُمَر : وهَذَا عَمُّهُ العَبَّاسِ

------ عُثْمَان : وهَذَا عَمُّهُ حَمْزَة

------ عُمَر : وهَذَا عَمُّهُ أبو طالب

------ عُثمَان : وهَذه عَمَّتُهُ صَفِيَّة

------ عُمَر : وهٰذَا اِبْنُهُ الْقَاسِم

------ عثْمَان : وَهَذَا ابْنُهُ عَبْدُ اللّٰهِ

------ عُمَر : وهَذَا ابْنُهُ إِبْرَاهِيْم

------ عُثْمَان : وَهٰذِه اِبْنَتُهُ فَاطِمَة

------ عُمَر : وهٰذِه اِبْنَتُهُ رُقَيَّة

------ عُثْمَان : وهَذِهِ ابْنَتَهُ زَيْنَب

------ عُمَر : وهذه ابْنَتُهُ أُمُّ كُلْثُوْم

الدرس الحادي والعشرون

مجرورات ومهارة القراءة والحوار

المجرورات

১. শব্দের শুরুতে হরফে জর আসা। যেমন - وَالْفَجْرِ وَلَيَالٍ عَشْرٍ

২. মুজাফ ইলাইহি (مضاف اليه) হওয়া। যেমন - كِتَابُ زَيْدٍ

নির্বাচিত কতিপয় বাবসমূহ

باب اِنْفِعَال

مصدر	مصدر এর অর্থ	ماضي	مضارع	اسم الفاعل	أمر	نهي
اَلْاِنْفِطَارُ	বিদীর্ণ হওয়া	اِنْفَطَرَ সে বিদীর্ণ হয়েছে	يَنْفَطِرُ সে বিদীর্ণ হয়, হচ্ছে, হবে	مُنْفَطِرٌ বিদীর্ণ	اِنْفَطِرْ তুমি বিদীর্ণ হও	لَا تَنْفَطِرْ তুমি বিদীর্ণ হইও না
اَلْاِنْقِلَابُ	আন্দোলন হওয়া উলটপালট হওয়া	اِنْقَلَبَ সে উলটপালট হয়েছে	يَنْقَلِبُ সে উলটপালট হয়, হচ্ছে, হবে	مُنْقَلِبٌ আন্দোলনকারী	اِنْقَلِبْ তুমি উলটপালট হও	لَا تَنْقَلِبْ তুমি উলটপালট হইও না
اَلْاِنْشِرَاحُ	উন্মোচিত হওয়া খোলা	اِنْشَرَحَ সে খুলেছে	يَنْشَرِحُ সে খুলে, খুলছে, খুলবে	مُنْشَرِحٌ উন্মোচনকারী	اِنْشَرِحْ তুমি খুলো	لَا تَنْشَرِحْ তুমি খুলো না

باب اِفَّاعُل

مصدر	مصدر এর অর্থ	ماضي	مضارع	اسم الفاعل	أمر	نهي
اَلْاِثَّاقُلُ	ভারী হওয়া	اِثَّاقَلَ সে ভারী হয়েছে	يَثَّاقَلُ সে ভারী হয়, হচ্ছে, হবে	مُثَّاقِلٌ ভারী	اِثَّاقَلْ তুমি ভারী হও	لَا تَثَّاقَلْ তুমি ভারী হইও না
اَلْاِشَّابُهُ	সাদৃশ হওয়া	اِشَّابَهَ সে সাদৃশ্য হয়েছে	يَشَّابَهُ সে সাদৃশ্য হয়, হচ্ছে, হবে	مُشَّابِهٌ সাদৃশ্য	اِشَّابَهْ তুমি সাদৃশ্য হও	لَا تَشَّابَهْ তুমি সাদৃশ্য হইও না
اَلْاِصَّالُحُ	চুক্তি করা	اِصَّالَحَ সে চুক্তি করেছে	يَصَّالَحُ সে চুক্তি করে, করছে, করবে	مُصَّالِحٌ চুক্তি সম্পাদনকারী	اِصَّالَحْ তুমি চুক্তি করো	لَا تَصَّالَحْ তুমি চুক্তি করো না

باب اِفَّعُّل

مصدر	مصدر এর অর্থ	ماضي	مضارع	اسم الفاعل	أمر	نهي
اَلْاِطَّهُّرُ	পবিত্র হওয়া	اِطَّهَّرَ সে পবিত্র হয়েছে	يَطَّهَّرُ সে পবিত্র হয়, হচ্ছে, হবে	مُطَّهِّرٌ পবিত্র	اِطَّهَّرْ তুমি পবিত্র হও	لَا تَطَّهَّرْ তুমি পবিত্র হইও না
اَلْاِزَّمُّلُ	কাপড় পরিধান করা	اِزَّمَّلَ সে কাপড় পরিধান করেছে	يَزَّمَّلُ সে কাপড় পরিধান করে, করছে, করবে	مُزَّمِّلٌ কাপড় পরিধানকারী	اِزَّمَّلْ তুমি কাপড় পরিধান করো	لَا تَزَّمَّلْ তুমি কাপড় পরিধান করো না
اَلْاِذَّكُّرُ	উপদেশ গ্রহণ করা	اِذَّكَّرَ সে উপদেশ গ্রহন করেছে	يَذَّكَّرُ সে উপদেশ গ্রহন করে, করছে, করবে	مُذَّكِّرٌ উপদেশ গ্রহনকারী	اِذَّكَّرْ তুমি উপদেশ গ্রহন করো	لَا تَذَّكَّرْ তুমি উপদেশ গ্রহন করো না

تعليييم اللغة العربية من معهد رحماء

مهارة القراءة

إِلَى الْغَابَةِ

وَفَرِحَ الإِخْوَةُ كَثِيراً لَمَّا أَذِنَ يَعْقُوبُ لِيُوسُفَ . وَذَهَبُوا إِلَى غَابَةٍ وَأَلْقَوْا يُوسُفَ فِي بِئْرٍ فِي الْغَابَةِ وَلَمْ يَرْحَمُوا يُوسُفَ الصَّغِيرَ، وَلَمْ يَرْحَمُوا يَعْقُوبَ الشَّيْخَ الْكَبِيرَ . وَكَانَ يُوسُفُ وَلَداً صَغِيراً، وَكَانَ قَلْبُهُ صَغِيراً . وَكَانَتِ البِئْرُ عَمِيقَةً، وَكَانَتِ البِئْرُ مُظْلِمَةً. وَكَانَ يُوسُفُ وَحِيْدًا .وَلكِنَّ اللَّهَ بَشَّرَ يُوسُفَ

وَقَالَ لَهُ : لَا تَحْزَنْ وَلَا تَخَفْ إِنَّ اللّٰهَ مَعَكَ، وَسَيَكُونُ لَكَ شَأْنٌ .سَيَحْضُرُ إِلَيْكَ الإِخْوَةُ وَتُخْبِرُهُمْ بِمَا فَعَلُوهُ. وَلَمَّا فَرَغُوا مِنْ شَأْنِهِمْ وَأَلْقَوْا يُوسُفَ فِي الْبِئْرِ اجْتَمَعُوا

وَقَالُوا :مَاذَا نَقُولُ لِأَبِيْنَا؟

قالَ بَعْضُهُمْ : كانَ أَبُوْنَا يَقُولُ أَخَافُ أَنْ يَأْكُلَهُ الذِّئبُ فَتَقُولُ لَهُ صَدَقْتَ يَا أَبَانَا قَدْ أَكَلَهُ الذِّئْبُ، وَافَقَ الإِخْوَةُ عَلَى ذَلِكَ، وَقَالُوا نَعَمْ نَقُولُ لَهُ يَا أَبَانَا قَدْ أَكَلَهُ الذِّئبُ .

. قالَ بَعْضُ الإِخْوَانِ: وَلكِنْ مَا آيَةُ ذَلِكَ؟ قَالُوا : آيَةٌ ذلِكَ الدَّمُ

وَأَخَذَ الْإِخْوَةُ كَبْشاً وَذَبَحُوْهُ .وَأَخَذُوا قَمِيصَ يُوسُفَ وَصَبَغُوهُ .وَفَرِحَ الإِخْوَةُ جِدًّا وَقَالُوا : الآن يُصَدِّقُ أَبُونَا

تعليييم اللغة العربية من معهد رحماء

اَلْحِوَار

------ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ وَعَلَيْكُمُ السَّلَامُ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ يَا أَخِيْ خبيب، مَا لَكَ، لِمَاذَا تَبْكِيْ وَحِيْدًا؟

------ أَنَا أَبْكِيْ لِإِخْوَانِيَ الْمَظْلُوْمِيْنَ وَالنَازِحِيْنَ

------ مَاذَا تَقُوْلُ؟ أَلَكَ أَخٌ؟ وَكُنْتُ أَدْرِيْ أَنَّهُ لَيْسَ لَكَ أَخٌ وَأَنْتَ الْوَلَدُ الْوَحِيْدُ لِأَبِيْكَ

------ وَلكِنِّيْ أَبْكِيْ لِإِخْوَانِي الَّذِيْنَ فِيْ غَزَّةَ

------ سَمِعْتُ أَنَّ هُنَاكَ الْحَرْبَ مُسْتَمِرٌّ

------ مَاذَا أَحْوَالُهُمْ اَلْآنَ؟

------ إِنَّهُمْ جَائِعُوْنَ وَهُمْ مِنَ الْمَرْضٰى وَالْجَرْحٰى، هُمْ يُفْطِرُوْنَ بِالْأَعْشَابِ وَالْأَطْفَالُ يَصْرَخُوْنَ مِنَ الْجُوْعِ وَالنِّسَاءُ مُنْدَهِشَاتٌ مِنَ الْخَوْفِ وَالْهَلَعِ، وَقَدْ دُمِّرَتْ مَنَازِلُهُمْ، مَاذَا سَيَفْعَلُوْنَ الْآنَ؟ لَيْسَ لَدَيْهِمْ شَيْءٌ

------ وَنَأْكُلُ وَنَشْرَبُ؟ كَيْفَ يُمْكِنُ هٰذَا؟ نَحْنُ نَأْكُلُ حَتّٰى نَشْبَعَ وَإِخْوَتُنَا يَمُوْتُوْنَ مِنَ الْجُوْعِ

------ نَعَمْ يَا أَخِيْ، لَا يَغْفِرُ اللّٰهُ لَنَا وَلَنْ يَغْفِرَ اللّٰهُ لَنَا. وَاللّٰهِ نَحْنُ مُذْنِبُوْنَ وَمُجْرِمُوْنَ وَأَيْنَ إِحْسَاسُنَا وَأَيْنَ شُعُوْرُنَا الْآنَ؟

------ فَمَاذَا نُجِيْبُ أَمَامَ اللّٰه يَوْمَ الْقِيَامَةِ

------ نَقُوْلُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ أَيْنَ الْمَفَرَّ فَأَيْنَ الْمَفَرَّ؟

اَلْحِوَار

------ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ وَعَلَيْكُمُ السَّلَامُ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ يَا أَخِيْ خبيب، مَا لَكَ، لِمَاذَا تَبْكِيْ وَحِيْدًا؟

------ أَنَا أَبْكِيْ لِإِخْوَانِيَ الْمَظْلُوْمِيْنَ وَالنَازِحِيْنَ

------ مَاذَا تَقُوْلُ؟ أَلَكَ أَخٌ؟ وَكُنْتُ أَدْرِيْ أَنَّهُ لَيْسَ لَكَ أَخٌ وَأَنْتَ الْوَلَدُ الْوَحِيْدُ لِأَبِيْكَ

------ وَلكِنِّيْ أَبْكِيْ لِإِخْوَانِي الَّذِيْنَ فِيْ غَزَّةَ

------ سَمِعْتُ أَنَّ هُنَاكَ الْحَرْبَ مُسْتَمِرٌّ مَاذَا أَحْوَالُهُمْ اَلْآنَ؟

------ إِنَّهُمْ جَائِعُوْنَ وَهُمْ مِنَ الْمَرْضٰى وَالْجَرْحٰى، هُمْ يُفْطِرُوْنَ بِالْأَعْشَابِ وَالْأَطْفَالُ يَصْرَخُوْنَ مِنَ الْجُوْعِ وَالنِّسَاءُ مُنْدَهِشَاتٌ مِنَ الْخَوْفِ وَالْهَلَعِ، وَقَدْ دُمِّرَتْ مَنَازِلُهُمْ، مَاذَا سَيَفْعَلُوْنَ الْآنَ؟ لَيْسَ لَدَيْهِمْ شَيْءٌ

------ وَنَأْكُلُ وَنَشْرَبُ؟ كَيْفَ يُمْكِنُ هٰذَا؟ نَحْنُ نَأْكُلُ حَتّٰى نَشْبَعَ وَإِخْوَتُنَا يَمُوْتُوْنَ مِنَ الْجُوْعِ

----- نَعَمْ يَا أَخِيْ، لَا يَغْفِرُ اللّٰهُ لَنَا وَلَنْ يَغْفِرَ اللّٰهُ لَنَا. وَاللّٰهِ نَحْنُ مُذْنِبُوْنَ وَمُجْرِمُوْنَ وَأَيْنَ إِحْسَاسُنَا وَأَيْنَ شُعُوْرُنَا الْآنَ؟

------ فَمَاذَا نُجِيْبُ أَمَامَ اللّه يَوْمَ الْقِيَامَةِ

------ نَقُوْلُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ أَيْنَ الْمَفَرَّ فَأَيْنَ الْمَفَرَّ؟

مهارة القراءة

أَمَامَ الْمَلِكِ

كَانَ فِي الْمَدِينَةِ مَلِكٌ كَبِيرٌ جِدًا ، وَظَالِمٌ جِدًّا . وَكَانَ النَّاسُ يَسْجُدُونَ لِلْمَلِكِ وَسَمِعَ الْمَلِكُ أَنَّ إِبْرَاهِيمَ يَسْجُدُ لِلّٰهِ وَلَا يَسْجُدُ لِأَحَدٍ. فَغَضِبَ الْمَلِكُ وَطَلَبَ إِبْرَاهِيمَ. وَجَاءَ إِبْرَاهِيمُ، وَكَانَ إِبْرَاهِيمُ لا يَخَافُ أَحَداً ، إلا اللّٰهَ

قَالَ المَلِكُ : مَنْ رَبُّكَ يَا إِبْرَاهِيمُ؟

قَالَ إِبْرَاهِيمُ : رَبِّيَ اللّٰهُ

قَالَ المَلِكُ : مَنِ اللّٰهُ يَا إِبْرَاهِيمُ؟

قَالَ إِبْرَاهِيمُ : الَّذِي يُحْيِي وَيُمِيتُ

قَالَ المَلِكُ : أَنَا أُحْيِي وَأُمِيتُ . وَدَعَا الملكُ رَجُلاً وَقَتَلَهُ .وَدَعا رَجُلاً آخَرَ وَتَرَكَهُ وَقَالَ أَنَا أُحْيِي وأُمِيتُ، قَتَلْتُ رَجُلاً وَتَرَكْتُ رَجُلاً. وَكَانَ المَلِكُ بَلِيداً جِدًا، وَكَذَلِكَ كُلُّ مُشْرِكٍ

وأَرَادَ إِبْرَاهِيمُ أَنْ يَفْهَمَ المَلِكُ، وَيَفْهَمَ قَوْمُهُ

فَقَالَ إِبْرَاهِيمُ لِلْمَلِكِ : فَإِنَّ اللّٰهَ يَأْتِي بِالشَّمْسِ مِنَ الْمَشْرِقِ فَأْتِ بِهَا مِنَ الْمَغْرِبِ

فَتَحَيَّرَ الْمَلِكُ وَسَكَتَ .وَنَجِلَ الْمَلِكُ، وَمَا وَجَدَ جَواباً

الدرس الثاني والعشرون

الأبواب المختارة ومهارة القراءة والحوار

باب تَفَاعُل

مصدر	مصدر এর অর্থ	ماضي	مضارع	اسم الفاعل	أمر	نهي
اَلتَّقَابُلُ	মোকাবেলা করা	تَقَابَلَ সে মোকাবেলা করেছে	يَتَقَابَلُ সে মোকাবেলা করে, করছে, করবে	مُتَقَابِلٌ মোকাবেলাকারী	تَقَابَلْ তুমি মোকাবেলা করো	لَا تَقَابَلْ তুমি মোকাবেলা করো না
اَلتَّعَاقُبُ	পরস্পর তিরস্কার করা	تَعَاقَبَ সে পরস্পর তিরস্কার করেছে	يَتَعَاقَبُ সে পরস্পর তিরস্কার করে, করছে, করবে	مُتَعَاقِبٌ পরস্পর তিরস্কারকারী	تَعَاقَبْ তুমি পরস্পর তিরস্কার করো	لَا تَعَاقَبْ তুমি পরস্পর তিরস্কার করো না
اَلتَّحَاسُدُ	পরস্পর হিংসা করা	تَحَاسَدَ সে পরস্পর হিংসা করেছে	يَتَحَاسَدُ সে পরস্পর হিংসা করে, করছে, করবে	مُتَحَاسِدٌ পরস্পর হিংসাকারী	تَحَاسَدْ তুমি পরস্পর হিংসা করো	لَا تَحَاسَدْ তুমি পরস্পর হিংসা করো না
اَلتَّفَاخُرُ	পরস্পর গর্ব করা	تَفَاخَرَ সে পরস্পর গর্ব করেছে	يَتَفَاخَرُ সে পরস্পর গর্ব করে, করছে, করবে	مُتَفَاخِرٌ পরস্পর গর্বকারী	تَفَاخَرْ তুমি পরস্পর গর্ব করো	لَا تَفَاخَرْ তুমি পরস্পর গর্ব করো না

باب فَعْلَلَة

مصدر	مصدر এর অর্থ	ماضي	مضارع	اسم الفاعل	أمر	نهي
اَلْبَعْثَرَةُ	উত্তেজিত করা	بَعْثَرَ সে উত্তেজিত করেছে	يُبَعْثِرُ সে উত্তেজিত করে, করছে, করবে	مُبَعْثِرٌ উত্তেজিতকারী	بَعْثِرْ তুমি উত্তেজিত করো	لَا تُبَعْثِرْ তুমি উত্তেজিত করো না
اَلزَّلْزَلَةُ	প্রকম্পিত করা ভূমিকম্প হওয়া	زَلْزَلَ (একটি বস্তু) প্রকম্পিত করেছে	يُزَلْزِلُ (একটি বস্তু) প্রকম্পিত করে, করছে, করবে	مُزَلْزِلٌ প্রকম্পিত	زَلْزِلْ তুমি প্রকম্পিত করো	لَا تُزَلْزِلْ তুমি প্রকম্পিত করো না
اَلْعَسْكَرَةُ	সেনাবাহিনী প্রস্তুত করা	عَسْكَرَ সে সেনাবাহিনী প্রস্তুত করেছে	يُعَسْكِرُ সে সেনাবাহিনী প্রস্তুত করে, করছে, করবে	مُعَسْكِرٌ সেনাবাহিনী প্রস্তুতকারী	عَسْكِرْ তুমি সেনাবাহিনী প্রস্তুত করো	لَا تُعَسْكِرْ তুমি সেনাবাহিনী প্রস্তুত করো না

اَلْحِوَار

------ اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ وَعَلَيْكُمُ السَّلَامُ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُه

------ أَيْنَ تَسْكُنُ؟

------ أَسْكُنُ فِيْ حَيِّ الْمَطَارِ وَأَيْنَ تَسْكُنُ أَنْتَ؟

------ أَسْكُنُ فِيْ حَيِّ الْجَامِعَةِ

------ هَلْ تَسْكُنُ فِيْ بَيْتٍ؟

------ لَا أَسْكُنُ فِيْ شِقَّةٍ

------ مَا رَقْمُ شِقَّتِكَ؟

------ خَمْسَةٌ، وَمَا رَقْمُ بَيْتِكَ

------ تِسْعَةٌ

اَلدَّرْسُ الثَّالِثُ وَالْعِشْرُوْنَ

اسم معرب

اسم متمكن এর সংজ্ঞা

যাকে ই'রাব দেওয়া হয় বা যে ইসম যের যবর ও পেশ গ্রহণ করতে পারে তাকে ইসমে মুতামাক্কিন বলে।

ইহা (اسم متمكن) ষোলো প্রকার।

১. مفرد منصرف صحيح

যেমন : حَيَوَانٌ - قَلَمٌ - لِسَانٌ - شَيْطَانٌ - سَمَكٌ - لَحْمٌ

ওয়াহেদ হওয়া, তানভীন গ্রহণ করা। শেষে হরফে ইল্লত না থাকা।

২. مفرد منصرف جاري مجري صحيح

যেমন : ظَبْيٌ - دَلْوٌ - كُفُوًا - هُزُوًا - عَدُوٌّ - وَلِيٌّ

শব্দের শেষে ওয়াও বা ইয়া হওয়া এবং তাঁর পূর্বে সাকিন হওয়া। অথবা পেশের পরে ওয়াও হওয়া। এবং শেষে ওয়াও বা ইয়া তাশদিদযুক্ত হবে।

৩. جمع مكسر منصرف

যেমন; رِجَالٌ - أَقْلَامٌ

ইরাব/শেষ অক্ষরের অবস্থা;

রফা/পেশ হবে জুম্মায়ে লফজি দ্বারা, নসব/যবর হবে ফাতহায়ে লফজি দ্বারা, জর/যের হবে কাসরায়ে লফজি দ্বারা। যেমন;

جاءَ حَيَوَانٌ وَظَبْيٌ وَرِجَالٌ

رَأَيْتُ حَيَوَانًا وَظَبْيًا وَرِجَالًا

مَرَرْتُ بِحَيَوَانٍ وَظَبْيٍ وَرِجَالٍ

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

8. جمع مؤنث سالم

আলিফের সাথে লম্বা তা হওয়া। যেমন: مُسْلِمَاتٌ مُؤْمِنَاتٌ

ইরাব/শেষ অক্ষরের অবস্থা;

রফা/পেশ হবে জুম্মায়ে লফজি দ্বারা, নসব ও জর হবে কাসরায়ে লফজি দ্বারা।

যেমন:

جاءت مسلماتٌ

رأيتُ مسلماتٍ

مررتُ بِمُسلماتٍ

৫. غير منصرف

যা তানভীন ও কাসরা/যের গ্রহণ করে না। এবং তাঁর মধ্যে নয়টি سبب/কারণে মধ্য থেকে দুইটি سبب/কারণ পাওয়া যায়/অথবা এমন একটি যা দুটির সমমানের হয়।

যেমন: مَسَاجِدُ - عُمَرُ - أَحْمَدُ - إِبْرَاهِيمُ - حَمْرَاءُ

নয়টি سبب/কারণ:

عدل - وصف - تأنيث - معرفة - عجمة - جمع - تركيب - وزن الفعل - ألف والنون الزائدتان

ইরাব/শেষ অক্ষরের অবস্থা;

রফা/পেশ হবে জুম্মায়ে লফজি দ্বারা, নসব ও জর হবে ফাতহায়ে লফজি দ্বারা।

যেমন:

جاء عمرُ

رأيتُ عمرَ

مررت بِعمرَ

تعلييم اللغة العربية من معهد رحماء

مهارة القراءة

بَعْدَ آدَمَ

بَارَكَ اللَّهُ فِي ذُرِّيَّةِ آدَمَ فَكَانَ فِيهَا رِجَالٌ كَثِيرٌ وَنِسَاءٌ . وَانْتَشَرَتْ ذُرِّيَّةُ آدَمَ وَكَثُرَتْ .فَلَوْ رَجَعَ آدَمُ وَرَأَى أَوْلَادَهُ لَمَا عَرَفَ . وَلَوْ قِيلَ لَهُ هَذِهِ ذُرِّيَّتُكَ يَا آدَمُ لَتَعَجَّبَ كَثِيراً . وَقَالَ : سُبْحَانَ اللّٰهِ! هَؤُلَاءِ كُلُّهُمْ أَوْلَادِي؟ هَذِهِ كُلُّهَا ذُرِّيَّتِي؟! وَكَانَتْ لِذُرِّيَّةِ آدَمَ قُرًى كَثِيرَةٌ، وَبَنَوا بُيُوتاً كَثِيرَةً . وَكَانُوا يَحْرُثُونَ الأَرْضَ وَيَزْرَعُونَ وَيَعِيشُوْنَ. وَكَانَ النَّاسُ عَلَى دِيْنِ أَبِيْهِمْ آدَمَ، يَعْبُدُونَ اللّٰهَ وَلَا يُشْرِكُوْنَ بِهِ شَيْئاً ! .وَكَانَ النَّاسُ أُمَّةً وَاحِدَةً أَبُوهُمْ آدَمُ وَرَبُّهُمْ اللّٰهُ .

اَلْحِوَار

------ البائع : اَلسَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُهُ

------ المشتري : وَعَلَيْكُمُ السَّلَامُ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُهُ

------ المشتري : أُرِيدُ بَعْضَ الْأَثَاثِ

------ البائع : مَاذَا تُرِيدُ لِغُرْفَةِ النَّوْمِ ؟

------ المشتري : أُرِيدُ سَرِيرًا وَسِتَارَةً

------ البائع : وماذا تُرِيدُ لِغُرْفَةِ الْجُلُوسِ ؟

------ المشتري : أُرِيدُ أَرِيكَةً وَسَجَّادَةً

------ البائع : وماذا تُرِيدُ لِلْمَطْبَخِ ؟

------ المشتري : أُرِيدُ فُرْنًا وَثَلَّاجَةً

------ البائع : وماذا تريد لِلْحَمَّامِ ؟

------ المشْتَري : أُرِيدُ سَخَّانًا وَمِرْآةً

------ البائع : هَلْ تُرِيدُ شَيْئًا أَخَر

------ المشتري ، شُكْرًا ، أُرِيدُ مُشَاهَدَةَ الأَثَاثِ

------ البائع : تَفَضَّلْ

الدرس الرابع والعشرون

৬. أسماء ستة مكبرة

এই ছয়টি ইসিম হওয়া। أَبٌ - أَخٌ - حَمٌ - فَمٌ - هَنٌ - ذُوْ مَالٍ

ইরাব/শেষ অক্ষরের অবস্থা:

রফা' হবে ওয়াও লফযী দ্বারা যেমন:جَاءَ أَبُوْكَ

নসব হবে আলিফে লফযী দ্বারা যেমন: رَأَيْتُ أَبَاكَ

জর হবে ইয়ায়ে লফযী দ্বারা যেমন: مَرَرْتُ بِأَبِيْكَ

৭. مثنى/تثنية তথা দ্বিবচন হওয়া।

بَابَانِ بَابَيْنِ - قَلَمَانِ قَلَمَيْنِ - كِتَابَانِ كِتَابَيْنِ

৮. كلا كلتا এই দুটো শব্দ যদি যমিরের দিকে ইজাফত হয়।

كِلَاهُمَا وَكِلْتَاهُمَا كِلَيْهِمَا وَكِلْتَيْهِمَا

৯. اِثْنَانِ اِثْنَتَانِ ثِنْتَانِ এই তিনটি শব্দ।

ইরাব/শেষ অক্ষরের অবস্থা:

রফা' হবে আলিফে লফযী দ্বারা যেমন: جَاءَ اِثْنَانِ رَجُلَانِ , بَابَانِ , كِلَاهُمَا

নসব হবে ইয়ায়ে লফযী দ্বারা যেমন: رَأَيْتُ اِثْنَيْنِ رَجُلَيْنِ , كِلَيْهِمَا , بَابَيْنِ

জর হবে ইয়ায়ে লফযী দ্বারা যেমন: مَرَرْتُ بِاِثْنَيْنِ رجلين , كِلَيْهِمَا , بَابَيْنِ

১০. যে সকল জমা'র ওয়াহেদ এর ওজন ঠিক থাকে।

যেমন: مُسْلِمُوْنَ - مُجَاهِدُوْنَ - مُسْلِمِيْنَ - مُجَاهِدِيْنَ

১১. أولو

যেমন; أُولُوا الْأَلْبَابِ - أُولُوا الْأَبْصَارِ - أُولِى الْأَلْبَاب

১২. جمع صوري আকৃতির দিক থেকে জমা। আসলে জমা নয়।

যেমন: أَرْبَعُوْنَ - مِلْيُوْنَ - تِسْعُوْنَ

ইরাব/শেষ অক্ষরের অবস্থা:

রফা' হবে ওয়াও লফযী দ্বারা যেমন: جَاءَ أَرْبَعُوْنَ رجلا وأولوا الْأَلْبَاب وَمُسْلِمُوْنَ

নসব হবে ইয়ায়ে লফযী দ্বারা যেমন: رَأَيْتُ أَرْبَعِيْنَ رجلا وأولِى الْأَلْبَاب ومُسْلِمِيْنَ

জর হবে ইয়ায়ে লফযী দ্বারা যেমন: مَرَرْتُ بِأَرْبَعِيْنَ رجلا وأولِى الْأَلْبَاب ومُسْلِمِيْنَ

الدرس الخامس والعشرون

১৩. ইসমে মাক্বসূরা তথা কোনো ইসমে যদি আলিফে মাক্বসূরা থাকে।

যেমন: مُوْسٰى- عِيْسٰى

১৪. جمع مذكر سالم ব্যতিত অন্য যেকোনো ইসম যদি ইয়ায়ে মুতাকাল্লিমের দিকে ইযাফত হয়।

যেমন: قَلَمِيْ, بَيْتِيْ, أُمِّيْ, أَبِيْ , زَوْجَتِيْ

এই দুই প্রকারের ইরাব/শেষ অক্ষরের অবস্থা:

রফা’ হবে উহ্য পেশ দ্বারা যেমন: جَاءَ مُوْسٰى, هٰذَا قَلَمِيْ

নসব হবে উহ্য যবর দ্বারা যেমন: وَأُمِّيْ رَأَيْتُ مُوْسٰى

জর হবে উহ্য যের দ্বারা যেমন: مَرَرْتُ بِمُوْسٰى وَأَبِيْ

১৫. اسم منقوص হওয়া। তথা ইসমের শেষে ইয়া তার পূর্বে যের হওয়া।

যেমন: اَلْقَاضِي - مَاضِي

এই প্রকারের ইরাব/শেষ অক্ষরের অবস্থা:

রফা’ হবে উহ্য পেশ দ্বারা যেমন: جَاءَ اَلْقَاضِي

নসব হবে প্রকাশ্য যবর দ্বারা যেমন: رَأَيْتُ اَلْقَاضِيَ

জর হবে উহ্য যের দ্বারা যেমন: مَرَرْتُ بِالْقَاضِي

১৬. جمع مذكر سالم যদি ইয়ায়ে মুতাকাল্লিমের দিকে ইযাফত হয়।

যেমন: مُسْلِمِيَّ যা মূলত مُسْلِمُوْنَ يِ ছিলো।

এই প্রকারের ইরাব/শেষ অক্ষরের অবস্থা:

রফা’ হবে ওয়াও দ্বারা যেমন: جَاءَ مُسْلِمِيَّ

নসব ও জর হবে ইয়া তার পূর্বে যের দ্বারা। যেমন: رَأَيْتُ مُسْلِمِيَّ , مَرَرْتُ بِمُسْلِمِيَّ

জর হবে উহ্য যের দ্বারা যেমন: مَرَرْتُ بِمُسْلِمِيَّ

গায়রে মুনসারিফের প্রকারসমূহ ঃ

عدل : কোনো শব্দ অন্য কোনো শব্দ হতে রূপান্তরিত হওয়া। যেমন: عُمَرُ و زُفَرُ و أُخَرُ

وصف : أَفْعَلُ এর ওযনে যাবতীয় গুনবাচক শব্দ। যেমন: أَبْيَضُ وَأَسْوَدُ

تانيث : শেষে ةবিশিষ্ট নামবাচক শব্দ হওয়া। যেমন: مَكَّةُ و زُبَيْدَةُ و فَاطِمَةُ

معرفة : নির্দিষ্ট নামবাচক শব্দ হওয়া। যেমন: دَاكَا وَ مِصْرَ

عجمة : তিন বা ততোধিক শব্দবিশিষ্ট অনারবী শব্দ হওয়া। যেমন: إِبْرَاهِيْمُ و رُسْتَمُ و إِسْمَاعِيْلُ

جمع : যাবতীয় جمع منتهى الجموع হওয়া। যেমন: مَسَاجِدُ و مَصَابِيْحُ

تركيب : পরষ্পর যুক্ত কোনো শব্দ হওয়া। যেমন: بَعْلَبَكُّ و حَضَرَمَوْتُ

ألف نون الزائدتان : নাম বাচক ইসমের শেষে অতিরিক্ত আলিফ ও নুন যুক্ত হওয়া। যেমন: عُثْمَانُ و عِمْرَانُ

وزن الفعل : কোনো নামবাচক শব্দ ফে’ল এর ওযনে হওয়া। যেমন: أَحْمَدُ و يَزِيْدُ

مهارة القراءة

فِكْرَةُ الشَّيْطَانِ

وَرَأَى الشَّيْطَانُ أَنْ يَدْعُوَ النَّاسَ إِلَى عِبَادَةِ الأَصْنَامِ فَيَدْخُلُوا النَّارَ ولا يَدْخُلُوا الجَنَّةَ أَبَداً .وَكَانَ الشَّيْطَانُ يَعْرِفُ أَنَّ اللّٰهَ لا يَغْفِرُ الشِّرْكَ، وَيَغْفِرُ كُلَّ شَيْءٍ إِذا أَرَادَ . فَأَرَادَ الشَّيْطَانُ أَنْ يَدْعُوَهُمْ إِلَى الشِّرْكِ . فَلَا يَدْخُلُوا الجَنَّةَ أَبَداً . وَلٰكِنْ كَيْفَ الطَّرِيقُ إِلى ذٰلِكَ، وَالنَّاسُ يَعْبُدُونَ اللّٰهَ ؟ إِنَّهُ لَوْ ذَهَبَ إِلَى النَّاسِ وَقَالَ لَهُمْ: «اعْبُدُوا الأَصْنَامَ وَلَا تَعْبُدُوا اللّٰهَ لَشَتَمَهُ النَّاسُ وَضَرَبُوهُ . قَالُوا : مَعَاذَ اللّٰهِ، أَنُشْرِكُ بِرَبِّنَا؟ أَنَعْبُدُ الأَصْنَامَ ۦ إِنَّكَ لَشَيْطَانٌ رَجِيْمٌ ج إِنَّكَ لَشَيْطَانَ خَبِيثٌ

اَلْحِوَار

------ طارق : مَتَى تَسْتَيْقِظُ؟

------ طاهر : أَسْتَيْقِظُ عِنْدَ الفَجْرِ

------ طارق : أَيْنَ تُصَلِّى الْفَجْرَ؟

------ طاهر : أُصَلِّي الفَجْرَ فِي الْمَسْجِدِ

------ طارق : هَلْ تَنَامُ بَعْدَ الصَّلاةِ ؟

------ طاهر : لَا، لَا أَنَامُ بَعْدَ الصَّلاةِ

------ طارق : مَاذَا تَفْعَلُ بَعدَ الصَّلاةِ ؟

------ ظاهر : أَقْرَأُ الْقُرْآنَ

------ طارق : وَمَتَى تَذْهَبُ إِلَى الْمَدْرَسَةِ ؟

------ طاهِر : أَذْهَبُ السَّاعَةَ السَّابِعَةَ

------ طارق : هَل تَذْهَبُ بِالسَّيَّارَةِ؟

------ طاهر : لا ، أَذْهَبُ بِالْحَافِلَةِ